THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 47 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.2 2083 सोमवार, 18 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

गोमूत्र से भोजशाला की शुद्धि

धार, 17 मई (एजेंसियां)। धार की ऐतिहासिक भोजशाला में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की नई गाइड लाइन लागू होने के बाद रविवार को विधिवत पूजा-अर्चना की गई। भोज उत्सव समिति और हिंदू समाज के लोगों ने सूर्योदय के साथ ही मां वाग्देवी की आराधना की और सुबह 11:45 बजे आरती की। रविवार सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां वाग्देवी के चित्र लेकर भोजशाला पहुंचे। समिति ने सबसे पहले परिसर को गंगाजल-गोमूत्र से शुद्ध किया। इसके बाद गर्भगृह को रंगोली से सजाया गया। परिसर के बाहर स्थित ज्योति मंदिर की अखंड ज्योत को भी गर्भगृह में स्थापित किया गया। इसके साथ ही सूर्योदय से ही मंत्रोच्चार, देवी अनुष्ठान और वास्तु पूजन शुरू हो गया।

नीदरलैंड से तमिल दस्तावेज भारत आएंगे

मोदी की मौजूदगी में समझौता, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और चिप बनाने वाली डच कंपनी में भी डील

एम्सटर्डम, 17 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीदरलैंड यात्रा के दौरान 11वीं सदी की ऐतिहासिक चोल ताम्र पट्टिकाओं को भारत लाने पर समझौता हुआ। ये करीब 1000 साल पुराने तमिल दस्तावेज हैं, जिनमें चोल साम्राज्य से जुड़ी ऐतिहासिक जानकारी है।

समझौते के तहत 11वीं सदी की चोल ताम्र पट्टिकाएं जल्द भारत लाई जाएंगी। यह 21 बड़ी और 3 छोटी तांबे की प्लेटों का संग्रह है। इनमें ज्यादातर लेख तमिल भाषा में लिखे गए हैं। मोदी ने कहा कि इन पट्टिकाओं में राजा राजेंद्र चोल प्रथम और उनके पिता राजा राजराजा चोल प्रथम से जुड़ी जानकारी दर्ज है। ताम्र पट्टिकाएं तांबे की बनी प्लेटें होती हैं, जिन पर पुराने समय में अहम बातें लिखी जाती थीं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, 19वीं सदी में जब यूरोपीय देश भारत और एशिया के दूसरे हिस्सों में व्यापार और रिसर्च कर रहे थे, उसी दौरान ये दस्तावेज विदेश ले जाई गईं थीं।

द हेग में आयोजित एक कार्यक्रम में टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और डच कंपनी एएसएमएल के बीच भी समझौता हुआ। यह करार सेमीकंडक्टर और चिप तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए है। एएसएमएल दुनिया की प्रमुख चिप मशीन बनाने वाली कंपनियों में शामिल है, जबकि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश बढ़ा रही है।

नीदरलैंड के राजा-रानी से मिले पीएम मोदी :

मोदी ने नीदरलैंड के हेग शहर में वहां के राजा विलेम-अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा से मुलाकात की। यह मुलाकात शाही महल 'पैलेस हाउस टेन बॉश' में हुई। बैठक के दौरान भारत और नीदरलैंड के रिश्तों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई। दोनों ने शिक्षा, तकनीक, सेमीकंडक्टर, डिजिटल तकनीक, वाटर मैनेजमेंट और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में साथ मिलकर काम बढ़ाने की बात कही।

नीदरलैंड के राजा और रानी ने प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में रात्रिभोज भी रखा। मोदी ने 2019 में राजा और रानी की भारत यात्रा को याद करते हुए कहा कि उस दौरे से दोनों देशों के रिश्तों को नई मजबूती मिली थी। पीएम मोदी ने नीदरलैंड सरकार की मेहमाननवाजी के लिए धन्यवाद दिया।

पीएम मोदी बोले- भारत में निवेश का अभी सबसे अच्छा समय :

नीदरलैंड के हेग शहर में आयोजित सीईओ राउंड टेबल बैठक में मोदी ने कहा कि भारत में निवेश और कारोबार के लिए यह सबसे अच्छा समय है। उन्होंने बताया कि टैक्स, लेबर कानून और सरकारी व्यवस्था में सुधारों के कारण भारत में मैन्युफैक्चरिंग अब सस्ती और आसान हो गई है। पीएम मोदी ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स (जो पहले बड़ा आयात क्षेत्र था) अब भारत का बड़ा निर्यात क्षेत्र बन चुका है। भारत और नीदरलैंड ग्रीन हाइड्रोजन, तकनीक और इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में साथ मिलकर काम बढ़ाएंगे।

भारत में 300 से ज्यादा डच कंपनियां काम कर रहीं :

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ एफटीए (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) समझौता दोनों पक्षों के लिए नए अवसर खोलेगा। साथ ही दोनों देश अपनी साझेदारी को और मजबूत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने डच कंपनियों से भारत में ज्यादा निवेश करने की अपील की। उन्होंने कहा कि 300 से ज्यादा डच कंपनियां पहले से भारत में काम कर रही हैं और भारत तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में कारोबार करने वालों को अच्छे मौके और बेहतर परिणाम मिलेंगे।

केरलम में सीएम समेत 21 मंत्री बनेंगे, सभी नाम फाइनल

कांग्रेस के 12, आईयूएमएल के 5 विधायक, आज सुबह 10 बजे लेंगे शपथ

तिरुवनंतपुरम, 17 मई (एजेंसियां)। केरलम में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) की नई सरकार के शपथ ग्रहण से पहले रविवार को 20 मंत्रियों की पूरी कैबिनेट फाइनल हुई। सीएम के अलावा 11 और मंत्री कांग्रेस से हैं। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के 5 विधायकों को कैबिनेट में जगह दी गई है। केरल कांग्रेस, केरल कांग्रेस (जैकब) रेवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) और सीएमपी (कम्युनिस्ट मार्क्सिस्ट पार्टी) से 1-1 मंत्री हैं।

आईयूएमएल के मुताबिक पार्टी विधायक परक्कल अब्दुल्ला को 2.5 साल बाद कैबिनेट में शामिल किया जाएगा। हालांकि पार्टी ने यह नहीं बताया कि अब्दुल्ला को शामिल करने के लिए क्या किसी मंत्री को हटाया जाएगा। यूडीएफ ने तिरुवंचूर राधाकृष्णन को विधानसभा स्पीकर और शनीमोल उस्मान को डिप्टी स्पीकर बनाने का फैसला किया है। सतीशन ने कहा कि कैबिनेट में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखा गया है। शपथ ग्रहण 18 मई को तिरुवनंतपुरम के सेंट्रल स्टेडियम में सुबह 10 बजे से होगा।

14 मई : केरलम के नए सीएम के लिए सतीशन के नाम का ऐलान

कांग्रेस ने केरलम के चुनाव नतीजे घोषित होने के 10 दिन बाद 14 मई को ऐलान किया था कि 61 साल के वीडी सतीशन राज्य के नए सीएम होंगे। वह परावूर सीट से विधायक हैं। घोषणा के बाद सतीशन 14 मई को ही केरलम के गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात करके सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

कांग्रेस नेता दीपा दासमुंशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था तिरुवनंतपुरम में 7 मई को मीटिंग की थी। पार्टी अध्यक्ष खड़गे, राहुल गांधी से चर्चा के बाद तय किया गया कि केरलम सीएम वीडी सतीशन होंगे। नाम के ऐलान होने का बाद सतीशन ने कहा था कि मैं इस पद को निजी उपलब्धि नहीं बल्कि दैवीय कृपा मानता हूं। मैं वेणुगोपाल, रमेश चेन्निथला समेत सभी नेताओं को अपने विश्वास में लूंगा। >12

'शिक्षा मंत्री को हटाते क्यों नहीं' : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को नीट-यूजी 2026 परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपना रुख और तीखा कर दिया और सवाल उठाया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से क्यों नहीं हटाया गया।

राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में 2024 और 2026 के नीट परीक्षा पेपर लीक मामलों से निपटने के तरीके की तुलना की और प्रधानमंत्री मोदी से देश द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देने को कहा।

सीबीआई फिर जांच कर रही :

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लिखा, नीट 2024 पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द नहीं हुई। मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई ने जांच बिठाई। एक कमेटी बनी। नीट 2026, पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द हुई। मंत्री ने फिर इस्तीफा नहीं दिया। सीबीआई फिर जांच कर रही है। एक और कमेटी बनेगी।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी से किए सवाल :

राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी, देश आपसे कुछ सवाल पूछ रहा है- जवाब दो! बार-बार पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? बार-बार इस परीक्षा पे चर्चा पर आप चुप क्यों हैं? बार-बार फेल हो रहे शिक्षा मंत्री को आप बर्खास्त क्यों नहीं कर रहे हैं।

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यानी एनटीए ने मंगलवार को नीट-यूजी 2026 परीक्षा को रद्द कर दिया, क्योंकि जांचकर्ताओं को ऐसे सबूत मिले थे कि परीक्षा के प्रश्नपत्र में पूछे गए प्रश्नों से मिलते-जुलते कई प्रश्न परीक्षा से पहले ही प्रसारित किए गए थे।

सरकार ने बाद में यह मामला सीबीआई को सौंप दिया, जबकि अब इसकी दोबारा जांच 21 जून को की जाएगी।

23 लाख उम्मीदवार प्रभावित हुए :

इस रद्द होने से लगभग 23 लाख उम्मीदवार प्रभावित हुए हैं। इसी बीच, सीबीआई ने शनिवार को इस मामले में एक और कथित मुख्य साजिशकर्ता को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान मनीषा गुरुनाथ मंधारे के रूप में हुई है। एजेंसी के अनुसार, पूछताछ के बाद मंधारे को दिल्ली में गिरफ्तार किया गया।

नीट पेपर लीक मामले में एनटीए सख्त :

नीट यूजी पेपर बनाने की प्रक्रिया से जुड़े दो लोगों को सीबीआई ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। इसके बाद पता चला है कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सीबीआई को उन पेपर सेट करने वाले लोगों और अनुवादकों के नामों की एक लिस्ट सौंपी हैं, जो एजेंसी की नजर में हैं। यह भी पता चला है कि एनटीए, 21 जून से होने वाली दोबारा नीट परीक्षा से पहले, पेपर सेट करने वाले और अनुवादकों की अपनी मौजूदा लिस्ट में बड़े फेरबदल कर रही है।

अमेरिकी नाकेबंदी के बीच 20 हजार टन गैस लेकर भारत पहुंचा जहाज

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी भारी तनाव के बीच भारत के लिए रसोई गैस की आपूर्ति को लेकर अच्छी खबर आई है। मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाला एलपीजी मालवाहक जहाज 'सिमी' रविवार सुबह गुजरात के कांडला स्थित दीनदयाल बंदरगाह पर सफलतापूर्वक पहुंच गया। यह जहाज 13 मई को 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' के खतरनाक रास्ते से होकर गुजरा था। पश्चिम एशिया में पिछले 75 दिनों से जारी युद्ध की वजह से यह समुद्री मार्ग फिलहाल बेहद असुरक्षित बना हुआ है।

20,000 टन एलपीजी लेकर पहुंचा जहाज :

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने कतर के रास लफ्फान टर्मिनल से लगभग 20,000 टन रसोई गैस खरीदी थी, जिसे लेकर यह जहाज भारत आया है। जहाज पर सवार सभी 21 विदेशी चालक दल के सदस्य पूरी तरह सुरक्षित हैं। ओमान की खाड़ी में ईरानी नौसेना के कड़े पहरे और अमेरिकी नाकेबंदी के बीच इस जहाज को सुरक्षित निकालना एक बड़ी चुनौती थी।

दुश्मन के रडार को ऐसे दिया चकमा :

दुश्मन के रडार और निगरानी तंत्र को चकमा देने के लिए जहाज ने बुधवार को युद्ध क्षेत्र से गुजरते समय अपने 'ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम' (एआईएस) को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। इस तकनीक की मदद से जहाज रडार की नजरों में आए बिना ईरान के लारक द्वीप के पूर्व में सुरक्षित पहुंचने में कामयाब रहा।

होर्मुज पार कर भारत पहुंचने वाला 13वां जहाज :

इस पूरे ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए भारत सरकार के चार मंत्रालयों ने मिलकर काम किया। बंदरगाह और जहाजरानी मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और पेट्रोलियम मंत्रालय के बीच दिन-रात चले बेहतरीन तालमेल की वजह से ही जहाज को किसी भी गोलाबारी से बचाकर सुरक्षित मार्ग दिया जा सका। मार्च की शुरूआत से अब तक इस रास्ते को पार कर भारत पहुंचने वाला यह 13वां जहाज है। इसके पीछे वियतनाम के ध्वज वाला एक और टैंकर 'एनवी सनशाइन' भी आ रहा है, जो न्यू मैंगलोर बंदरगाह की ओर बढ़ रहा है।

रसोई गैस की यह खेप भारत के लिए बहुत जरूरी है क्योंकि युद्ध के कारण देश के ईंधन भंडार में 15 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई है। भारत का कच्चा तेल भंडार 10.7 करोड़ बैरल से घटकर अब 9.1 करोड़ बैरल रह गया है।

केदारनाथ में क्षमता से 40 प्रतिशत ज्यादा श्रद्धालु, रात में हो रही मुश्किल

गौरीकुंड, 17 मई (एजेंसियां)। इस साल उत्तराखंड स्थित केदारनाथ धाम में आ रही बेहिसाब भीड़ और इन्हें संभालने के लिए की गई व्यवस्थाएं चिंता बढ़ा रही हैं। हालात ये हैं कि समुद्र तल से 12 हजार फीट ऊपर हजारों श्रद्धालु रोज दर्शन के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं, क्योंकि हर दिन औसतन 25 हजार श्रद्धालु यहां पहुंच रहे हैं।

प्रशासन का दावा है कि इस बार यात्री क्षमता बढ़ाकर 22 से 24 हजार की है, लेकिन यात्रा के पहले दिन से ही इससे ज्यादा श्रद्धालु आ रहे हैं। इसलिए घोड़ा पड़ाव से मंदिर तक मौजूद सभी दुकानें, टेंट, गेस्ट हाउस, छोटे लॉज सब हाउसफुल हैं और इमरजेंसी में रुकना पड़े तो एक कमरे का रात का किराया 5 से 10 हजार रुपये तक जा रहा है।

5 बाय तीन के टेंट भी बमुश्किल 2 से 6 हजार रुपये में मिल पा रहे हैं। वहीं, 21 किमी नीचे गौरीकुंड और सोनप्रयाग में भी ऐसे ही हालात हैं। रुकने के लिए बजट वाली जगह मिलने में मुश्किल आ रही है। यूं कहें कि केदारनाथ धाम इस समय चारधाम यात्रा के इतिहास के सबसे अधिक श्रद्धालुओं का गवाह बन रहा है। बीते 25 दिन में रिकॉर्ड 5.50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु आ चुके हैं। दर्शन के लिए आधी रात से लाइन लगनी शुरू होती है, जो दिनभर में भी 1 से 2 किमी लंबी बनी रहती है।

यदि सुबह 4 बजे लाइन में लगे तो 8 से 10 घंटे बाद ही मंदिर तक पहुंच पाते हैं। 21 किमी चढ़ाई के बाद डेढ़ किमी लंबी लाइन। बीकानेर से 12 सदस्यीय परिवार के साथ आए सुरेश पारिख ने बताया कि ऊपर एक कमरे का 20 हजार रुपये मांग रहे थे, मोलभाव के बाद 12 हजार में बात बनी। सारा कैश कमरा और भोजन में खत्म हो गया।

सुबह चार बजे दर्शन के लिए लाइन में लगे तो दोपहर एक बजे मंदिर पहुंच पाए। दर्शन भी बाहर से हुए। रुकना चाहते थे, लेकिन बजट नहीं था तो लौटना पड़ा। दरअसल, शिवलिंग को स्पर्श करने का समय सुबह 4 से दोपहर 12 बजे तक तय किया गया है। इसके बाद भोजन, हवन, श्रृंगार के लिए मंदिर के कपाट बंद कर देते हैं।

तमिलनाडु सीएम विजय से मिले कमल हासन, 6 मांगें रखीं

कहा- सरकारी ओटीटी प्लेटफॉर्म लॉन्च करें, पायरेसी रोकने वाला स्ट्रॉन्ग सिस्टम बनाएं

चेन्नई, 17 मई (एजेंसियां)। अभिनेता और नेता कमल हासन ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय से मुलाकात की। उन्होंने तमिल फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ी छह मांगें विजय के सामने रखीं।

हासन ने राज्य सरकार से तमिल फिल्मों और डॉक्यूमेंट्री के लिए सरकारी ओटीटी प्लेटफॉर्म शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे दर्शकों को कम कीमत पर कंटेंट देखने का मौका मिलेगा। हासन ने सोशल मीडिया पर सीएम विजय के साथ मुलाकात की फोटो शेयर करते हुए लिखा कि आज उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री भाई विजय से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

तमिल फिल्म इंडस्ट्री में कई चुनौतियां :

हासन ने पोस्ट में लिखा कि मुख्यमंत्री विजय ने तमिलनाडु के विकास से जुड़े कई सपने बड़े उत्साह के साथ साझा किए। बैठक के दौरान दिखाई गई विनम्रता और स्नेह से उन्हें गर्व महसूस हुआ। तमिल फिल्म इंडस्ट्री इस समय कई चुनौतियों का सामना कर रही है और उसे तमिलनाडु सरकार के सहयोग व समर्थन की जरूरत है। उन्होंने अंत में लिखा, ईश्वर करे, अच्छाई हमेशा बनी रहे।

हासन की सीएम विजय से 6 डिमांड...

> सरकारी तमिल ओटीटी प्लेटफॉर्म शुरू हो- राज्य सरकार से तमिल फिल्मों और डॉक्यूमेंट्री के लिए सरकारी ओटीटी प्लेटफॉर्म शुरू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे दर्शकों को कम कीमत पर कंटेंट देखने का मौका मिलेगा।

> 4 प्रतिशत एंटरटेनमेंट टैक्स हटाया जाए- फिल्म बनाने, रिलीज करने और थिएटर चलाने का खर्च बढ़ गया है। इसलिए 4 प्रतिशत एंटरटेनमेंट टैक्स हटाया जाना चाहिए।

> एंटी-पायरेसी टीम बनाई जाए- पायरेसी रोकने के लिए तमिलनाडु पुलिस के साइबर क्राइम विभाग में एक विशेष एंटी-पायरेसी टीम बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि पायरेसी से कलाकारों, तकनीशियनों और निर्माताओं को भारी नुकसान होता है। >12

डॉक्टर बनाने का डर्टी गेम बेनकाब

नीट पेपर लीक के नौ गुनहगार : सिस्टम के अंदर से हुआ खेला, स्पेशल क्लास से लेकर करोड़ों के सौदे तक की पूरी कहानी

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामले ने साफ कर दिया है कि जब तक परीक्षा कराने वाली एजेंसियों के भीतर बैठे विभीषणों पर लगाम नहीं कसी जाएगी, तब तक सुरक्षा के सारे दावे खोखले रहेंगे। असली प्रश्नपत्र का मिलान आरोपियों की सीक्रेट क्लास के नोट्स और लातूर के मॉक टेस्ट होना इस पूरे सिंडिकेट के पुख्ता सबूत हैं। आधिकारिक पहुंच रखने वाले एनटीए के अंदरूनी एक्सपर्ट्स की गिरफ्तारी के बाद अब सीबीआई की जांच इस पूरे रैकेट के देशव्यापी नेटवर्क और इसके पुराने इतिहास को खंगालने पर टिकी है।

इस हाई-प्रोफाइल मामले में अब तक नौ गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के हाथ जैसे-जैसे इस नेटवर्क के सिंडिकेट तक पहुंच रहे हैं, एक बेहद चौंकाने वाला सच सामने आ रहा है। सच यह कि परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा में बाहर से किसी ने सेंध नहीं लगाई, बल्कि सिस्टम के रखवालों ने ही अंदर से दरवाजे खोल दिए थे।

सीबीआई की तफ्तीश के केंद्र में दो मुख्य चेहरे हैं, मनीषा गुरुनाथ मंधारे और पीवी कुलकर्णी। मनीषा पुणे की एक सीनियर बॉटनी लेक्चरर हैं और उन्हें इस पूरी साजिश का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने उन्हें एक एक्सपर्ट के तौर पर नियुक्त किया था। इसी आधिकारिक हैसियत की वजह से प्रश्नपत्रों तक उनकी सीधी पहुंच थी। वहीं, पुणे से गिरफ्तार लातूर के रिटायर्ड केमिस्ट्री प्रोफेसर पीवी कुलकर्णी भी लंबे समय से एनटीए की परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े हुए थे। इन दोनों ने मिलकर सिस्टम के इसी भरोसे का फायदा उठाया और पेपर को लीक कर दिया।

सीबीआई के अनुसार, यह खेल अप्रैल के आखिरी हफ्ते में ही शुरू हो चुका था। कुलकर्णी ने अपनी सहयोगी मनीषा वाघमारे के साथ मिलकर ऐसे छात्रों को जोड़ना शुरू किया जो इसके लिए मोटी रकम दे सकें। मनीषा वाघमारे पुणे में एक ब्यूटी सैलून चलाती हैं।

इसके बाद पुणे में कुलकर्णी के घर पर चुनिंदा छात्रों के लिए एक 'विशेष कोचिंग क्लास' शुरू हुई। यह कोई साधारण क्लास नहीं थी। यहां छात्रों को न तो कोई कॉन्सेप्ट समझाया जा रहा था और न ही कोई थ्योरी पढ़ाई जा रही थी। यहां सीधे नीट परीक्षा के सवाल, उनके विकल्प और सही जवाब बताए जा रहे थे। छात्र चुपचाप इन्हें अपनी कॉपियों में नोट कर रहे थे। जब सीबीआई ने इन छात्रों की नोटबुक्स जब्त कीं, तो जांच अधिकारी भी हैरान रह गए। तीन मई को आयोजित नीट यूजी 2026 परीक्षा के असली प्रश्नपत्र से ये सवाल हूबहू मैच कर रहे थे।

इस पूरे सिंडिकेट का भंडाफोड़ महाराष्ट्र के लातूर में हुआ। वहां एक कोचिंग संस्थान के मॉक टेस्ट में अचानक 42 ऐसे सवाल पूछ लिए गए, जो ठीक दो दिन बाद होने वाली नीट परीक्षा के असली पेपर में आने वाले थे। जब परीक्षा के दिन असली पेपर सामने आया, तो कुछ जागरूक अभिभावकों के कान खड़े हो गए। उन्होंने तुरंत इसकी शिकायत स्थानीय पुलिस से की। मामले की गंभीरता और इसके अंतर-राज्यीय कनेक्शन को देखते हुए केस तुरंत सीबीआई को सौंप दिया गया।

सीबीआई की जांच में सामने आया है कि यह एक बेहद संगठित सिंडिकेट था। यह नेटवर्क सेमिनार आयोजित करता था और ऐसे छात्रों को ढूंढता था जो पढ़ाई में कमजोर हों लेकिन उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो। इस काम के लिए उन्होंने पुराने छात्रों, खासकर इंजीनियरिंग बैकग्राउंड वाले युवाओं को अपना एजेंट बना रखा था। पिछले 24 घंटों में सीबीआई ने देशव्यापी छापेमारी कर कई अहम दस्तावेज, मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जब्त किए हैं। अब तक जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहिल्यानगर से कुल नौ लोगों को दबोचा जा चुका है।

महाराष्ट्र का अमरावती-वर्धा देश में सबसे गर्म

तापमान 46ओसी : 8 राज्यों में पारा 40 के पार, गुजरात की जंगल सफारी में जानवरों के लिए एसी-स्प्रिंकलर लगाए

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। पश्चिम में राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र-विदर्भ से लेकर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत 8 राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इन इलाकों में पारा लगातार 40ओसी से ऊपर चल रहा है। दिन के साथ रातें भी गर्म हो रही हैं।

महाराष्ट्र के अमरावती और वर्धा देश के सबसे गर्म शहर रहे। दोनों शहरों का तापमान 46ओसी रिकॉर्ड हुआ। यूपी के बांदा, मध्य प्रदेश का नौगांव और खंडवा में भी पारा 44ओसी से ज्यादा रहा। इधर, गुजरात के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास बनी जंगल सफारी (सरदार पटेल जूलॉजिकल पार्क) में जानवरों और पक्षियों के लिए एसी, कूलर और स्प्रिंकलर लगाए गए हैं। वडोदरा के सायाजीबाग जूलॉजिकल पार्क ने जानवरों और पक्षियों को गर्मी से बचाने के लिए ठंडक के कई इंतजाम किए हैं। इनमें पानी का छिड़काव, बर्फ के टुकड़े, फॉगर शामिल हैं।

अगले दो दिन के मौसम का हाल :

18 मई : बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश के साथ बिजली गिरने का अलर्ट है। राजस्थान में गंभीर हीटवेव का अलर्ट है। रातें भी गर्म रहेंगी। छत्तीसगढ़, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी हीटवेव चलेगी। असम, मेघालय, केरलम, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान है।

19 मई : उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर भीषण लू चल सकती है। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, राजस्थान और महाराष्ट्र में कुछ जगहों पर भी लू चलने की आशंका है। असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी में कुछ जगहों पर 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं चलेंगी।

नशीले पदार्थ के साथ दो गिरफ़्तार

विजयवाड़ा, 17 मई (एजेंसियां)। पुलिस ने दो युवकों को गिरफ़्तार किया है, जो नशीले पदार्थ बेच रहे थे। आरोपियों ने राजस्थान से नशीले पदार्थ मंगाए थे और उन्हें विजयवाड़ा में बेच रहे थे। पुलिस ने शैतान और मंगिलाल नाम के दो युवकों से लगभग 6 ग्राम एमडीएमए बरामद किया है। नशीले पदार्थ ज़ब्त कर लिए गए हैं।

विजयवाड़ा वन टाउन पुलिस ने इन युवकों को उस समय रंगे हाथों पकड़ा, जब वे नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के ख़िलाफ़ मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस इस बात की जाँच कर रही है कि नशीले पदार्थ कहाँ से आए थे और आरोपियों ने उन्हें किन-किन लोगों को सप्लाई किया था। पुलिस ने बताया कि उन्होंने नशीले पदार्थों पर नियंत्रण के लिए विशेष ध्यान दिया है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि नशीले पदार्थ बेचने वालों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

महानडू रद्द होने पर

एमएलए वेमिरेड्डी प्रशांति रेड्डी ने कहा: सीएम चंद्रबाबू के फ़ैसले को प्राथमिकता

नेल्लोर, 17 मई (एजेंसियां)। ज़िले के कोवुरु में 'महानडु' आयोजित करने के फ़ैसले के बाद, यह एक 'पीला उत्सव' जैसा माहौल है। हमारे सौभाग्य से, ज़िले के नेता और अन्य लोग बहुत खुश हैं। लेकिन राज्य के हितों को ध्यान में रखते हुए, हम सीएम चंद्रबाबू नायडू द्वारा लिए गए फ़ैसले को स्वीकार करते हैं। टीडीपी एमएलए वेमिरेड्डी प्रशांति रेड्डी ने 'महानडू' कार्यक्रम रद्द किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि महानडू का रद्द होना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने नेल्लोर ज़िले में महानडू आयोजित करने का फ़ैसला किया था। उन्होंने बताया कि इसे 'खर्च में कटौती' के आह्वान के तहत रद्द किया गया है।

महानडू का रद्द होना दुखद है, लेकिन मुख्यमंत्री और पार्टी नेता चंद्रबाबू नायडू ने यह फ़ैसला लिया है, और यह फ़ैसला हमारे लिए सर्वोपरि (शिरोधार्य) है ऐसा एमएलए वेमिरेड्डी प्रशांति रेड्डी ने कहा। उन्होंने बताया कि हम अब

महानडू का आयोजन 'हाइब्रिड' (मिश्रित) तरीकों का इस्तेमाल करके करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों के अनुसार, पूरे देश में खर्च में कटौती के उपाय किए जाने चाहिए। हमारे राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू इसी एक नेक इरादे के साथ आगे बढ़ रहे हैं। यह सोच कि नायडू ने आगे बढ़कर यह पहल की है कि हमें खर्च में कटौती का यह अभियान अपने राज्य से ही शुरू करना चाहिए यह बहुत ही सराहनीय है; ऐसा कोवूर की एमएलए वेमिरेड्डी प्रशांति रेड्डी ने कहा।

राज्य के हित के लिए 'वर्चुअल महानडू'

देश में संकट का माहौल है, लेकिन अगर राज्य में ऐसी सोच पैदा होती है कि लोग मिलकर राज्य को इस संकट से बचा सकते हैं, तो जब भी जन-कल्याण की बात आती है, तो सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले व्यक्ति मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ही होते हैं। एमएलए वेमिरेड्डी प्रशांति रेड्डी ने उनकी सराहना की। वर्तमान में देश में कई घटनाक्रम चल रहे हैं। आने वाले संकट को पहचानते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही यह विचार सार्वजनिक कर दिया था कि देश के विकास और हित के लिए खर्च में कटौती जैसे उपायों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

यह नीति हमारे देश के लिए बहुत फ़ायदेमंद साबित हुई है।

हमारे सीएम चंद्रबाबू नायडू हमारे राज्य के विकास के लिए काम करते हैं। सीएम चंद्रबाबू नायडू की जमकर तारीफ़ की गई, क्योंकि उन्होंने पूरे देश के सामने एक मिसाल बनकर खड़े होने में अग्रणी भूमिका निभाई। राजनीति से ऊपर उठकर राज्य के हित के लिए कई काम किए जाते हैं।

इसी बात को ध्यान में रखते हुए, पार्टी महानडू कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत गरिमामय तरीके से करती रही है। राज्य पार्टी कार्यालय से ही कार्यक्रम को 'वर्चुअल' (ऑनलाइन) माध्यम से आयोजित करने का फ़ैसला लेकर, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक दार्शनिक और दूरदर्शी नेता का उदाहरण प्रस्तुत किया है ऐसा एमएलए वेमिरेड्डी प्रशांति रेड्डी ने स्पष्ट रूप से कहा। सिर्फ़ कहना ही नहीं, बल्कि उसे अमल में भी लाना सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि यही उनकी महानता है।

नवविवाहिता ने की आत्महत्या

काकीनाडा, 17 मई (एजेंसियां)। काकीनाडा ज़िले के किर्लापुडी मंडल के गोनेडू गाँव में एक दुखद घटना घटी। नवविवाहिता सत्या शेट्टी (25) ने दुपट्टे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से स्थानीय स्तर पर भारी हड़कंप मच गया। पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सत्या शेट्टी पेद्दापुरम मंडल के मारलव गाँव की रहने वाली थी। वेंकटलक्ष्मी का विवाह इसी साल 25 अप्रैल को कोटेश्वर राव के साथ हुआ था। लेकिन शादी को अभी ज़्यादा समय बीता भी नहीं था कि उसकी मृत्यु हो गई, जिससे पूरे गाँव में शोक की लहर दौड़ गई।

मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया है कि उसके पति और ससुराल वालों की क्रूरता के कारण ही उसने आत्महत्या की। उन्होंने बताया कि शादी के बाद से ही उसे मानसिक प्रताड़ना दी जा रही थी। इस घटना की सूचना मिलने पर किर्लापुडी पुलिस मौके पर पहुँची और शव को बरामद किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

एनजीओ ने 35 साल बाद बंगाल की 75 वर्षीय महिला को बचाया और उसके परिवार से मिलवाया

विशाखापत्तनम, 17 मई (एजेंसियां)। 75 साल की एक महिला, जिनकी पहचान गीता बिस्वास के तौर पर हुई है, लगभग 35 साल तक अपने परिवार से अलग रहने के बाद, पश्चिम बंगाल के खरिजा काकरीबारी में अपने बेटे और बहू से सुरक्षित रूप से मिल गईं। गीता के दो बेटे और बेटियां हैं। 11 साल की उम्र में अपने छोटे बेटे की मौत के बाद, बताया जाता है कि उनकी मानसिक सेहत बिगड़ गई थी। लगभग 36 साल की उम्र में, वह अपना घर छोड़कर कहीं चली गईं और लापता हो गईं; इससे उनका परिवार पूरी तरह टूट गया और दशकों तक उन्हें माँ के प्यार और देखभाल से वंचित रहना पड़ा।

दिसंबर 2025 में, एयूटीडी के कर्मचारियों ने विजाग रेलवे स्टेशन के पास गीता को बचाया और उन्हें टीएसआर महिला आश्रय गृह में भेज दिया। 'श्रद्धा' संस्था के ज़रिए उन्हें इलाज और देखभाल मिली, जिसके बाद उनकी हालत में काफ़ी सुधार हुआ।

उन्हें विजाग से उनके पैतृक गाँव ले जाया गया, जहाँ हावड़ा में उनके बेटे और बहू ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। एयूटीडी के सचिव प्रगाडा वासु ने बताया, जब गीता ने अपने पति के बारे में पूछा, तो परिवार वाले भावुक हो गए, क्योंकि उन्हें पता नहीं था कि उनके पति की मौत लगभग दो साल पहले ही हो चुकी थी। उन्होंने आगे कहा कि परिवार ने एयूटीडी और 'श्रद्धा' संस्था का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनकी माँ को उनसे फिर से मिलाया; परिवार को लंबे समय से यही लगता था कि उनकी माँ अब इस दुनिया में नहीं रहीं।

लॉरी की चपेट में आने से चार महिला मज़दूरों की मौत

काकीनाडा, 17 मई (एजेंसियां)। काकीनाडा ज़िले के कोव्वुरु गाँव के पास एक लॉरी की चपेट में आने से एनआरेगा की चार महिला मज़दूरों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गईं। यह घटना तब हुई जब वे अपने काम की जगह पर मोबाइल कनेक्टिविटी न होने के कारण बायोमेट्रिक सिस्टम के ज़रिए अपनी हाज़िरी लगा रही थीं। चीडिगा गाँव के ग्रामीणों और मृतकों के रिश्तेदारों ने दुर्घटनास्थल पर विरोध प्रदर्शन किया और लॉरी चालक तथा 'उपाधि' के तकनीकी सहायक पर लापरवाही का आरोप लगाया।

काकीनाडा ग्रामीण सर्किल इंस्पेक्टर चैतन्य कृष्णा और इंद्रापालेम सब-इंस्पेक्टर एम। वीरबाबू के अनुसार, लगभग 20 'उपाधि' मज़दूर हाज़िरी लगाने के लिए कोव्वुरु पुल पर गए थे, क्योंकि कोव्वुरु गाँव में उनके काम की जगह पर मोबाइल सिग्नल उपलब्ध नहीं थे। जब मज़दूर हाज़िरी के लिए तस्वीरें ले रहे थे, तभी यानम से काकीनाडा की ओर (पगडाला पेटा होते हुए) बाईपास सड़क पर जा रही एक लॉरी ने कथित तौर पर तेज़ रफ़्तार से आकर इस समूह को टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान वासमसेट्टी सत्यवती, पालिका कृष्णवेणी, कडा चिट्टेम्मा और चेल्लूरी अन्नावरम के रूप में हुई है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर भेज दिया है। घायल मज़दूरों - पालिका नागमणि और मट्टापर्ती अरुण कुमारी - को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ईवी के निजीकरण के बाद एपीएसआरटीसी प्रमुख ने किराया बढ़ाने से इनकार किया

अमरावती, 17 मई (एजेंसियां)। एपीएसआरटीसी के चेयरमैन कोनाकल्ला नारायण राव ने कर्मचारियों और जनता को भरोसा दिलाया कि बैटरी से चलने वाली बसों का निजी पार्टियों को निजीकरण करने से निगम पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा और न ही किराए में कोई बढ़ोतरी होगी। उन्होंने मंत्री कोल्लू रविंद्र के साथ मिलकर मछलीपट्टनम में आरटीसी कर्मचारियों से बातचीत की और उनकी शिकायतें सुनीं।

कर्मचारियों ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया, क्योंकि उन्हें डर था कि इससे निगम और कर्मचारियों पर बुरा असर पड़ेगा। इसके जवाब में, नारायण और रविंद्र ने कर्मचारियों से सरकार और एपीएसआरटीसी की आर्थिक स्थिति को समझने का आग्रह किया। उन्होंने समझाया कि निजी भागीदारी से कर्ज का बोझ कम होगा और टिकटों से होने वाली आय बढ़ेगी।

कर्मचारियों ने नौकरी की सुरक्षा, बेहतर काम करने की स्थितियाँ और आरटीसी के हितों की रक्षा के बारे में आश्वासन मांगा। उन्होंने कर्मचारियों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया और स्पष्ट किया कि एपीएसआरटीसी अपने दम पर ईवी बसें खरीदने का खर्च नहीं उठा सकता। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि निजी ऑपरेटरों को शामिल करने से आर्थिक दबाव कम होगा, और ईंधन की बढ़ती कीमतों के बावजूद, बिना किराया बढ़ाए सेवाएँ जारी रहेंगी।

प्रदूषण फैलाने वाली 6 अवैध फैक्ट्रियां सील

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। सबोली इलाके में प्रदूषण फैलाने वाली अवैध फैक्ट्रियों के खिलाफ प्रशासन ने बड़ा अभियान चलाते हुए छह फैक्ट्रियों को सील कर दिया। यह कार्रवाई दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), नगर निगम और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। निगम आयुक्त ममता यादव ने बताया कि क्षेत्र में लंबे समय से फैक्ट्रियों से निकलने वाले धुएं, रासायनिक गंध और अपशिष्ट पदार्थों को लेकर शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद निरीक्षण अभियान चलाया गया।

टीम ने मौके पर आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की और अनियमितताएं पाए जाने पर फैक्ट्रियों को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों में बायोमेडिकल कचरा निपटान के नियम सख्त किए

विजयवाड़ा, 17 मई (एजेंसियां)। विजयवाड़ा जीजीएच में हाल ही में हुई एक घटना के बाद, स्वास्थ्य विभाग ने पूरे राज्य के टीचिंग अस्पतालों में बायोमेडिकल कचरा प्रबंधन प्रणालियों की तत्काल समीक्षा का आदेश दिया है। स्वास्थ्य मंत्री वाई। सत्य कुमार यादव द्वारा जारी निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए, चिकित्सा शिक्षा निदेशक डीएमई डॉ। राधिका रेड्डी ने टीचिंग अस्पतालों के अधीक्षकों को सोमवार तक बायोमेडिकल कचरा प्रबंधन, परिवहन और निपटान तंत्र की वर्तमान स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया।

अस्पताल अधिकारियों को जारी आदेशों में, डीएमई ने बायोमेडिकल कचरा भंडारण कक्षों के रखरखाव, प्रवेश द्वारों पर अपनाए गए सुरक्षा उपायों और दरवाजों को सुरक्षित रूप से बंद रखने के लिए उपयोग की जा रही विधियों के संबंध में विवरण मांगा।

अस्पतालों से राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राप्त स्वीकृतियों और ऐसे प्राधिकरणों की वैधता के संबंध में जानकारी देने के लिए कहा गया। डीएमई ने अस्पताल प्रशासनों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि बायोमेडिकल कचरा भंडारण कक्षों की निगरानी सीसीटीवी के माध्यम से की जाए।

रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि बायोमेडिकल कचरे का परिवहन वाहनों के माध्यम से कैसे किया जा रहा है, और ऑपरेशन थिएटर, लैब तथा अन्य विभागों से कचरे को भंडारण कक्षों तक ले जाने के लिए किन प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है; साथ ही इसके समर्थन में दस्तावेज़ भी संलग्न होने चाहिए।

रिश्वत लेता रंगे हाथ पकड़ा गया सब इंस्पेक्टर

अंबाला, 17 मई (एजेंसियां)। शहर। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बलदेव नगर चौकी में तैनात सब इंस्पेक्टर राकेश कुमार को आठ हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोपित को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। आरोपित एसआई पहले भी विभागीय जांच झेल चुका है और दो बार लाइन हाजिर हो चुका था। कबीर नगर निवासी अतुल कश्यप ने एसीबी को शिकायत देकर आरोप लगाया था कि उसके खिलाफ दर्ज मारपीट के केस में जांच में शामिल करवाने और अदालत से बेल रद न करवाने के बदले एसआई राकेश कुमार ने 13 हजार रुपये रिश्वत मांगी। आरोप है कि आरोपित ने पहले ही पांच हजार रुपये ले लिए थे और बाकी आठ हजार रुपये बुलाकर मांगे थे।

राशन कार्ड धारकों के लिए इस महीने के अंत तक का मौका

उसके बाद राशन पर रोक लग सकती है, बड़ी चेतावनी

अमरावती, 17 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश सरकार ने राशन वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए कुछ सुधार किए हैं। पिछले साल स्मार्ट राशन कार्ड की शुरुआत की गई थी। एनआईसी (नेशनल इन्फॉर्मेशन सोसाइटी) सॉफ्टवेयर को अपडेट करके, अब केवाईसी की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पहले ऐसा होता था कि अगर हम राशन नहीं भी लेते थे, तो भी हमारे नाम पर राशन दिखाया जाता था। अगर राशन कार्ड में शामिल परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु हो जाती थी, तो भी उसके नाम पर हर महीने पाँच किलो राशन दिया जाता था। इस तरह आधा-पौना किलो चावल दिया जाता था। लेकिन अब ऐसा करना संभव नहीं है। जिन लोगों के पास राशन कार्ड हैं, उन्हें केवाईसी करवाना अनिवार्य है। अधिकारियों ने 'गतेदादी' के माध्यम से केवाईसी पूरा करवाने को कहा था, लेकिन अभी भी कई लोगों का केवाईसी अधूरा है और उन्होंने यह प्रक्रिया पूरी नहीं की है।

हाल ही में, राज्य नागरिक सेवा विभाग ने कार्ड धारकों को एक और मौका दिया है। कार्ड धारकों के लिए इस महीने के अंत तक केवाईसी करवाना अनिवार्य है। नागरिक कल्याण विभाग के अधिकारी यह सुझाव दे रहे हैं। जिन लोगों का केवाईसी राशन डीलरों के पास लंबित है, वे इस सेवा के माध्यम से अपनी केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं।

पेट्रोल और डीज़ल वाहनों पर भारी टोल शुल्क लगाने की योजना

तिरुपति, 17 मई (एजेंसियां)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बड़े सुधारों को लागू करने की योजना बना रहा है, जो इस पवित्र पहाड़ी तीर्थस्थल को एक आध्यात्मिक और साथ ही एक पर्यावरणीय मील का पत्थर के रूप में फिर से परिभाषित कर सकते हैं। टीएनआईई से बात करते हुए, टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी एम। रविचंद्र ने पेट्रोल और डीजल वाहनों पर भारी टोल शुल्क लगाने, अलीपिरी में 500 करोड़ रुपये की लागत से एक टाउनशिप बनाने, और 'साइलेंस ज़ोन' (शांत क्षेत्र) के नियमों को सख्ती से लागू करने की योजनाओं के बारे में बताया। रविचंद्र ने स्पष्ट किया, घबराएँ नहीं, टोल शुल्क इतनी जल्दी लागू नहीं किया जाएगा।

उन्होंने आगे बताया, लेकिन यह कड़ा और ऊँचा शुल्क ज़रूरी है, क्योंकि इस पहाड़ी तीर्थस्थल पर रोज़ाना औसतन 8,000 वाहन आते हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को टोल शुल्क से छूट दी जाएगी। चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएँगे। तीर्थयात्रियों और अधिकारियों को पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) आधारित सार्वजनिक परिवहन शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा, टीटीडी जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक वाहनों को लाने के लिए चरणबद्ध तरीका अपनाएगा, और हम जल्द ही तिरुमाला में रिचार्ज स्टेशन और चार्जिंग पॉइंट स्थापित करने जा रहे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देकर, टीटीडी न केवल इन पवित्र पहाड़ियों के नाज़ुक पर्यावरण की रक्षा कर रहा है।

नकली पुलिस बनकर करते थे छापेमारी; चार गिरफ्तार

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। टिंडर और क्वैकक्वैक जैसे डेटिंग एप पर हनी ट्रैप के जाल में फंसाकर लोगों से वसूली करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर क्राइम ब्रांच ने आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह बहुत शातिर तरीके से काम करता था, पहले डेटिंग एप्स पर नकली महिला प्रोफाइल बनाई जाती थीं, इसके बाद गिरोह में शामिल महिला पीड़ितों को सूनसान जगह मिलने बुलाती थी, जहां अन्य आरोपित नकली पुलिस अधिकारी बन छापेमारी करते थे और दुष्कर्म का आरोप लगा पीड़ितों से पैसे ऐंठे जाते थे।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान नजफगढ़ के सुशील कुमार, सोनीपत के दीपक उर्फ साजन, उत्तम नगर के विनोद पंडित और तिलक नगर के नीरज त्यागी उर्फ धीरू के रूप में हुई है। गिरोह में शामिल अन्य महिला आरोपित पूजा उर्फ कीर्ति और गगन अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

रिटायर्ड जज और वकील बेटे पर दहेज हत्या का केस, फंदे से लटका मिला था बहू का शव

भोपाल, 17 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नवविवाहिता ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। इस मामले में पुलिस ने जांच तेज करते हुए 6 सदस्यीय स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई है, जो पूरे मामले की गहराई से जांच करेगी। असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (एसीपी) रजनीश कश्यप एसआईटी का का नेतृत्व करेंगे, जिसमें एक महिला पुलिस अधिकारी को भी शामिल किया गया है। एसआईटी के प्रमुख, असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (एसीपी) रजनीश कश्यप ने मामले पर ये जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि समर्थ सिंह का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। समर्थ सिंह और उसके पिता, रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत दहेज हत्या और उत्पीड़न से जुड़ी धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि समर्थ सिंह का पता लगाने के लिए पुलिस की कई टीमें तैनात की गई हैं। उन्होंने कहा, समर्थ और उनकी मां ट्विशा को तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस को रात करीब 11 बजे अस्पताल प्रशासन से उनकी मौत की सूचना मिली थी। अब एसआईटी इस मामले के विभिन्न पहलुओं की जांच करेगी, जिसमें दहेज उत्पीड़न, शारीरिक हिंसा और ट्विशा की मौत के बाद सबूत मिटाने के कथित प्रयासों के आरोप शामिल हैं।

हालांकि, भोपाल के एक कोर्ट ने रिटायर्ड जज को अग्रिम जमानत दे दी है, जबकि 18 मई को समर्थ सिंह की गिरफ्तारी से पहले की जमानत याचिका पर सुनवाई होनी है। बता दें कि मंगलवार रात को कटारा हिल्स थाना क्षेत्र में 33 वर्षीय ट्विशा शर्मा का शव फंदे से लटका मिला था। वहीं, ट्विशा के घरवालों ने उसकी मौत का आरोप ससुराल पक्ष पर लगाया है।

पुलिस ने दबोचे 'सलवार सूट गिरोह' के 3 बदमाश

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली में सिग्नेचर ब्रिज के पास स्कूटी सवार से लूट करने वाले तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान भजनपुरा निवासी निखिल, सोनू व गाजियाबाद निवासी अमर के रूप में हुई है। पकड़ा गया निखिल सलवार सूट गिरोह का बदमाश है, महिलाओं के भेष में वह युवाओं को जाल में फंसाकर यमुना खादर में ले जाकर लूट करता था। पकड़े गए बदमाशो के पास से पीड़ित का बैग, मोबाइल समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि 13 मई की रात सिग्नेचर ब्रिज के पास स्कूटी सवार से लूट हुई थी। पीड़ित व बुराड़ी निवासी मनीष कुमार मिश्रा वजीराबाद रोड से स्कूटी से घर जा रहे थे।

सिग्नेचर ब्रिज के पास एक व्यक्ति ने उन्हें रुकने का इशारा किया। जब उन्होंने अपनी स्कूटी रोकी, तो उस व्यक्ति ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनसे उनका मोबाइल फोन, नकदी और एक बैग लूट लिया, जिसमें एक लैपटॉप और अन्य दस्तावेज थे।

तीन बच्चियों से अत्याचार और रेप की घटना से मचा हड़कंप

नासिक, 17 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक शहर में अलग-अलग इलाकों से तीन नाबालिग लड़कियों के साथ अत्याचार के मामले सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। पुलिस ने तीनों मामलों में पॉक्सो एक्ट के तहत अलग-अलग केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं से शहर में नागरिकों के बीच गुस्सा और चिंता का माहौल बना हुआ है। पहला मामला अशोका मार्ग इलाके का है, जहां एक घरेलू कामगार की नाबालिग नातिन के साथ साल 2022 से लगातार अत्याचार किए जाने का आरोप लगाया गया है।

पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी सूर्यकांत वाघ उर्फ अण्णा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और पीड़िता के बयान दर्ज किए गए हैं। दूसरा मामला सिडको के सह्याद्रीनगर इलाके से सामने आया है।

पेपर लीक मामले पर भड़कीं प्रियंका चतुर्वेदी

कहा- '3 छात्रों की जान गई, ये आत्महत्या नहीं है'

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)। नीट यूजी 2026 पेपर लीक मामला तूल पकड़ चुका है, तीन छात्रों की सुसाइड के बाद नेता विपक्ष राहुल गांधी द्वारा इन्हें सरकार द्वारा की गईं हत्याएं बताया, तो इसमें शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी राहुल गांधी समर्थन किया है। उन्होंने भी इसमें शिक्षा मंत्री के साथ सरकार की जबाबदेही की मांग की। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि ऐसे तीन आत्महत्याओं के मामले सामने आए हैं, और हां मैं राहुल गांधी की बात से सहमत हूं। ये भारत सरकार द्वारा की गईं हत्याएं हैं। जबतक हम ऊपर से, सीधे शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय होते नहीं देखते, तब तक हम ऐसे मामले सामने लाते रहेंगे।

उन्होंने इस मामले में बड़ी चूक की बात कही है। यहां बता दें कि नीट की परीक्षा 3 मई को देश भर में आयोजित की गयी थी। इस परीक्षा

में 22 लाख से अधिक परीक्षार्थी शामिल हुए थे। लेकिन परीक्षा के बाद एक शिकायत की गयी कि परीक्षा के पेपर लीक किये गए। जिसमें गेस पेपर के रूप में उन्हें व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर पैसे लेकर बांटा गया। जब पेपर से मैच किये गए तो सवाल वाकई मैच हुए। इसमें बायोलॉजी और केम्स्ट्री के 180 प्रश्न बिल्कुल वही थे जो परीक्षा में आए थे। इसके बाद एनटीए ने 12 मई को यह परीक्षा रद्द कर दी और अब 21 जून को दोबारा परीक्षा होगी।

जेल में 3 माह में तीन मौतें

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। अपराधियों को सुधारने और समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए बनाई गई जेलें अगर खुद अपराध, नशे और उगाही का अड्डा बनने लगें, तो यह पूरे सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े करता है। राजधानी की हाई सिक्योरिटी मानी जाने वाली मंडोली जेल इन दिनों ठीक ऐसे ही आरोपों के घेरे में है। पिछले तीन महीनों में तीन विचाराधीन कैदियों की मौत ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है, बल्कि जेल के भीतर नशे के कारोबार और अवैध वसूली के संगठित नेटवर्क की आशंका को भी मजबूत कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि हाई सिक्योरिटी कही जाने वाली इस जेल में आखिर क्या चल रहा है, इसका जवाब खुद जेल प्रशासन के पास नहीं दिख रहा। लगातार सामने आ रहे मामलों में मृतकों के स्वजनों ने एक जैसे आरोप लगाए हैं। जेल के भीतर नशीला पदार्थ आसानी से उपलब्ध है, कैदियों के साथ मारपीट होती है और पैसे की मांग की जाती है।

राहुल-प्रियंका और खरगे के खिलाफ लगे पोस्टर

कांग्रेस दफ्तर की दीवार पर लिखा- वायनाड बनेगा अगला अमेठी

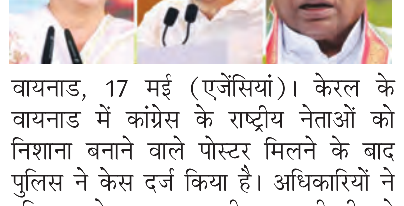

वायनाड, 17 मई (एजेंसियां)। केरल के वायनाड में कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं को निशाना बनाने वाले पोस्टर मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया है। अधिकारियों ने रविवार को इस घटना की जानकारी दी। ये पोस्टर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ लगाए गए थे। ये पोस्टर वायनाड में जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) कार्यालय की दीवारों और उसके पास के इलाकों में लगाए गए थे। कलपेट्टा पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि विधायक टी सिद्दीकी ने इस मामले में पुलिस को शिकायत दी थी। उनकी शिकायत के आधार पर ही मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के मुताबिक, ये पोस्टर 13 मई को सामने आए थे। उस समय केरल के अगले मुख्यमंत्री के चुनाव को लेकर असमंजस और अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई थी।

इन विवादित पोस्टरों में वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को सीधे तौर पर धमकी दी गई थी। पोस्टरों में दावा किया गया कि अगले चुनाव में उन्हें हरा दिया जाएगा। इसके अलावा पोस्टरों में यह चेतावनी भी दी गई कि वायनाड अब अगला अमेठी बनेगा। जैसे ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं को इन पोस्टरों के बारे में पता चला, उन्होंने तुरंत इन्हें दीवारों से हटा दिया। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और केरल पुलिस एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 18 मई, 2026 3

सुविचार: महापुरुषों की सन्निधि से ही जीवन में विवेकशीलता एवं आंतरिक समझ का उदय होता है।

सरस्वती अंत्य पुष्करालू के लिए मुख्यमंत्री को आमंत्रण

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। देवदाया मंत्री कोंडा सुरेखा तथा श्री कालेश्वरम मुक्तेश्वर स्वामी देवस्थानम के आचार्यों ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात कर उन्हें सरस्वती अंत्य पुष्करालू के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया। यह धार्मिक आयोजन 21 मई से 1 जून तक जयशंकर भूपालपल्ली जिले के महादेवपुर मंडल स्थित कलेश्वरम में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सांसद वेण नरेंद्र रेड्डी, देवादाय विभाग की प्रधान सचिव शैलजा रामअय्यर, आयुक्त हनुमंत राव, श्री कालेश्वरम मुक्तेश्वर स्वामी देवस्थानम के ईओ महेश तथा मंदिर के पुरोहित उपस्थित रहे। सरकार की ओर से इस धार्मिक आयोजन को भव्य और सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने की तैयारियां की जा रही हैं, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

जनगणना 2027 : ऑनलाइन स्व-गणना से वंचित परिवारों के लिए घर-घर सर्वे की सुविधा

9 जून तक पूरी होगी प्रक्रिया, अधिकारियों ने दी जानकारी

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिन परिवारों ने जनगणना 2027 के लिए ऑनलाइन स्व-गणना में हिस्सा नहीं लिया है, उनके लिए अब घर-घर जाकर गणनाकर्ताओं के माध्यम से विवरण दर्ज करने की सुविधा दी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, जनगणना कर्मी प्रत्येक घर जाकर परिवारों का विवरण दर्ज करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी घर इस प्रक्रिया से छूट न जाए। इसके साथ ही छूटे हुए परिवारों को भी स्व-गणना का अवसर दिया जाएगा। जीएचएमसी की शमशाबाद जोनल कमिश्नर के. चंद्रकला ने बताया कि जो परिवार ऑनलाइन स्व-गणना में शामिल नहीं हो सके, उनसे अधिकारी संपर्क कर रहे हैं और उनका डेटा भी दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरी जनगणना प्रक्रिया 9 जून तक समाप्त कर दी जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि ऑनलाइन स्व-गणना की प्रक्रिया 26 अप्रैल से शुरू होकर 10 मई को समाप्त हो चुकी है, जिसमें लोगों ने 33 प्रश्नों के उत्तर देकर अपना विवरण दर्ज कराया था। वर्तमान में घर-घर जाकर दस्तावेजों और पहचान पत्रों का सत्यापन किया जा रहा है।

तेलंगाना आंदोलनकारियों की पहचान के लिए पहली बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना आंदोलनकारियों की पहचान के लिए गठित समिति की पहली बैठक समिति के अध्यक्ष के. केशव राव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्य के रूप में मंत्री पोन्नम प्रभाकर, एमएलसी प्रो. कोदंडराम, अदांकी दयाकर, पूर्व एमएलसी रामुलु नायक तथा मोत्थे शोभन रेड्डी उपस्थित रहे। बैठक में तेलंगाना आंदोलनकारियों की पहचान के लिए सरकार द्वारा समिति गठित किए जाने पर मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के प्रति आभार व्यक्त किया गया। निर्णय लिया गया कि अमरवीरों की ज्योति के नीचे स्थित कार्यालय में ही आंदोलनकारियों की पहचान समिति का कार्यालय स्थापित किया जाएगा। साथ ही अमरवीरों की पहचान को लेकर शीघ्र ही सर्वदलीय बैठक आयोजित कर सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। समिति ने यह भी तय किया कि तेलंगाना आंदोलन जेएसी, 1969 आंदोलनकारियों, कर्मचारी संगठनों, कलाकारों के जेएसी, विभिन्न जाति एवं वर्ग संगठनों, वकीलों के जेएसी तथा जिलों में सक्रिय आंदोलन संगठनों से प्रस्ताव लिए जाएंगे। इसके अलावा व्यापक जनमत संग्रह के लिए जिला स्तर पर दौरे भी किए जाएंगे। आंदोलनकारियों की पहचान के लिए चार श्रेणियों का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इनमें आंदोलन में शहीद हुए लोगों को प्रथम प्राथमिकता, आंदोलन के दौरान घायल हुए लोग दूसरी श्रेणी में, जेल गए, गिरफ्तार हुए या मुकदमे झेलने वाले तीसरी श्रेणी में, जमीनी स्तर पर सक्रिय रूप से आंदोलन में भाग लेने वाले चौथी श्रेणी में, जिनकी पहचान दस्तावेज़ और समाचार कतरनों के आधार पर की जाएगी। इसके अलावा 1969, 1972 और 1996 के तेलंगाना आंदोलनों से जुड़े लोगों से भी सुझाव लेने का निर्णय लिया गया है।

समिति ने स्पष्ट किया कि पहचान प्रक्रिया पूरी तरह राजनीतिक प्रभाव से मुक्त और पारदर्शी होगी। पूर्व सरकार में सीमित लोगों को ही लाभ मिलने की बात का उल्लेख करते हुए इस बार सभी योग्य आंदोलनकारियों को न्याय देने पर जोर दिया गया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के केरल दौरे से लौटने के बाद इस बैठक की सिफारिशों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

नालगोंडा में धान खरीद को लेकर किसानों का आरोप

मिलों में अनियमित कटौती से नुकसान

स्थानीय धान की अनदेखी और अतिरिक्त शुल्क वसूली की शिकायत

नालगोंडा, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में धान की खरीद में देरी के बीच किसानों ने खरीद केंद्रों और चावल मिलों पर अनियमित कटौती और अतिरिक्त शुल्क वसूली के गंभीर आरोप लगाए हैं। किसानों का कहना है कि इससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसानों के अनुसार, भूसी और नमी के नाम पर आईकेपी खरीद केंद्रों पर प्रति बोरी लगभग पांच किलोग्राम तक की कटौती की जा रही है। वहीं, चावल मिलों में कम्प्यूटरीकृत तौल पुलों के जरिए प्रति ट्रैक्टर लोड 35 से 40 किलोग्राम तक धान कम दिखाया जा रहा है।

तेलंगाना किसान संघ के अध्यक्ष नामिरेड्डी यादगिरी रेड्डी ने आरोप लगाया कि यह समस्या मोल्कापटनम, वेमुलापल्ली और मिरयालगुडा क्षेत्र में व्यापक रूप से फैली हुई है। किसानों का यह भी कहना है कि खरीद प्रक्रिया के दौरान अतिरिक्त शुल्क लिया जा रहा है, जिसमें हमाली के नाम पर 100 रुपये और क्लर्क या एजेंट शुल्क के रूप में 100 रुपये अतिरिक्त वसूले जा रहे हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद अब तक दोषी चावल मिलों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उनका कहना है कि निरीक्षण केवल औपचारिक रहा और कोई स्थायी सुधार नहीं हुआ। इसके अलावा किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ मिलों में पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश से आने वाले धान को प्राथमिकता दी जा रही है, जबकि स्थानीय किसानों को घंटों इंतजार करना पड़ता है।

दो जून से नई पेंशन योजनाओं का शुभारंभ : मंत्री विवेक

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के श्रम, रोजगार एवं खनन मंत्री गड्डम विवेक वेंकट स्वामी ने घोषणा की है कि राज्य सरकार आगामी 2 जून से नई पेंशन योजनाओं का क्रियान्वयन शुरू करेगी। रविवार को मंत्री ने नलगोंडा जिले के मिर्यालगुड़ा का दौरा किया, जहां उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ कांग्रेस नेता कोडी रेक्का शौरी के अंतिम संस्कार में पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मंत्री विवेक ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले दस वर्षों के बीआरएस शासनकाल में पेंशन वितरण की प्रक्रिया प्रभावित रही और लाभार्थियों को समय पर सुविधाएं नहीं मिल सकीं। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार पारदर्शी तरीके से धान खरीद प्रक्रिया संचालित कर रही है और गरीबों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि इंदिरम्मा आवास योजना के तहत पात्र लाभार्थियों को समय पर घर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही मिर्यालगुड़ा और नाकिरेकल में उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिनका निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा। मंत्री ने औद्योगिक सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि फैक्ट्रियों की नियमित निगरानी की जा रही है ताकि श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि विशेष रूप से फार्मा उद्योग में दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नए सुरक्षा प्रोटोकॉल तैयार किए जाएंगे। इस अवसर पर सरकार के व्हिप एवं विधायक वे मुला वीरेशम, विधायक बाटुला लक्ष्मा रेड्डी तथा एमएलसी शंकर नायक सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मैंगो एक्सपो-2026 में किसानों को बागवानी खेती बढ़ाने की सलाह

संगारेड्डी, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बागवानी निदेशक शेख यास्मीन बाशा ने किसानों से राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर बागवानी खेती को बढ़ावा देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि किसान बागवानी फसलों के माध्यम से बेहतर आय अर्जित कर सकते हैं। रविवार को फल अनुसंधान केंद्र (एफआरएस) में आयोजित मैंगो एक्सपो-2026 में बोलते हुए उन्होंने किसानों को आधुनिक खेती पद्धतियां अपनाने की सलाह दी। इस प्रदर्शनी में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों ने आम की विभिन्न किस्मों को देखा और वैज्ञानिकों से खेती से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। एफआरएस के वैज्ञानिकों ने किसानों के साथ आम की खेती की बेहतर तकनीकों पर चर्चा की।

जिला बागवानी अधिकारी पी. सोमेश्वर राव ने कहा कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से किसान आम का निर्यात कर अच्छा लाभ कमा सकते हैं। उन्होंने बताया कि बेहतर उत्पादन के लिए गुणवत्तापूर्ण पौधों का उपयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि विभाग हर वर्ष संगारेड्डी जिले के किसानों को लगभग दो लाख गुणवत्तापूर्ण पौधे उपलब्ध करा रहा है।

नाली निर्माण कार्य को लेकर विवाद, स्थानीय निवासियों ने किया विरोध

मंचेरियल, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बेलाम्पल्ली की एक कॉलोनी में नाली निर्माण कार्य को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय निवासियों ने कांग्रेस नेताओं द्वारा निर्माण कार्य को रोकने के प्रयासों का विरोध किया और काम जारी रखने की मांग की। जानकारी के अनुसार, वार्ड संख्या 13 में जल निकासी व्यवस्था के लिए करीब 7 लाख रुपये की लागत से कार्य शुरू किया गया था, जो जिला खनिज निधि ट्रस्ट (डीएफएफटी) से स्वीकृत है। कार्य के लिए निर्माण सामग्री भी मौके पर पहुंचाई गई थी। आरोप है कि कांग्रेस नगर अध्यक्ष बांडी प्रभाकर और विधायक के एक सहायक द्वारा ठेकेदार को धमकी दिए जाने के बाद निर्माण कार्य रोक दिया गया और ठेकेदार सामग्री लेकर स्थल से चला गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने मौके पर धरना देकर विरोध जताया और अधिकारियों से काम जल्द पूरा कराने की मांग की।

कावल टाइगर रिजर्व में दिखा दुर्लभ लाल गर्दन वाला बाज, पर्यावरणविदों में उत्साह

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कावल टाइगर रिजर्व में दुर्लभ लाल गर्दन वाले बाज़ के दिखाई देने से पर्यावरणविदों और पक्षी प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। वन्यजीव शोधकर्ता डॉ. वेंकट अनागंधुला ने दावा किया कि उन्होंने शनिवार को केटीआर के इंदनपल्ली रेंज के कोत्तापेट गांव के जंगलों में पहली बार इस पक्षी को देखा और फील्ड सर्वे के दौरान उसकी तस्वीर भी खींची।

डॉ. वेंकट के अनुसार लाल गर्दन वाला बाज़ मध्यम आकार का शिकारी पक्षी है, जिसकी पहचान लाल-भूरे रंग की गर्दन और मुकुट, नीले-धूसर ऊपरी भाग तथा तेज पंजों से होती है। यह छोटे पक्षियों, कीड़ों, सरीसृपों और कृन्तकों का शिकार करता है।

उन्होंने कहा कि ऐसे शिकारी पक्षियों का रिकॉर्ड जैव विविधता संरक्षण और दीर्घकालिक शोध के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने चेतावनी दी कि वनों की कटाई, पर्यावास का क्षरण और कीटनाशकों का बढ़ता उपयोग ऐसे पक्षियों के लिए बड़ा खतरा बन रहा है। पर्यावरणविदों ने इस खोज को कावल टाइगर रिजर्व के संरक्षण महत्व का सकारात्मक संकेत बताया है।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर

शिविर में 97 लोगों की हुई जांच

करीमनगर, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस के अवसर पर रविवार को बोयावाड़ा क्षेत्र में नि:शुल्क रक्तचाप और बीएमआई जांच शिविर का आयोजन किया गया। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.डी. रघुरामन ने अहमदाबाद की कोरोना रेमेडीज लिमिटेड के सहयोग से इस चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इस वर्ष विश्व उच्च रक्तचाप दिवस का विषय उच्च रक्तचाप को मिलकर नियंत्रित करें: नियमित रूप से अपने रक्तचाप की जांच करें, इस घातक बीमारी को हराएं रखा गया। शिविर में कुल 97 लोगों की स्वास्थ्य जांच की गई। जांच के दौरान 12 लोगों में उच्च रक्तचाप की समस्या पाई गई, जबकि सात लोग मोटापे से ग्रस्त मिले। डॉक्टरों ने लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और संतुलित जीवनशैली अपनाने की सलाह दी।

घरेलू कामगारों से जुड़ी घटनाओं के बाद हैदराबाद में आरडब्ल्यूए अलर्ट

सुरक्षा जांच और पुलिस सत्यापन पर जोर

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में घरेलू कामगारों से जुड़ी आपराधिक घटनाओं के बाद 5,000 से अधिक निवासी कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए) ने अपने सदस्यों के लिए अलर्ट जारी किया है और सुरक्षा उपायों को सख्त करने की सलाह दी है। पिछले दो हफ्तों में दो गंभीर घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें जुबली हिल्स में एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी की पत्नी की हत्या और कौकूर की एक गेटेड कम्युनिटी में एक डॉक्टर दंपति को बंधक बनाकर लूटने की घटना शामिल है। इन मामलों और पुलिस की चेतावनी के बाद, आरडब्ल्यूए संगठनों ने निवासियों से घरेलू सहायकों की नियुक्ति से पहले पूरी पहचान और पुलिस सत्यापन कराने की अपील की है।

यूनाइटेड फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूएस ने अपनी एडवाइजरी में कहा है कि अपार्टमेंट और गेटेड कम्युनिटी में रहने वाले लोग सुरक्षा ऑडिट कराएं, जिसमें परिसर की सुरक्षा, प्रवेश द्वार, सीसीटीवी कैमरे और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच शामिल हो।

निवासियों को यह भी सलाह दी गई है कि वे घरेलू कामगारों की पृष्ठभूमि की जांच करें, स्थानीय पुलिस को सूचित करें और सुरक्षा कैमरों की नियमित जांच करें।

आरडब्ल्यूए ने सुरक्षा कर्मियों को आगंतुकों का पूरा रिकॉर्ड रखने और सभी प्रवेश-निकास का सही विवरण दर्ज करने के निर्देश देने की भी सिफारिश की है। कुछ सोसायटियों ने पुलिस को अपने परिसरों का निरीक्षण करने और सुरक्षा व्यवस्था की जांच के लिए भी आमंत्रित किया है।

पोडू खेती को लेकर फिर बढ़ा विवाद

कुमराम भीम आसिफाबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में पोडू खेती को लेकर वन अधिकारियों और किसानों के बीच विवाद एक बार फिर गहरा गया है। किसान वन विभाग पर उत्पीड़न का आरोप लगा रहे हैं, जबकि अधिकारी वन भूमि और वन्यजीव संरक्षण के लिए कार्रवाई करने की बात कह रहे हैं। हाल के दिनों में जिले के कई गांवों में इस मुद्दे को लेकर तनाव की स्थिति बनी हुई है। 9 मई को करजेल्ली गांव के पास जंगल क्षेत्र में खाइयां खोदे जाने का किसानों ने विरोध किया। किसानों का आरोप है कि अधिकारी खेतों के बीच से खाइयां खोद रहे हैं, जिससे उनकी खेती प्रभावित हो रही है। कुछ दिन पहले बालाजी अनुकोडा गांव में एक किसान ने कथित तौर पर कीटनाशक पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग उनकी जमीनें वापस लेने की कोशिश कर रहा है।

किसानों ने बताया कि वे कई वर्षों से इन जमीनों पर खेती कर रहे हैं और सरकार से भूमि स्वामित्व अधिकार देने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अधिकारियों द्वारा मामले दर्ज करना और ट्रैक्टर जब्त करना उनकी परेशानी बढ़ा रहा है। वहीं वन अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई वन भूमि की सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण के लिए की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, यह क्षेत्र बाघों के आवागमन के लिए महत्वपूर्ण गलियारा है और जल्द ही सीमांकन के लिए सर्वे कराया जाएगा।

तेलंगाना में भीषण गर्मी, आईएमडी ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

20 मई तक लू का असर रहने की चेतावनी

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है और राज्य के सभी जिले उच्च तापमान की चपेट में आ गए हैं। इसी को देखते हुए भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार, रविवार से बुधवार 20 मई तक राज्य के सभी जिलों में अधिकतम तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

इस दौरान तेज और लगातार चलने वाली लू लोगों को प्रभावित कर सकती है।

अलर्ट में चेतावनी दी गई है कि बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए गर्मी से जुड़ी

समस्याओं जैसे हीटस्ट्रोक और थकावट का खतरा अधिक रहेगा। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने, हल्के सूती कपड़े पहनने और पर्याप्त मात्रा में पानी, ओआरएस व अन्य तरल पदार्थ लेने की सलाह दी है, ताकि डिहाइड्रेशन और गर्मी से होने वाली बीमारियों से बचा जा सके।

नल्लावल्ली गांव में 337 एकड़ भूमि अधिग्रहण का किसानों ने किया विरोध

औद्योगिक क्लस्टर योजना से आजीविका प्रभावित होने की आशंका

संगारेड्डी, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गुम्माडिदला मंडल के नल्लावल्ली गांव में किसानों ने सर्वे नंबर 142 और 160 की 337 एकड़ भूमि के अधिग्रहण का कड़ा विरोध किया है। सरकार इस भूमि को तेलंगाना औद्योगिक एवं अवसंरचना निगम (टीजीआईआईसी) के माध्यम से औद्योगिक क्लस्टर के रूप में विकसित करना चाहती है। किसानों का कहना है कि इस कदम से उनकी आजीविका पर गंभीर असर पड़ेगा, क्योंकि गांव के अधिकतर लोग दुग्ध उत्पादन और सब्जी खेती पर निर्भर हैं। नल्लावल्ली और आसपास के गांव प्रतिदिन हैदराबाद को बड़ी मात्रा में सब्जियों और दूध की आपूर्ति करते हैं। जानकारी के अनुसार, किसानों ने जिला कलेक्टर प्रतीक जैन से मुलाकात कर प्रस्ताव वापस लेने की मांग की और ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों ने ग्राम सभा में भी इस निर्णय के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है। किसानों ने मांग की है कि यदि भूमि का अधिग्रहण किया जाता है तो उन्हें उचित बाजार मूल्य दिया जाए, ताकि वे पास के क्षेत्रों में वैकल्पिक जमीन खरीदकर अपना जीवन यापन जारी रख सकें। ग्रामीणों ने यह भी चिंता जताई कि पास में प्रस्तावित कचरा डंपिंग यार्ड से पर्यावरण और भूजल पर नकारात्मक असर पड़ेगा, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ सकती है।

वाईएटीपी थर्मल पावर स्टेशन में भीषण आग, कई उपकरण क्षतिग्रस्त

यूनिट-3 में लगी आग, कोई जनहानि नहीं

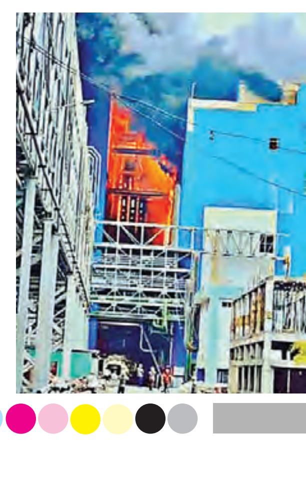

नालगोंडा, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्री अल्ट्रा मेगा थर्मल पावर स्टेशन (वाईएटीपी) में रविवार को भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग से संयंत्र के कुछ महत्वपूर्ण हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए, हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, यूनिट-3 में टरबाइन से जुड़े बॉयलर फीड पंप के पास आग लगी, जिसके बाद कर्मचारी सुरक्षित बाहर निकल गए। आग लगते ही पूरे क्षेत्र में घना धुआं फैल गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पंप में चिकनाई तेल के रिसाव के कारण आग भड़की। इस घटना में नियंत्रण केबल और कुछ वाल्व जैसे उपकरणों को नुकसान पहुंचा है। कर्मचारियों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे मुख्य उपकरण जैसे टरबाइन और बॉयलर सुरक्षित रहे। टीजीजीईएनसीओ के अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और घटना की आंतरिक जांच के आदेश दिए गए हैं।

देह व्यापार मामले में सस्पेंड पुलिसकर्मियों को हाईकोर्ट से मिली क्लीन चिट, छापामारी में पकड़ी गई थीं 11 युवतियां

गाजियाबाद, 17 मई (एजेंसियां)। गाजियाबाद में कौशांबी थाना क्षेत्र के होटल सरोवर पोर्टिको में देह व्यापार का भंड़ाफोड़ होने पर सस्पेंड तीन पुलिस कर्मियों को हाईकोर्ट से क्लीन चिट मिल गई है। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस कमियों को पुरानी जगह तैनाती दी गई है। पुलिस ने 11 फरवरी को होटल सरोवर पोर्टिको में देह व्यापार का भंड़ाफोड़ किया था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 11 युवतियों को बरामद किया था। इसके बाद तत्कालीन डीसीपी निमिष पाटील ने चौकी पर तैनात एसआई अनुज कुमार, बीट पुलिस आफिसर (बीपीओ) मुकेश कुमार व ओमवीर को लापरवाही बरतने पर सस्पेंड किया गया था।

जिसके बाद पुलिस कर्मियों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। डीसीपी ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल ने बताया कि कोर्ट ने तीनों पुलिसकर्मियों को बहाल कर दिया है। तीनों को वहीं तैनात किया गया है। जहां से उन्हें सस्पेंड किया गया था।

गौतम अदाणी को सेवा के मंत्र से मिलती है समाज के लिए बेहतर करने की प्रेरणा

बोले- मेरे लिए सेवा ही साधना

सारण, 17 मई (एजेंसियां)। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने बिहार के सारण में मस्तीचक में 'अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल-अदाणी सेंटर फॉर आई डिजीज' के उद्घाटन और नए परिसर के भूमिपूजन के लिए बिहार पहुंचे। उनके साथ अदाणी फाउंडेशन की चेयरपर्सन और पत्नी प्रीति अदाणी भी थीं। इस दौरान गौतम अदाणी ने कहा कि आज बिहार की इस पावन धरती, खासकर मस्तीचक आकर मुझे बहुत खुशी और गौरव महसूस हो रहा है।

यह भूमि सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। यहां गायत्री शक्तिपीठ के दर्शन से मुझे असीम शांति मिली है और गायत्री मंत्र का जाप मन को शांति प्रदान करता है और यहां आकर मुझे समाज के लिए कुछ बेहतर करने की प्रेरणा मिली है।

गौतम अदाणी ने कहा, आज बिहार की पवित्र धरती मस्तीचक आकर मन गर्व, भावनाओं और आत्मीयता से भर गया। गायत्री शक्तिपीठ पहुंचकर एक अलग ऊर्जा और आध्यात्मिक

प्रेरणा का अनुभव हुआ। किसी व्यक्ति की आंखों की रोशनी लौटाना केवल इलाज नहीं होता। यह उसके जीवन में फिर से उम्मीद, आत्मविश्वास और सम्मान लौटाने का पुण्य काम है।

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन ने कहा कि गायत्री परिवार, अखंड ज्योति और आदरणीय मृत्युंजय जी जिस सेवा-भाव से समाज को नई दिशा दे रहे हैं, उसने मुझे भीतर तक प्रभावित किया है। उनके इस असाधारण कार्य के लिए उन्हें हृदय से साधुवाद एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, हमारे लिए 'सेवा ही साधना है', कोई नारा नहीं, बल्कि करुणा को कर्म में बदलने की प्रेरणा है।

अखंड ज्योति फाउंडेशन भी इसी विचार को समाज सेवा के माध्यम से जीवंत कर रहा है। इसी भावना के साथ अदाणी फाउंडेशन और अखंड ज्योति अस्पताल के साथ मिलकर 'एसीई - अडानी नेत्र रोग केंद्र' की शुरुआत करने जा रहे हैं, जो जरूरतमंद लोगों तक सुलभ और किफायती नेत्र चिकित्सा पहुंचाने का एक बड़ा प्रयास होगा।

साथ ही 'एटम - नेत्र चिकित्सा के लिए अडानी प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से नई पीढ़ी के नेत्र विशेषज्ञों और महिला स्वास्थ्यकर्मियों को तैयार किया जाएगा। गौतम अदाणी ने कहा, हमने बिहार की इस पावन धरती से प्रारंभ हुई सेवा की इस ज्योति को आने वाले वर्षों में देश के हर जरूरतमंद तक पहुंचाने का प्रण लिया है।

इसी भावना के साथ 'अदाणी अखंड ज्योति ट्रस्ट' पूर्ण समर्पण, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य करता रहेगा। सेवा और मानवता के इन पावन कार्यों हेतु हमने आने वाले वर्षों में 700 करोड़ रुपये से अधिक के सहयोग का संकल्प लिया है। बिहार हमेशा से राष्ट्र को नई चेतना देने वाली धरती रही है।

यह पुनीत मुहिम उसी सेवा भावना, संस्कार और समर्पण के माध्यम से देश को नई रोशनी देने का प्रयास है। बिहार की जनता के स्नेह और आशीर्वाद के लिए हृदय से आभार।

परीक्षा देने निकली थी नीतू हाईवे किनारे मिली लाश

बरेली, 17 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में डीएलएड की छात्रा का शव मिलने के मामले में अब बड़ा खुलासा हुआ है। पहले अज्ञात मानी जा रही छात्रा की पहचान हो गई है। छात्रा शेरगढ़ थाना क्षेत्र के मानपुर गांव की रहने वाली 23 वर्षीय नीतू गंगवार बहेड़ी कस्बा के दर्शन सिंह डिग्री कॉलेज से डीएलएड की पढ़ाई कर रही थी। वह बरेली में अपने मौसा के घर रहकर फरीदपुर में परीक्षा देने जाती थी। छात्रा की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पिता सोमपाल गंगवार ने हत्या की आशंका जताते हुए चार लोगों पर शक जाहिर किया है। पुलिस अब मामले की कई एंगल से जांच कर रही है।

दरअसल, पूरी घटना सीबीगंज थाना क्षेत्र के बड़ा बाइपास के पास खना गोटिया गांव जाने वाले रास्ते का है। हाईवे किनारे खेत में छात्रा का शव पड़ा मिला था। खेत की तरफ गए लोगों ने शव देखा तो इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सीबीगंज पुलिस मौके पर पहुंची। थोड़ी देर बाद फील्ड यूनिट, फॉरेंसिक टीम और एसएसपी अनुराग आर्य भी घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी गई।

मायावती को झटका देकर

अखिलेश यादव के खेमे में पहुंचे हाजी जियाउद्दीन अंसारी, सपा प्रमुख ने दिलाई सदस्यता

नूरपुर, 17 मई (एजेंसियां)। नूरपुर विधानसभा क्षेत्र से वर्ष 2022 में हुए चुनाव में बसपा प्रत्याशी रहे हाजी जियाउद्दीन अंसारी ने लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पहुंचकर सैकडो समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा उन्हे पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई गई।

हाजी जियाउद्दीन अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि समाजवादी पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर उन्होंने लखनऊ में सपा कार्यालय पर समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। हाजी जियाउद्दीन अंसारी को 2019 के चुनाव में बसपा द्वारा अमरोहा लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित किया था, लेकिन चुनाव से पूर्व उनका टिकट काट दिया था। इसके बाद 2022 में हुए विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी ने टिकट देकर उन्हे चुनाव में उतारा था।

हालाकि वह कोई करिश्मा नही कर सके थे, और उन्हे तीसरे नंबर पर संतोष करना पडा था।

भारत-नेपाल बॉर्डर में कबाड़ की आड़ में हो रही थी तस्करी, 6 अरेस्ट

मधुबनी, 17 मई (एजेंसियां)। बिहार के सीमांचल क्षेत्र में सुरक्षा बलों को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एसएसबी (सशस्त्र सीमा बल) ने कबाड़ की आड़ में चल रहे एक बड़े अंतरराष्ट्रीय तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। अररिया जिले में तैनात 56वीं वाहिनी एसएसबी बथनाहा के जवानों ने सीमा के पास से भारी मात्रा में इंसानी बाल (ह्यूमन हेयर) और भारी संख्या में कारतूस बरामद किए हैं। इस मामले में छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

पकड़े गए सभी आरोपी पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के रहने वाले हैं, जिनकी भाषा-शैली को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां उनके बांग्लादेशी कनेक्शन और अवैध रूप से भारत में रहने के एंगल पर सघन जांच कर रही हैं।

कुत्तों में फैले जहर से हुई थी 25 गिद्धों की मौत

लखीमपुर, 17 मई (एजेंसियां)। दुधवा टाइगर रिजर्व के बफरजोन में करीब 40 दिन पूर्व हुई 25 संरक्षित गिद्धों की सामूहिक मौत के मामले में पुलिस का रवैया हैरान कर देने वाला है। पुलिस की जांच एक कदम भी आगे नहीं बढ़ी है। जहर देने वाले गुनहगारों की पहचान तक नहीं हो पाई है।

वन्यजीव की मौत मामले को वन विभाग भी संजीदगी से नहीं ले रहा है। जांच रिपोर्ट आने के बावजूद अब तक किसी आरोपित तक न पहुंच पाना पुलिस की लापरवाही को उजागर कर रहा है। वन विभाग ने घटना के समय गिद्धों की मौत मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। सैंपलों को जांच के लिए भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान भेजा गया था। रिपोर्ट में कार्बोफ्यूरान नामक जहरीले पदार्थ की पुष्टि हुई है। यही जहरीला तत्व मृत गिद्धों, कुत्तों और बरामद चावलों में पाया गया। रिपोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया कि गिद्धों की मौत जहरीले पदार्थ के सेवन से हुई थी।

इसके बावजूद वन विभाग केवल मुकदमा लिखवाने तक ही सीमित रह गया। वहीं पुलिस ने भी कार्रवाई के नाम पर सिर्फ लकीर पीटी है। ग्रामीणों की माने तो सेमरिया और डिमरौल गांव के बीच एक बरौछा नाला है, जिसके आसपास आवारा कुत्तों का आतंक था, जो बकरियों और पशुओं पर हमला करते थे। आशंका जताई जा रही है कि किसी ने इन कुत्तों से छुटकारा पाने के लिए चावलों में जहर मिलाकर डाल दिया बाद में उन्हीं मृत कुत्तों को खाने से गिद्धों की मौत हो गई।

15 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा, शातिर गिरफ्तार

बेगूसराय, 17 मई (एजेंसियां)। साइबर पुलिस को देशव्यापी ऑनलाइन ठगी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है।पुलिस ने ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसके बैंक खाते का इस्तेमाल करोड़ों रुपये के साइबर फ्रॉड में किया जा रहा था। जांच में सामने आया है कि आरोपी के खाते से अब तक 15 करोड़ 25 लाख 35 हजार 307 रुपये का संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुआ है।साइबर डीएसपी इमरान अहमद ने बताया कि आरोपी का बैंक खाता म्यूल अकाउंट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था।

इस खाते के खिलाफ नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनआरपी) पर देश के अलग-अलग राज्यों से 205 शिकायतें दर्ज हैं। शिकायतों में ऑनलाइन फ्रॉड,फर्जी निवेश,डिजिटल पेमेंट ठगी और अन्य वित्तीय अपराध शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान फुलवरिया थाना क्षेत्र के बरौनी फुलवरिया वार्ड संख्या-2 निवासी सुरेश महतो के पुत्र सुनील कुमार के रूप में हुई है।

अवैध चैंबरों पर चला बुलडोजर, वकीलों ने किया हंगामा

पुलिस ने फटकारी लाठियां, तब भागे

लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में वकीलों के अवैध चैंबरों पर रविवार को बुलडोजर चला। हाईकोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई हुई। नगर निगम, पुलिस व जिला प्रशासन की टीमों ने सुबह से ही इन्हें तोड़ना शुरू कर दिया। इस दौरान वकीलों ने जमकर नारेबाजी की। पुलिस-प्रशासन से उनकी बहस भी हुई। इस दौरान हंगामा कर रहे वकीलों पर पुलिस ने लाठियां भी फटकारीं। वहीं दूसरी तरफ एक वकील ने खुद को चैंबर में बंद कर लिया। उसने कहा कि हमे कोई नोटिस नहीं मिली है।सिर्फ चैंबर तोड़े जा रहे हैं।

उसने चैंबर के अंदर फांसी लगाने की कोशिश की। बताते चलें कि हाईकोर्ट ने स्वास्थ्य भवन व कचहरी के आसपास बने वकीलों के 240

अवैध चैंबर तोड़ने के लिए कहा था। इसके बाद नगर निगम ने नोटिस चस्पा किए थे। वकीलों को खुद अवैध चैंबर हटाने के लिए वक्त भी दिया था। इसकी मियाद पूरी होने के बावजूद इन चैंबरों को नहीं हटाया गया। इस पर बुलडोजर चलाया गया। वकीलों के हंगामे के आसार के मद्देनजर पीएसी बल भी तैनात की गई है। इससे पहले नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि मुख्य रूप से स्वास्थ्य भवन चौराहे से चकबस्त चौराहे की सड़क पर, सदर तहसील व निबंधन कार्यालय, रेजिडेंसी से सीएमओ, स्वास्थ्य भवन से जिला सत्र न्यायालय की ओर सड़क पर अवैध चैंबर बनाए गए हैं। इन पर कार्रवाई होगी।

हालांकि, इससे पहले ही कुछ वकीलों ने कब्जा छोड़ दिया है। जिन लोगों ने सड़क, फुटपाथ, नाले-नालियों पर कब्जा कर चैंबर व फोटो कॉपी की दुकानें बनाई हैं, उनमें अधिकतर प्रभावी लोग हैं। गत वर्ष अक्तूबर में भी नगर निगम व पुलिस ने यहां 20 अवैध चैंबर तोड़े थे, लेकिन बाद में इन्हें फिर बना लिया गया।

सेक्सवर्धक दवाओं के नाम पर 10 राज्यों के लोगों से 50 लाख की ठगी, चार गिरफ्तार

मेरठ, 17 मई (एजेंसियां)। नोएडा की एक दवा कंपनी का डाटा चोरी कर पूर्व कर्मचारी संजय सरकार ने ऑनलाइन सेक्सवर्धक दवा भेजने के नाम पर एक साल में 50 लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपी ने अपने सहकर्मी मुन्ना कुमार शाह से दवा मंगाने वाले चार हजार लोगों का डाटा मंगा लिया।

इसके बाद दस राज्यों के कई लोगों को दवा भेजने के नाम पर ठगी का शिकार बना दिया। साइबर सेल और हस्तिनापुर पुलिस ने मामले में संजय सरकार समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

'कयामत तक जिंदा रहेगा इस्लाम'

जमीयत की बैठक में बोले मौलाना अरशद मदनी- मुसलमानों को अपमानित किया जा रहा है

लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने जमीयत उलमा-ए-हिंद की कार्यसमिति की 2 दिवसीय बैठक में देश के हालात पर बड़ी बातें कहीं हैं। मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि नफरत की राजनीति की जगह अब धमकी और डर की राजनीति ने ले ली है। इसका मकसद सिर्फ मुसलमानों को डराकर यह एहसास दिलाना है कि अब उन्हें इस देश में शर्तों के साथ जीवन बिताना होगा और जो ऐसा नहीं करेगा उसकी जगह जेल में होगी। उन्होंने कहा कि सत्ता प्राप्त करने के लिए कुछ लोग देश के अमन, एकता और भाईचारे के साथ खतरनाक खिलवाड़ कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हालात इतने विस्फोटक हो चुके हैं कि हर तरफ जहर उगला जा रहा है और मुसलमानों को अपमानित किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल और असम में खुलेआम चुनाव आचार संहिता की धज्जियां उड़ाई गईं। मुसलमानों को सार्वजनिक रूप से धमकियां दी गईं। चुनाव जीतने के बाद भी धमकियों का यह सिलसिला जारी है। उन्होंने कहा कि किसी नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री का यह कहना कि मुसलमानों ने हमें वोट नहीं दिया इसलिए हम उनका काम नहीं करेंगे संविधान और लोकतंत्र दोनों का मजाक उड़ाने जैसा है।

इंस्टाग्राम पर 'तांत्रिक बाबा' बनकर करता था ठगी, झांसी में निकला हथियार तस्कर

झांसी, 17 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के झांसी में तंत्र-मंत्र और चमत्कारों का दावा करने वाला एक कथित तांत्रिक असल में अवैध हथियारों का तस्कर निकला। सीपरी बाजार थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बाबा के भेष में रह रहे आरोपी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार, कारतूस, नकदी और जेवर बरामद किए हैं। आरोपी तंत्र-मंत्र की आड़ में इस तरह के गैरकानूनी कामों में संलिप्त था।और लंबे समय से लोगों को धोखा देने का काम भी कर रहा था। अब इसका रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। इसके गैंग में और भी लोग हैं या नहीं। जानकारी के मुताबिक, सीपरी बाजार थाना क्षेत्र में गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि एलआईसी स्कूल के सामने तीन व्यक्ति ऑटोमेटिक और सेमी ऑटोमेटिक हथियारों की खरीद-फरोख्त करने के लिए बैठे हुए हैं।

एनआईए का छापा: देश विरोधी गतिविधियों में बंद फैजान सलमानी के घर गहन जांच

रामपुर, 17 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम ने रविवार सुबह करीब साढ़े छह बजे स्थानीय पुलिस और एसडीएम अमन देओल के साथ नरपतनगर में छापेमारी कर देश विरोधी गतिविधियों में गुजरात जेल में बंद फैजान सलमानी के घर गहन जांच-पड़ताल की। इस दौरान घर का कोना-कोना खंगाला गया और पूरी कार्रवाई की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई। एनआईए के अधिकारियों ने फैजान सलमानी के पिता शकील अहमद सलमानी के मोबाइल फोन की भी जांच की।

घर में मौजूद एंड्रॉयड मोबाइल फोन टीम अपने साथ ले गई। स्वजन के अनुसार पति-पत्नी दोनों एक ही मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं। छापेमारी के समय शकील अहमद सलमानी एक शादी समारोह में खाना बनाने गए हुए थे। टीम ने उन्हें फोन कर अहमदाबाद आने के लिए कहा है। शकील अहमद ईद से पहले अपने बेटे फैजान से जेल में मिलने भी गए थे। इसके बाद एनआईए की टीम शकील के पड़ोसी मुन्ना के घर पहुंची, जहां उनके बेटे मुकीम के संबंध में जानकारी जुटाई गई।यहां भी करीब दो घंटे तक पूछताछ और जांच चलती रही। सुबह करीब साढ़े नौ बजे टीम वापस लौट गई।

छापेमारी के दौरान पूरे मुहल्ले में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। सुरक्षा कारणों से किसी भी व्यक्ति को घर के अंदर आने-जाने की अनुमति नहीं दी गई। 30 जनवरी को एनआईए ने गुजरात के नवसारी इलाके में सिलाई का काम करने वाले रामपुर निवासी फैजान सलमानी को देश विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

रीलबाज पुलिस अफसर-सिपाही नपेंगे: एसटीएफ चीफ बोले- पुलिस की छवि खराब हो रही

लखनऊ, 17 मई (एजेंसियां)। यूपी में पुलिस के अफसर और जवान लगातार सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं। बड़े अफसरों की बार-बार चेतावनी के बावजूद उनकी रीलबाजी थम नहीं रही है। मुजफ्फरनगर में अभी 4 दिन पहले ही रील बनाने के आरोप में एक दरोगा और कॉन्स्टेबल को सस्पेंड कर दिया गया। इसके बाद शनिवार को एसटीएफ चीफ और अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) कानून-व्यवस्था अमिताभ यश ने सख्त आदेश जारी किया। उन्होंने साफ कहा है कि रीलबाज पुलिस अफसर और जवानों को बख्शा नहीं जाएगा। सोशल मीडिया पॉलिसी का उल्लंघन करने वाले पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई होगी। आदेश में कहा गया है- यूपी पुलिस के लिए 8 फरवरी, 2023 को 'सोशल मीडिया पॉलिसी' जारी की गई थी।

धनकुबेर निकला बिहार का सरकारी इंजीनियर गोपाल कुमार, छापेमारी में मिली संपत्ति

जमुई, 17 मई (एजेंसियां)। बिहार के जमुई जिले के झाझा प्रखंड स्थित ग्रामीण कार्य प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता गोपाल कुमार के ठिकानों पर जो छापेमारी हुई, उसमें बरामद संपत्ति और धन देखकर अधिकारियों के भी होश उड़ गए हैं। गोपाल ने आय से अधिक इतनी संपत्ति बनाई है, जितनी बड़े-बड़े व्यापारियों के पास भी नहीं होती। गोपाल कुमार ने अक्टूबर 2008 में बिहार सरकार में नौकरी शुरू की थी। साल 2022 में उनका प्रमोशन हुआ और वह कार्यपालक अभियंता बन गए। लेकिन सरकारी नौकरी पाने के बाद गोपाल ने आय से अधिक संपत्ति बनाई और अकूत धन जमा कर लिया। आर्थिक अपराध इकाई की तरफ से जारी प्रेस रिलीज में इस बात की जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि गोपाल कुमार द्वारा अपने ज्ञात आय से 2,00,61,000 रुपए अधिक की संपत्ति बनाई गई, जिसके सबूत भी मिले हैं। ये संपत्ति गोपाल कुमार की ज्ञात आय से 81.5% अधिक है।

आर्थिक अपराध इकाई ने गोपाल कुमार के 4 ठिकानों पर 16 मई को छापेमारी की थी। इसमें 39,65,000 रुपए नकद, करीब 47,00,000 रुपए के आभूषण खरीदने से संबंधित इनवॉयस, सोने के आभूषण 424.08 ग्राम, जिनका वर्तमान मूल्य 60,47,000 रुपए है, चांदी के आभूषण, वजन करीब 1.00 किलोग्राम बरामद हुए हैं। इसके अलावा सगुना मोड़ स्थित जेबी मॉल में 2 व्यवसायिक दुकान मूल्य करीब 70,00,000/- रुपए, दानापुर बाजार समिति के समीप एक आवासीय भू-खण्ड 1.25 कट्ठा जिस पर जी प्लस 3 भवन निर्माणाधीन है, से संबंधित भू-खण्ड जिसका निबंधन मूल्य 35 लाख रुपए है, इसके अलावा 93 लाख रुपए अतिरिक्त मिले हैं। लक्ष्मी कॉटेज, दानापुर में एक 4 बीएचके फ्लैट के लिए 80,00,000 रुपए नगद भुगतान से संबंधित अभिलेख प्राप्त हुए हैं। तलाशी में हुंडई आई 10 कार एवं 1 स्कूटी भी पाए गए हैं। इसके अतिरिक्त इनके आवास से ग्रामीण कार्य विभाग से संबंधित कई सरकारी दस्तावेज/फाईल भी बरामद हुई हैं, जिनके संबंध में विभाग को सूचित किया जायेगा। तलाशी की कार्रवाई अभी जारी है।

ललन सिंह का बड़ा बयान, कहा- सम्राट चौधरी ही हैं नीतीश के राजनीतिक उत्तराधिकारी

पटना, 17 मई (एजेंसियां)। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने एक ऐसा बयान दिया है, जो सुर्खियों में छा गया। उन्होंने कहा है कि बिहार के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सिर्फ बीजेपी की पसंद नहीं बल्कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उत्तराधिकारी भी हैं, जिन्हें नीतीश ने खुद चुना है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में विकसित बिहार का सपना जरूर पूरा होगा।

लखीसराय जिले के रामचंद्रपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए ललन सिंह ने कहा कि बिहार की जनता ने नीतीश कुमार के काम पर भरोसा जताते हुए उन्हें 20 सालों तक सेवा करने का मौका दिया। उन्होंने कहा कि अब इसी विरासत को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सम्राट चौधरी निभाएंगे। अपने संबोधन में ललन सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार ने खुद सम्राट चौधरी को अपना उत्तराधिकारी चुना है। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी ने भी संकल्प लिया है कि वह आगे नीतीश कुमार के बनाए रास्ते पर ही चलेंगे और विकसित बिहार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी अब नीतीश कुमार के विकास और सुशासन के विजन को आगे बढ़ा रहे हैं और बिहार को नई दिशा देने का काम कर रहे हैं।

ललन सिंह ने अपने संबोधन में बिहार की आर्थिक स्थिति में हुए बदलाव को भी नीतीश कुमार की उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि जब साल 2005 में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने थे, तब राज्य का खजाना खाली था।

दरभंगा एयरपोर्ट से पहली खेप भेजी गई शाही लीची अहमदाबाद पहुंची

दरभंगा, 17 मई (एजेंसियां)। दरभंगा और मुजफ्फरपुर की मशहूर शाही लीची की पहली खेप स्पाइसजेट के विमान से अहमदाबाद भेजी गई। मुजफ्फरपुर की शाही लीची को राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की दिशा में यह पहली बड़ी पहल मानी जा रही है। इसकी शुरुआत मुजफ्फरपुर की स्टार्टअप कंपनी विश्वस्नेह एग्रो एंड डेयरी प्राइवेट लिमिटेड ने किसानों और लीची उत्पादकों के सहयोग से की है। कंपनी ने लीची की खेती से लेकर तुड़ाई, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक तक की सुविधा उपलब्ध कराई है। पहली खेप में करीब 200 किलो लीची को 15 पैकेट में भरकर अहमदाबाद भेजा गया है। दरभंगा एयरपोर्ट से लीची निर्यात की शुरुआत को क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों और कृषि आधारित कारोबार के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

अब तक लीची को मुख्य रूप से सड़क मार्ग या दूसरे शहरों के एयरपोर्ट के जरिए भेजा जाता था, जिससे समय और लागत दोनों अधिक लगते थे। लेकिन अब दरभंगा से सीधे हवाई सेवा उपलब्ध होने के कारण लीची कम समय में देश के बड़े महानगरों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच सकेगी। स्पाइसजेट के कार्गो मैनेजर सोनू कुमार ने बताया कि इस वर्ष के सीजन में दरभंगा एयरपोर्ट से लगभग 500 टन लीची भेजने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि लीची का उत्पादन कम होने के बावजूद निर्यात लक्ष्य को पूरा करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। दरभंगा एयरपोर्ट शुरू होने के बाद मिथिला क्षेत्र सीधे देश के बड़े शहरों से हवाई नेटवर्क के माध्यम से जुड़ चुका है।

एक ही परिवार के 4 लोगों पर तेजाब से हमला

बरेली, 17 मई (एजेंसियां)। जिले के शेरगढ़ इलाके में तड़के एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां एक महिला, उसका पति और उनके दो बच्चों पर एक शख्स ने तेजाब से हमला कर दिया। इस हमले में परिवार के चार सदस्य बुरी तरह से झुलस गए। पुलिस के अनुसार गर्मी के कारण परिवार के लोग अपने घर के बरामदे में सो रहे था। इसी दौरान आरोपी घर की छत के रास्ते अंदर घुस आया और मच्छरदानी के ऊपर से परिवार पर तेजाब फेंक दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

भीषण सड़क हादसा, कार में सवार एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

हमीरपुर, 17 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जनपद हमीरपुर में बड़ी सड़क हादसा हुआ है, नेशनल हाईवे 34 पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में पति-पत्नी सहित कुल 5 लोगों की मौत हुई है। बताया गया कि मारुति की वैगनार कार में सवार सभी लोग बागेश्वर धाम से दर्शन कर लौट रहे थे, तभी उनकी कार सड़क हादसे का शिकार हो गए। सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत के बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजधानी एक्सप्रेस में लगी आग

दिल्ली-मुंबई ट्रैक पर आवाजाही ठप, कई ट्रेनें प्रभावित

रतलाम, 17 मई (एजेंसियां)। कोटा रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले रतलाम जिले के आलोट स्टेशन के पास तिरुवनंतपुरम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (12431) के एसी कोच में आग लग गई। हादसा रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे कोटा मंडल के लूणीरीछा-विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के बीच हुआ। हादसे की खबर लगने के बाद कोटा रेल मंडल से राहत व बचाव टीम मौके के लिए रवाना हुई। जिस कोच में आग लगी उसमें 68 यात्री सवार थे। वहीं कुछ सेकेंड में ही आग पूरे कोच में फैल गई। आग लगने की सूचना गार्ड ने सबसे पहले लोको पायलट को दी, जिसके बाद ट्रेन रोकी गई और पैसेंजर्स को बाहर निकाला गया।

जानकारी के मुताबिक आग लगने के बाद ट्रेन में मौजूद आरपीएफ स्टाफ व दूसरे लोगों ने तुरंत कोच से पैसेंजर्स की डि-बोर्डिंग शुरू की। करीब 15 मिनट में पूरा कोच खाली करा लिया गया। फिलहाल दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर ट्रैफिक को रोका गया है। ट्रेन का बिजली कनेक्शन भी काट दिया गया है। वहीं सूचना मिलते ही कोटा मंडल के सीनियर अधिकारी और टेक्निकल स्टाफ भी मौके पर पहुंच गए हैं। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

पश्चिम रेलवे के कोटा डिवीजन ने जानकारी देते हुए बताया, तिरुवनंतपुरम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस संख्या 12431 के लूणी रिच्छा (एलएनआर) और विक्रमगढ़ आलोट (वीएमए) के बीच किलोमीटर 729/02 (लोको) और 728/14-16 (एसएलआर) पर डाउन दिशा में ट्रेन के बी-1 कोच (एसएलआर छोर के पास) में आग लग गई।

प्रभावित कोच के सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को कोई चोट या हताहत नहीं हुआ। रेलवे की तरफ से आगे बताया गया, ऑक्यूपाइड हीट एयर कंडीशनिंग (ओएचई) आपूर्ति तुरंत काट दी गई। प्रभावित बी-1 कोच को रैक से अलग कर दिया गया। रेलवे कर्मचारी और अधिकारी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के काम में लगे हुए हैं। ट्रेन संख्या 12955 को महिदपुर रोड (एमईपी) पर रोक दिया गया है। यह सेक्शन जल्द ही खोल दिया जाएगा। आग लगने के कारण की जांच की जा रही है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया, आज सुबह 5:15 बजे तिरुवनंतपुरम से निजामुद्दीन जा रही राजधानी एक्सप्रेस की ट्रेन संख्या 12431 में आग लगने की सूचना मिली।

यह घटना कोटा डिवीजन की ट्रेन के पिछले एसएलआर और बी1 कोच में हुई। आग लगते ही रेलवे कर्मचारियों ने तुरंत सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला, प्रभावित कोच को ट्रेन के बाकी हिस्से से अलग किया और दमकल विभाग, राज्य प्रशासन और रेलवे अधिकारियों को सूचित किया। त्वरित कार्रवाई से सभी यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई। आग पर लगभग पूरी तरह काबू पा लिया गया है।

अवैध पेट्रोल बेचने वालों पर एक्शन, 5 दुकानें सील

गढ़वा, 17 मई (एजेंसियां)। मझिआंव क्षेत्र में परचून और जनरल स्टोर की दुकानों में अवैध रूप से पेट्रोल बेचने वालों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। अलग-अलग स्रोतों से मिल रही शिकायतों के आलोक में सदर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) संजय कुमार ने कई दुकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। इस औचक कार्रवाई के दौरान सात दुकानों में अवैध रूप से पेट्रोल का भंडारण और बोतलों में भरकर अधिक कीमतों पर बेचने की बात सामने आई है। एसडीएम के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच दुकानों को मौके पर ही बंद (सील) करवा दिया गया, जबकि एक दर्जन से अधिक लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई शुरू की गई है।

जिन दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई, उनमें रामसागर राम, सुकृत मेहता, उमेश मेहता, सतीश कुमार पांडेय, राधाकृष्ण मेहता, सुभाष मेहता, प्रमोद प्रसाद केसरी का नाम शामिल हैं। जांच के दौरान पकड़े गए दुकानदारों ने जिन पेट्रोल पंपों से ईंधन की आपूर्ति होने की बात स्वीकार की है, प्रशासन अब उनपर भी शिकंजा कस रहा है।

आकाश जैन बने एनटीए के जॉइंट डायरेक्टर अब नीट परीक्षा की संभालेंगे जिम्मेदारी

हजारीबाग, 17 मई (एजेंसियां)। झारखंड के हजारीबाग जिले के आईआरएस आकाश जैन को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में जॉइंट डायरेक्टर बनाया गया है।अब देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट के आयोजन की अहम जिम्मेदारी उनके हाथों में होगी। आकाश जैन ने अपनी 10वीं की पढ़ाई सत जेवियर स्कूल हजारीबाग से पूरी की। पढ़ाई के दौरान से ही वे मेधावी छात्र रहे हैं। वर्ष 2013 में उन्होंने यूपीएससी परीक्षा पास कर प्रशासनिक सेवा में अपनी पहचान बनाई थी।

उनका घर शहर के झंडा चौक के पास है। आकाश जैन की इस उपलब्धि से हजारीबाग में खुशी का माहौल है। शहरवासियों ने इसे पूरे जिले के लिए गर्व का क्षण बताया है। युवाओं के लिए उनकी सफलता प्रेरणा बन गई है। मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बल पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है।

पाकिस्तान से चला रहा था नेटवर्क

सोपोर में हिजबुल आतंकी की करोड़ों की जमीन कुर्क

बारामुला, 17 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में रहकर कश्मीर में आतंक का नेटवर्क चलाने वाले एक आतंकी की सोपोर में लाखों की संपत्ति कुर्क कर ली गई। वह हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़ा एक घोषित अपराधी है। यह कार्रवाई पुलिस थाना पंजल्ला में ईएंडआईएमसीओ अधिनियम की धारा 2/3 के तहत दर्ज एफआईआर के सिलसिले में की गई। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार राशिद-उद-दीन कुरैशी निवासी नादिहाल रफियाबाद हथियार और गोला-बारूद का प्रशिक्षण लेने के लिए गैर-कानूनी रूप से पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) चला गया था। इसके बाद वह वहां हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़ गया।

वह वर्तमान में पाकिस्तान से ही कश्मीर में हिजबुल के आतंकी नेटवर्क के लिए काम कर रहा है। प्रवक्ता ने बताया कि राशिद लंबे समय से फरार है। न्यायालय ने उसे घोषित अपराधी घोषित कर दिया था।

अदालत के आदेश के बाद राजस्व विभाग के सहयोग से नादिहाल में स्थित उसकी 2 कनाल भूमि कुर्क कर ली गई है। स्थानीय जांच और राजस्व रिकॉर्ड के उचित सत्यापन के बाद इस जब्ती को अंजाम दिया गया। आतंकवादियों के मददगारों, फरार अपराधियों और सीमा पार बैठे आतंकी आकाओं के खिलाफ पिछले तीन दिनों के भीतर सोपोर पुलिस द्वारा की गई यह तीसरी बड़ी जब्ती है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि आतंक के वित्तीय और लॉजिस्टिक नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त करने के लिए ऐसी सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

आकाशीय बिजली का कहर 11 मवेशियों की गई जान

गौरेला-पेंड्रा, 17 मई (एजेंसियां)। मरवाही जिले के गौरेला क्षेत्र अंतर्गत दूरस्थ पहाड़ी ग्राम राजमेरगढ़ में आकाशीय बिजली गिरने से 11 मवेशियों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि अचानक मौसम बदल गया और तेज गर्जना के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। इसी दौरान जंगल में चरने गए मवेशी वापस गांव लौट रहे थे। ग्रामीणों के अनुसार तेज गर्जना के बीच अचानक आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से 11 मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। मृत सभी मवेशी ग्राम राजमेरगढ़ निवासी नाथूराम यादव के बताए जा रहे हैं। बताया गया कि रोजाना की तरह सभी मवेशी सुबह जंगल चरने गए थे और शाम को लौटते समय यह हादसा हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।

मंइयां सम्मान योजना: महिलाओं के खाते में एक साथ आ सकते हैं 5000 रुपये

रांची, 17 मई (एजेंसियां)। झारखंड की महिलाओं के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को इस बार एक साथ 5000 रुपये मिलने वाले हैं। मंईयां सम्मान योजना के लिए 8 हजार करोड़ रुपये आवंटित की गई है। महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष के लिए ये राशि दी है। झारखंड सरकार की मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं को हर महीने आर्थिक सहायता दी जाती है। इस बीच खबर ये है कि अप्रैल और मई माह के पैसे एक साथ महिलाओं के बैंक खाते में ट्रांसफर किए जा सकते हैं। यानी की लाभुक महिलाओं के खाते में एक साथ 5000 रुपये ट्रांसफर किए जा सकते हैं। डीबीटी की प्रक्रिया से पहले राज्य सरकार तमाम जिलों योजना की लाभुक महिलाओं का सत्यापन भी कर रही है, जिससे कि योजना का लाभ पात्र लाभुकों के खाते में ही जा सके। मार्च महीने में आखिरी बार महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना का लाभ मिला था। इसके बाद से महिलाएं अगली किस्त का इंतजार कर रही हैं। अब दो महीने की राशि एक साथ भेजे जाने की खबर से लाभुकों में उत्साह देखा जा रहा है।

महिलाओं को बीच सड़क पर पीटा, बाल काटे, चप्पल की माला पहनाकर घुमाया

ठाणे, 17 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे से जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां के उल्हासनगर क्षेत्र स्थित हड़क माता मंदिर परिसर में महिलाओं के साथ बर्बरता से मारपीट का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि महिलाओं को मंदिर में आने से रोकने पर विवाद शुरू हुआ था, जो अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है। घटना का सीसीटीवी फुटेज और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस घटना के बाद से इलाके में आक्रोश का माहौल बन गया है। पूरा मामला सेंट्रल पुलिस स्टेशन इलाके का बताया जा रहा है। आरोप है कि वाघेरी समाज के कुछ लोगों ने एक परिवार के साथ मारपीट की। उन्हें सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। जानकारी के अनुसार, पंचायत में कथित तौर पर परिवार को मंदिर जाने से मना किया गया था।

केदारनाथ हेली टिकट ठगी पर पुलिस का शिकंजा, 550 फर्जी प्लेटफॉर्म पर कार्रवाई

रुद्रप्रयाग, 17 मई (एजेंसियां)। केदारनाथ हेलीकॉप्टर टिकट ठगी पर रुद्रप्रयाग पुलिस ने बडी कार्रवाई की है। लगभग 550 फेक प्लेटफार्म पर कार्रवाई की गई है। एसपी निहारिका तोमर ने बताया कि, केदारनाथ धाम यात्रा के लिए कई श्रद्धालु हेलीकॉप्टर सेवाओं से दर्शन करने के लिए धाम तक पहुंचते हैं। पिछले सालों में यह देखा गया है कि कई लोगों द्वारा इसमें साइबर ठगी की जाती है, जहां वो झूठे विज्ञापनों से लोगों से पैसे लेते हैं।

इसमें यात्रा शुरु होने से करीब एक महीने पहले एक टीम का गठन किया गया था, जो खास तौर पर इसकी निगरानी कर रही थी। लगभग 550 फेक प्लेटफार्म पर कार्रवाई की गई है, जिसमें फेसबुक, इंस्टाग्राम पेज, वेबसाइटें, व्हाट्सएप नंबर और बैंक खाते शामिल हैं। इन घटनाओं के संबंध में एफआईआर भी दर्ज की गई हैं। जांच की प्रक्रिया लगातार सक्रिय रूप से जारी है।

वायरस का कहर, डब्ल्यूएचओ ने वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल किया घोषित

अबूजा, 17 मई (एजेंसियां)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने कांगो और युगांडा में इबोला के प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। यह घोषणा रविवार, 17 मई 2026 को 300 से अधिक संदिग्ध मामलों और 88 मौतों के बाद की गई। डब्ल्यूएचओ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि यह प्रकोप बुंडिबुग्यो वायरस के कारण हुआ है। संगठन ने स्पष्ट किया कि यह स्थिति कोविड-19 महामारी जैसी नहीं है।

यह प्रकोप महामारी आपातकाल के मानदंडों को पूरा नहीं करता है। डब्ल्यूएचओ ने अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को बंद न करने की सलाह दी है। इसका उद्देश्य अनावश्यक यात्रा और व्यापार प्रतिबंधों से बचना है। संगठन ने प्रभावित देशों को सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया है। कांगो के स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार, पहला मामला एक नर्स का माना जा रहा है, जिसकी 24 अप्रैल को मौत हुई थी। जांच में अब तक इबोला के बुंडीबुग्यो स्ट्रेन के 8 मामलों की पुष्टि हुई है।

ये बीमारी फिलहाल इतुरी प्रांत के बुनीया, रवामपारा और मोंगवालू इलाकों तक पहुंच चुकी है। कांगो में 1976 में पहली बार इबोला सामने आया था। यह देश में इसका 17वां मामला है। इबोला एक गंभीर और अक्सर घातक बीमारी है। यह वायरस संक्रमित जानवरों से मनुष्यों में फैलता है। इसके लक्षणों में बुखार, उल्टी और आंतरिक रक्तस्राव शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ ने संक्रमण को रोकने के लिए सख्त उपायों की सिफारिश की है। इसमें स्वच्छता और संक्रमित व्यक्तियों से दूरी बनाए रखना शामिल है। कांगो में जिस इलाके में यह वायरस मिला, उसके पास बहने वाली इबोला नदी के नाम पर इसका नाम रखा गया।

क्रैश हुए उफौ से मिलीं एलियंस की 4 प्रजातियां, अमेरिका के पूर्व शोधकर्ता ने किया सनसनीखेज दावा

वॉशिंगटन, 17 मई (एजेंसियां)। एक पूर्व सरकारी शोधकर्ता ने इस हफ्ते एक सनसनीखेज दावा किया कि अमेरिका ने दुर्घटनाग्रस्त उफौ से चार अलग-अलग तरह के एलियंस को बरामद किया है। एडवांस्ड एयरोस्पेस वेपन सिस्टम एप्लीकेशंस प्रोग्राम के पूर्व सलाहकार और सीआईए-वित्तपोषित शोधकर्ता डॉ। हाल पुटहॉफ ने गुरुवार को स्टीव बार्टलेट के पॉडकास्ट एक सीईओ की डायरी पर निर्देशक डैन फराह के साथ मिलकर यह दावा किया। 89 साल के पुटहॉफ ने कहा, 'जो लोग रिकवरी के काम में शामिल रहे, उन्होंने बताया कि एलियं के चार अलग-अलग तरह के प्रकार होते हैं। अब मेरी उन तक सीधी पहुंच तो नहीं रही है लेकिन मेरा मानना है कि जिन लोगों से मैंने बात की उनके मुताबिक जीवन के अलग-अलग 4 प्रकार होते हैं।' एएडब्ल्यूएसएपी के पूर्व सहकर्मी डॉ। एरिक डेविस ने पिछले साल दावा किया था कि ग्रे, नॉर्डिक, कीट और सरीसृप उन जैविक जीवों के नाम हैं, जिन्हें दुर्घटनाग्रस्त या गिरे हुए उफौ के मलबे से निकाला गया था।

नीट पेपर लीक: अब खुलेंगे कई राज

कोर्ट ने बॉटनी प्रोफेसर मनीषा को 14 दिन की सीबीआई कस्टडी में भेजा

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने आरोपी मनीषा मंधारे को आज राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने मनीषा को 14 दिन की सीबीआई हिरासत में भेजा। मनीषा बॉटनी की प्रोफेसर है। महाराष्ट्र के पुणे में बॉटनी की टीचर मंडारे को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने अरेस्ट किया। सीबीआई ने उन्हें उत्तर प्रदेश के मथुरा के एक होटल से अरेस्ट किया था। सीबीआई ने दिल्ली में गहन पूछताछ के बाद मंधारे को विशेष सीबीआई जज के सामने पेश किया। केंद्रीय जांचकर्ताओं के मुताबिक, आरोपी को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने एक एक्सपर्ट के तौर पर नियुक्त किया था।

इससे उसे बॉटनी और जूलॉजी के क्वेश्चन पेपर तक सीधी पहुंच थी। गिरफ्तारी के बाद दिल्ली में पूछताछ के बाद सीबीआई ने मंधारे को विशेष सीबीआई जज के सामने पेश किया। सीबीआई ने अदालत को बताया कि एनटीए की पूरी प्रक्रिया इस समय जांच के दायरे में है।

शुरुआती जांच के डीटेल्स से पता चलता है कि मंधारे ने एग्जाम क्वेश्चन लीक करने के बदले छात्रों से बहुत ज्यादा रिश्वत ली थी।

एजेंसी का मानना है कि इस ऑपरेशन में अंदर के लोग, बिचौलिए और ऐसे उम्मीदवार शामिल थे, जिन्होंने परीक्षा में आने वाले संभावित सवालों के लिए बड़ी रकम चुकाई थी। शिक्षा मंत्रालय के तहत उच्च शिक्षा विभाग से शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने 12 मई, 2026 को आधिकारिक तौर पर ये मामला दर्ज किया। ये परीक्षा दोबारा 21 जून को होगी। पी।वी। कुलकर्णी केमेस्ट्री का प्रोफेसर है। इसने कई सालों तक नीट का क्वेश्चन पेपर तैयार करने वाली समितियों में काम किया था।

ट्रंप के 400 मिलियन डॉलर वाले बॉलरूम प्रोजेक्ट को झटका, सीनेट ने रोकी फंडिंग

वॉशिंगटन, 17 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में बनने वाले 400 मिलियन डॉलर के बड़े बॉलरूम प्रोजेक्ट को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी सीनेट की एक अधिकारी ने उस सरकारी फंडिंग को रोक दिया है, जिसका इस्तेमाल इस प्रोजेक्ट से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था पर होना था। इससे रिपब्लिकन पार्टी की योजना मुश्किल में पड़ गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सीनेट की पार्लियामेंटेरियन एलिजाबेथ मैकडोनो ने फैसला दिया कि बॉलरूम से जुड़ी सुरक्षा फंडिंग को सरकारी खर्च वाले बड़े बिल में शामिल नहीं किया जा सकता। पार्लियामेंटेरियन का काम सीनेट के नियमों की जांच करना और यह तय करना होता है कि कोई प्रस्ताव नियमों के मुताबिक है या नहीं। ट्रंप पहले कह चुके हैं कि इस बॉलरूम का निर्माण निजी डोनर्स के पैसे से किया जाएगा। लेकिन रिपब्लिकन पार्टी व्हाइट हाउस की सुरक्षा के नाम पर 1 अरब डॉलर की सरकारी फंडिंग चाहती थी।

इसी फंड में बॉलरूम से जुड़े सुरक्षा खर्च भी शामिल थे। रिपब्लिकन इस फंडिंग को 72 अरब डॉलर के बड़े खर्च बिल में शामिल करना चाहते थे। इस बिल का बड़ा हिस्सा इमिग्रेशन नियंत्रण और सीमा सुरक्षा पर खर्च किया जाना है। लेकिन अब पार्लियामेंटेरियन के फैसले के बाद बॉलरूम से जुड़ी फंडिंग पर संकट खड़ा हो गया है।

भ्रष्टाचार के पुराने मामले में आईएएस अधिकारी बर्खास्त

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में तैनात आईएएस पर एक पुराने मामले में गाज गिरी है। 2003 बैच की आईएएस पद्मा जायसवाल पर अरुणाचल प्रदेश में भ्रष्टाचार के मामले में केंद्र सरकार ने कार्रवाई की है, उन्हें नौकरी से बर्खास्त किया गया है। वह कुछ माह पहले ही दिल्ली सरकार में आई थीं। सरकार के दिल्ली सचिवालय स्थित प्रशासनिक सुधार विभाग में सचिव थीं। करीब एक माह से अवकाश पर थीं।

उनसे पक्ष लेने के लिए काल की गई, मगर उन्होंने फोन नहीं उठाया। इससे आठ माह पहले भी अरुणाचल प्रदेश से संबंधित लोक निर्माण विभाग में तैनात रहे आइएएस तालों पोतोम पर यौन उत्पीड़न के मामले में कार्रवाई हो चुकी है, सरकार ने उन्हें निलंबित किया था। यौन उत्पीड़न के आरोप में वह अरुणाचल प्रदेश में गिरफ्तार हुए थे। जायसवाल पर सरकारी धन का गबन का आरोप है।

संजय सिंह का केंद्र पर हमला

बोले- पेपर लीक ने 22 लाख युवाओं का भविष्य किया बर्बाद

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। आप सांसद संजय सिंह ने देश में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पेपर लीक की घटनाओं ने 22 लाख से ज्यादा युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है, लेकिन अब तक किसी बड़े जिम्मेदार व्यक्ति पर कार्रवाई नहीं हुई। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में अब तक 93 पेपर लीक के मामले सामने आए हैं। जिनमें ज्यादातर बीजेपी शासित राज्यों में हुए। संजय सिंह ने कहा कि इन घटनाओं से लाखों छात्र मानसिक तनाव और निराशा का सामना कर रहे हैं। इसी दौरान उन्होंने अंशिका पांडे नाम की एक छात्रा का जिक्र किया, जो तीसरी बार परीक्षा दे रही थी। पिछली बार वह सिर्फ चार अंकों से चयन से चूक गई थी। इस बार उसे पूरी उम्मीद थी कि उसका चयन हो जाएगा, लेकिन परीक्षा रद्द होने के बाद उसने आत्महत्या कर ली।

संजय सिंह ने कहा कि यह केवल आत्महत्या नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता है। जिसने एक छात्रा की जिंदगी छीन ली। आप सांसद ने कहा कि सरकार ने पेपर लीक रोकने के लिए कानून जरूर बनाया है, लेकिन वह जमीन पर असरदार साबित नहीं हो रहा। यही वजह है कि पेपर लीक का कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर देश के युवाओं के टूटते सपनों और उनकी मौतों का जिम्मेदार कौन है।

पुलिस ने कार से बरामद की 2.56 करोड़ की नकदी

दाहोद। गुजरात के दाहोद जिले के लिमखेड़ा इलाके में एक कार से ढाई करोड़ रुपए से अधिक की बेहिसाबी नकदी बरामद की गई है। पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान यह सफलता हासिल की। फिलहाल, पुलिस ने पूरी रकम जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, लिमखेड़ा में धनपुर चौकड़ी के पास नियमित वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था।

इसी दौरान पुलिस ने एक अर्टिगा कार को रोककर तलाशी ली। जांच के दौरान पुलिस टीम को कार में रखे तीन संदिग्ध पार्सल मिले। पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में पार्सलों को खोला गया, जिसमें नोटों के बंडल रखे हुए थे। नोटों की गिनती भी अधिकारियों के सामने की गई। इस दौरान पता चला कि यह बरामदगी 2,56,80,500 रुपए की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कार चालक की पहचान राजूभाई निनामा के रूप में हुई है।

अश्लील वीडियो, यूएई-ओमान और बांग्लादेश में होती थी डील झारखंड सीआईडी ने किया गिरोह का पर्दाफाश

रांची, 17 मई (एजेंसियां)। झारखंड के अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने बच्चों की अश्लील वीडियो (चाइल्ड सेक्सुअल एक्सप्लॉइटेटिव एंड एब्यूज मटेरियल) की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑनलाइन खरीद-बिक्री करने वाले एक बड़े रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस अमानवीय धंधे में शामिल गिरोह के दो शातिर आरोपियों को सीआईडी की टीम ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी मूल रूप से झारखंड के गिरिडीह जिले के रहने वाले हैं, जिनकी पहचान वहाब अंसारी और हसन राजा के रूप में हुई है।

संजीव अरोड़ा केस में ईडी का बड़ा एक्शन

पंजाब के आईएएस और पीएसपीसीएल अफसरों को किया तलब

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के सिलसिले में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी और पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) के सीएमडी बसंत गर्ग, निदेशक (वाणिज्यिक) हरशरण कौर त्रेहन और गिरफ्तार पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा के दो कथित सहयोगियों को पूछताछ के लिए तलब किया है। उन्होंने बताया कि लुधियाना में फिनडोक फिनवेस्ट प्राइवेट लिमिटेड नामक वित्तीय निवेश और स्टॉकब्रोकर कंपनी चलाने वाले हेमंत सूद और जालंधर स्थित व्यवसायी और कथित सटोरिये चंद्रशेखर अग्रवाल के अलावा दो अधिकारियों को सोमवार (18 मई) से दिल्ली में संघीय एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि ये समन पीएमएलए के तहत जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मोबाइल फोन की बिक्री से जुड़े कथित 100 करोड़ रुपए के जीएसटी धोखाधड़ी मामले में संजीव अरोड़ा (62) को नौ मई को चंडीगढ़ स्थित उनके आधिकारिक आवास से ईडी ने गिरफ्तार किया था। संजीव पंजाब विद्युत, उद्योग और वाणिज्य मंत्री थे। उनकी गिरफ्तारी के बाद, भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार ने उनके विभागों को अन्य मंत्रियों को सौंप दिया। गुरुग्राम की एक कोर्ट मंत्री संजीव अरोड़ा की ईडी हिरासत की मियाद और दो दिन के लिए बढ़ा दी। संजीव आरोड़ा को सात दिन की ईडी हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद कोर्ट के सामने पेश किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि ईडी ने कोर्ट से संजीव अरोड़ा को पांच और दिन उसकी हिरासत में देने का अनुरोध किया था और दलील दी थी कि उसे मुखौटा कंपनियों के माध्यम से धन के प्रवाह की जांच करने, बेनामी संपत्तियों की कथित खरीद की जांच करने और मामले से जुड़े कई व्यक्तियों से पूछताछ करी है।

बेल्ट में छिपाकर ले आया 5.58 करोड़ का सोना, दिल्ली में पकड़ा गया

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। दिल्ली एयरपोर्ट में अधिकारियों ने एक अमेरिकी नागरिक को सोने के 115 बिस्कुट के साथ पकड़ा है। पकड़े गए सोने के सभी बिस्कुट का कुल वजन 3565 ग्राम है। मौजूदा भाव के अनुसार इसकी कुल कीमत 5.58 करोड़ होगी। सीमा शुल्क अधिकारियों ने इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भारतीय मूल के एक अमेरिकी नागरिक से तस्करी कर लाए गए सोने के 115 बिस्कुट जब्त किए हैं, जिसका कुल वजन साढ़े तीन किलोग्राम है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर सोने को विशेष रूप से डिजाइन की गई बेल्ट में छिपा रखा था।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वरिष्ठ सीमा शुल्क अधिकारी तस्करी की गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि यह जब्ती पिछले सप्ताह सोने की तस्करी के प्रयासों में आई वृद्धि से सीधे तौर पर जुड़ी है। अधिकारियों का कहना है कि सोने पर कस्टम ड्यूटी छह प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत किए जाने से अवैध कारोबार के तौर-तरीकों में बदलाव आया है। बयान के अनुसार, प्रति किलोग्राम मुनाफा काफी बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय गिरोहों ने तस्करी के बेहद जटिल तरीके अपनाए हैं। बयान में कहा गया कि इस संबंध में मिली खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए एयर इंटेलिजेंस यूनिट के अधिकारियों ने यात्री को अंतरराष्ट्रीय आगमन टर्मिनल पर रोका।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 18 मई - 2026

मजहबों को तार्किक बनाएं तभी लोकतंत्र और मनुष्यता बचेगी

रघु ठाकुर

सारी दुनिया हिंसा की चपेट में हैं और हिंसा की आग बढ़ती जा रही है। इसका अंत कहां होगा, क्या दुनिया में कोई समझ विकसित होगी, या दुनिया का एक तानाशाह होगा, या दुनिया नष्ट होगी, ये विकल्प हैं जो अनुत्तरित हैं। इसका उत्तर भी किसी व्यक्ति को देना या विचार या दर्शन को देना आज सम्भव नहीं है। फिलहाल तो विश्व ताकत का विश्व बन रहा है। भारत की पुरानी कहावत जिसकी लाठी उसकी भैंस सारी दुनिया पर चरितार्थ हो रहा है।

युद्ध की आग फैलती जा रही है। पिछले तीन वर्षों से रूस और यूक्रेन युद्ध के थे। रूस-यूक्रेन के दुर्लभ खनिज तत्वों पर कब्जा करने के लिए और अपने पुराने सोवियत रूस यानी यूएसएसआर जो 1986-87 में बिखर चुका है, उसे वापस लाने की योजना में है। यूक्रेन युद्ध उसी का एक हिस्सा है। अमेरिका ने भी लगभग उसी तर्ज पर यानि ताकत के दम पर लैटिन अमेरिकी देशों को अपने कब्जे में लेने का उपक्रम शुरू कर दिया है। उसकी भी दृष्टि उसी प्रकार की लगती है कि अमेरिका गोलार्ध के सभी देश अमेरिकी हिस्से हैं और लाजिमी तौर पर उन्हें अमेरिका के पीछे चलना चाहिए। इन दो महाशक्तियों का यह ताकत का खेल दुनिया को तीसरे विश्वयुद्ध की ओर ले जा रहा है। वेनेजुएला पर कब्जे के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति का अगला निशाना क्यूबा, ग्रीनलैंड पर है। इसके पीछे वहीं भूसम्पदा जो अमेरिकी विलासिता, सम्पन्नता, सामरिक शक्ति के लिए जरूरी है, उस पर कब्जा करने की है। रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन का साथ देने के नाम पर अमेरिका ने यूक्रेन से युद्ध में सहयोग के खर्च की वसूली में लगभग बत्तीस लाख करोड़ के दुर्लभ खनिज पदार्थों को वसूलने का फैसला कर लिया है। अमेरिका का यूक्रेन को समर्थन कोई नैतिक या लोकतांत्रिक आधार पर नहीं है। लोकतांत्रिक दुनिया के लिए भी नहीं, बल्कि अपनी लूट के लिए इस्तेमाल करने के लिये है। जिस प्रकार जंगल में शेर अपनी अपनी सीमाओं को बांध लेते है। उसके अंदर वही शिकार कर सकते हैं। एक जमाने के दस्युदल अपने अपने इलाके बांटे हुए थे। उनके बीच वहीं लूटपाट कर सकते थे। राजे रजवाड़े अपने अपने राजपाट की सीमा बांटे हुए थे। उसी हिसाब से वहां के लोगों की राजस्व वसूली कर सकते थे। इसी प्रकार अब दुनिया का निर्माण हो रहा है जो सामरिक शक्ति, आर्थिक शक्ति के आधार पर वैश्विक सीमाओं की नयी सीमा रेखाएं खींच रहे हैं। सम्भावित तीसरा युद्ध किसी तानाशाह के खिलाफ नहीं, बल्कि नया तानाशाह बनने के लिए है।दिमागी तौर पर भी दुनिया अपने अपने मजहबी कट्टरपंथों में बंटी है। एक-दूसरे से भयभीत हैं। एक-दूसरे को साम्प्रदायिक घोषित करती हैं। जबकि सच्चाई यह है कि हर मजहब में कुछ अच्छाइयां हैं, परंतु परम्परा के तौर पर कुछ कट्टरता और अंधविश्वास भी है। ताकत के दम पर सामरिक शक्तियां दूसरे देशों को गुलाम बनाने के प्रयास करती हैं। मजहब भी अपनी परंपराओं की कट्टरता तथा धर्मगुरुओं की अलोकतांत्रिक शिष्टता को स्थापित करता है। आजकल यह जुमला अमूमन सुनने को मिलता है कि हिन्दू पंथ उदार है जिसने अन्य पंथों को स्वीकार किया है। मुस्लिम भाई कहते हैं कि वे जन्मना सेक्युलर हैं क्योंकि भाजपा के खिलाफ मतदान करते हैं। ईसाई मुल्क ईसा को मानते हैं और प्रेम तथा सेवा को अपने मजहब का लक्ष्य बताते हैं। परंतु जमीनी तौर पर दुनिया में कहीं भी प्रेम और सेवा करते नजर नहीं आते। पता नहीं क्यों और कैसे मजहब का मानसिक फैलाव उस समाज के हिस्से में परंपरा के तौर पर होता रहता है। कई बार ऐसा लगता है कि इन मजहबों के के पीछे अध्ययन-अध्यापन, चिंतन-मनन- दर्शन कम है, बल्कि जन्मना पैतृक परंपरायें मुख्य कारण हैं। मेरा तो दशकों से यह मत रहा है कि यदि दुनिया को लोकतांत्रिक बनाना है तो धर्मों का भी लोकतंत्रीकरण होना चाहिए। एक बालिग व्यक्ति को अपना धर्म चुनने का अधिकार होना चाहिए। जन्म से धर्म न थोपा जाये। परिपक्व आयु तक, जिसे 18 वर्ष माना गया है, उसे हिन्दू-मुसलमान-सिख-इसाई के रूप में न देखा जाये। अठारह वर्रा के बाद उसे अधिकार हो कि वह चाहे तो किसी धर्म को चुने या न चुने, यह उसका अपना अधिकार हो। धर्म भी दुनिया में या भारत में अलोकतांत्रिक मानस बनाने का माध्यम है जिसमें निष्पक्षता से ज्यादा पक्षपात ज्यादा है। किसी भी एक धर्म को मानने वाला व्यक्ति धार्मिक प्रतीकों को सम्पूर्ण रूप से स्वीकार करता है। उसके अच्छे-बुरे दोनों पक्षों को स्वीकार करता है। उनकी त्रुटियों के ऊपर न उंगली उठाता है, न बोल पाता है, बल्कि उनकी सफाई देता है।

धर्म के दार्शनिक पक्ष गौण हो गये हैं, प्रतीक महत्वपूर्ण। एक हिन्दू के लिए चोटी-जनेऊ धर्म होना है पर दूसरे का भला करना परहित सरिस धरम नहिं भाई केवल शब्द भर रह गये हैं और प्रतीक महत्वपूर्ण हो गये हैं। लगभग यही स्थिति मुसलमान भाइयों की भी है। दाढ़ी-कपड़े, पहनावा में मुस्लिम दिखना उनके लिए ज्यादा जरूरी लगता है, भले इस्लाम की किसी अच्छी बात को न स्वीकार करें। कितने मुसलमान भाई सोने से पहले पड़ोसियों की पीड़ा या भूख का पता करते हैं? केवल परम्पराएं ही मजहब बन गई हैं, दार्शनिक पक्ष शून्य हो गया है। यही स्थिति ईसाई, सिक्ख या अन्य धर्म पंथों की भी बन रही है। पिछले दिनों मैं इस्लाम को मानने वाले एक मित्र के घर ईद पर मिलने गया था। वहां काफी मच्छर थे। परंतु वे मच्छरों को मारने के लिए बिजली के करंट वाला जाला इस्तेमाल नहीं करते। उनका कहना है कि इस्लाम में जलाकर मारने पर रोक है। मैंने उनसे कहा कि मच्छरों को मारना दवा, धुंए या जाल से हो क्या फर्क पड़ता है? उन्होंने कहा कि जला कर मारने वाले के लिए दोजख की सजा है। फिर बोले-मजहब तो मजहब है। मैंने उनसे कहा इन अंधविश्वास आधारित मजहबी परंपराओं को बदलना चाहिए। वे चुप हो गए परंतु उन्हें मन से मेरी बात स्वीकार नहीं थी।

अभी कुछ दिन पहले एक और मुस्लिम भाई मिले थे। उनके बेटे-बहू के बीच 12 साल पहले तलाक हो गया है, पर दोनों ने दोबारा शादी नहीं की। हमारे मित्र अपने नाती को लेकर चिंतित थे, उससे मिलना चाहते थे जो अपनी मां के पास है। अपने नाती से मिलने के लिए वे कोर्ट में मुकदमा करने की तैयारी में हैं। मैंने उनसे कहा कि जब दोनों ने पुनर्विवाह नहीं किया और किसी छोटी-मोटी बात पर अलगाव था तो उनका दोबारा पुनर्विवाह कर देना चाहिए, ताकि नाती के प्रति आपकी और आपके बेटे की चिंताओं का हल हो सके। वह बड़े दुख के साथ बोले- क्या करें....हमारे मजहब में जो इद्दत की व्यवस्था बना दी गई है उसे कैसे तोड़ें...यह साहस मुझमें नहीं कि मैं सारे समाज का मुकाबला कर सकूं। मैंने उनसे कहा इद्दत एक परंपरा है। हो सकता है उसका आधार कभी रहा हो। बार-बार होने वाले तलाक या झगड़ों को समाप्त करने के लिए यह कठोर और अमानवीय बंधन लगाया गया हो, पर अब इसका क्या औचित्य। हमारे मुस्लिम मित्रों में भी अपनी समाज के सामने खड़े होने का सामर्थ्य नहीं। धर्मसत्ता के लिए संकीर्णता और कुछ कट्टरता जरूरी है।

धार से उठे सवाल

मध्यप्रदेश के धार स्थित भोजशाला को लेकर इंदौर हाईकोर्ट का हालिया फैसला केवल एक धार्मिक स्थल से जुड़ा कानूनी निर्णय नहीं है, बल्कि यह भारत की ऐतिहासिक स्मृतियों, धार्मिक आस्था और सामाजिक संतुलन से जुड़े जटिल प्रश्नों को भी सामने लाता है। अदालत ने भोजशाला परिसर को मां वाग्देवी मंदिर मानते हुए वर्ष 2003 में लागू उस व्यवस्था को निरस्त कर दिया, जिसमें शुक्रवार को नमाज और निर्धारित दिनों में पूजा की अनुमति दी गई थी। यह फैसला वर्षों से चले आ रहे विवाद को एक नई दिशा देता है और देश में धार्मिक स्थलों से जुड़े व्यापक विमर्श को भी पुनर्जीवित करता है। भोजशाला विवाद लंबे समय से इतिहास और आस्था के बीच खिंची एक ऐसी रेखा रहा है, जहां दोनों पक्ष अपने-अपने दावे और तर्क प्रस्तुत करते रहे हैं। हिंदू पक्ष का मानना रहा है कि भोजशाला मां वाग्देवी अर्थात देवी सरस्वती का प्राचीन मंदिर रहा है, जिसे परमार राजा भोज के समय ज्ञान और संस्कृति के केंद्र के रूप में विकसित किया गया था। दूसरी ओर मुस्लिम पक्ष इसे कमाल मौला मस्जिद के रूप में देखता रहा है। वर्षों से यह विवाद केवल धार्मिक मतभेद नहीं, बल्कि इतिहास की व्याख्या और विरासत की पहचान का विषय भी बना रहा। हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के साक्ष्यों और ऐतिहासिक तथ्यों को महत्व दिया। अदालत का मानना रहा कि उपलब्ध पुरातात्विक सामग्री, संरचनात्मक अवशेष और ऐतिहासिक प्रमाण इस स्थल के मूल स्वरूप की ओर संकेत करते हैं। यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि अदालत ने भावनात्मक आग्रहों से अधिक साक्ष्यों को आधार बनाया। लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्याय का यही स्वरूप उसकी विश्वसनीयता को मजबूत करता है। इस फैसले की तुलना स्वाभाविक रूप से अयोध्या प्रकरण से की जा रही है। वहां भी सर्वोच्च न्यायालय ने केवल धार्मिक विश्वास को आधार नहीं बनाया था, बल्कि पुरातात्विक साक्ष्यों, ऐतिहासिक तथ्यों और कानूनी प्रक्रिया के संतुलन के आधार पर निर्णय दिया था। भोजशाला प्रकरण में भी कुछ समानताएं दिखाई देती हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि देश की न्याय व्यवस्था जटिल धार्मिक विवादों के समाधान में साक्ष्य-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास कर रही है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसे फैसलों का प्रभाव केवल अदालत की सीमाओं तक नहीं रहता। इनका असर समाज, राजनीति और सामुदायिक संबंधों पर भी पड़ता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में धार्मिक विवादों का समाधान अत्यंत संवेदनशील विषय है। यदि निर्णयों को राजनीतिक लाभ, धार्मिक ध्रुवीकरण या भावनात्मक उकसावे के माध्यम में बदल दिया जाए, तो सामाजिक सद्भाव को क्षति पहुंच सकती है। इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष धार्मिक स्थल अधिनियम, 1991 को लेकर भी सामने आता है। यह कानून स्वतंत्रता के समय धार्मिक स्थलों की स्थिति को बनाए रखने की भावना से बनाया गया था। लेकिन समय-समय पर इसके विभिन्न पहलुओं पर सवाल भी उठते रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि ऐतिहासिक विवादों के समाधान में यह अधिनियम बाधा बनता है, जबकि अन्य लोग इसे सामाजिक स्थिरता का आधार मानते हैं। ऐसे में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इतिहास के विवाद वर्तमान समाज के संघर्ष में न बदलें। अतीत की घटनाओं को समझना आवश्यक है, लेकिन भविष्य का निर्माण उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। यदि धार्मिक विवाद केवल जीत और हार के रूप में देखे जाएंगे, तो सामाजिक दूरी बढ़ सकती है। लेकिन यदि उन्हें संवाद, संवैधानिक प्रक्रिया और पारस्परिक सम्मान के माध्यम से सुलझाने का प्रयास होगा, तो स्थायी समाधान संभव हो सकेगा। भोजशाला का फैसला केवल एक विवादित परिसर का निर्णय नहीं है। यह भारतीय समाज की परिपक्वता, न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और सामाजिक सद्भाव की भी परीक्षा है। अदालतें फैसले दे सकती हैं, लेकिन स्थायी शांति और विश्वास समाज को ही स्थापित करना होगा।

नेशन फर्स्ट पर आगे बढ़ता नेपाल

संजय सक्सेना

नेपाल की राजनीति इस समय बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। इस बदलाव से उसके चीन और भारत जैसे पड़ोसी नाराज होते हैं तो इसकी चिंता नेपाल को शायद नहीं है। नेपाल पूरी तरह से नेशन फर्स्ट पर चल रहा है। काठमांडू की सत्ता अब पहले की तरह भारत पर आर्थिक और राजनीतिक रूप से निर्भर रहने के पक्ष में नहीं दिखती। प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार लगातार ऐसे फैसले ले रही है जिनसे यह साफ संकेत जाता है कि नेपाल अब 'नेपाल प्रथम' की नीति पर आगे बढ़ना चाहता है। यही वजह है कि व्यापार, सीमा, कस्टम ड्यूटी और चीन के साथ रिश्तों जैसे मुद्दे अब नेपाल की घरेलू राजनीति और राष्ट्रवाद का हिस्सा बन चुके हैं। भारत के लिए चिंता केवल नेपाल के कुछ फैसले नहीं हैं, बल्कि वहां तेजी से बदलती राजनीतिक सोच है। नेपाल और भारत के बीच करीब 1850 किलोमीटर लंबी खुली सीमा है।

दोनों देशों के नागरिक बिना वीजा और पासपोर्ट के आवाजाही करते हैं। अनुमान है कि हर दिन 50 हजार से ज्यादा लोग रोजगार, व्यापार, शिक्षा और पारिवारिक कारणों से सीमा पार करते हैं। नेपाल के कुल विदेशी व्यापार का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा भारत के साथ होता है। 2025-26 में दोनों देशों के बीच व्यापार करीब 13 अरब डॉलर तक पहुंच गया। लेकिन इसमें सबसे बड़ा असंतुलन यह है कि नेपाल ने भारत से करीब 11 अरब डॉलर का सामान आयात किया, जबकि उसका निर्यात केवल 2 अरब डॉलर के आसपास रहा। यही लगभग 9 अरब डॉलर का व्यापार घाटा अब नेपाल की नई राष्ट्रवादी राजनीति का सबसे बड़ा मुद्दा बन चुका है।

नेपाल के उद्योग परिसंघ और आर्थिक विशेषज्ञों का एक वर्ग लगातार यह दावा करता रहा है कि भारतीय बाजार से आने वाले सस्ते उत्पादों ने नेपाली उद्योगों को कमजोर कर दिया। कपड़ा उद्योग, कृषि आधारित कारोबार और छोटे विनिर्माण क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। इसी सोच के तहत बालेन शाह सरकार ने भारत से नेपाल लाए जाने वाले 100 नेपाली रुपये से अधिक कीमत के सामान पर कस्टम ड्यूटी लगाने का फैसला किया। सरकार का कहना था कि इससे घरेलू उद्योगों को संरक्षण मिलेगा और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन इस फैसले का असर सीधे सीमा क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला था। वीरगंज, विराटनगर, नेपालगंज और भैरहवा जैसे शहरों में हजारों छोटे व्यापारी भारतीय बाजारों से राशन, कपड़े, दवाइयां और घरेलू सामान खरीदकर नेपाल ले जाते हैं। व्यापारियों का अनुमान था कि नई ड्यूटी व्यवस्था लागू होने के बाद रोजमर्रा के सामानों की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती थी। नेपाल पहले ही महंगाई और बेरोजगारी के दबाव से जूझ रहा है। विश्व बैंक के अनुसार नेपाल में युवा बेरोजगारी दर 20 प्रतिशत से ऊपर है। ऐसे में यह फैसला आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ाने वाला माना गया। नेपाल के भीतर इस फैसले का विरोध शुरू हो गया। व्यापारी संगठनों और सीमा-पार कारोबारियों ने इसे अव्यावहारिक बताया। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और अदालत ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए टैक्स वसूली पर रोक लगा दी। अदालत ने कहा कि सरकार को सीमा क्षेत्रों की सामाजिक और आर्थिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखना होगा। अदालत के इस हस्तक्षेप ने साफ कर दिया कि नेपाल में राष्ट्रवादी राजनीति तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उसकी सीमाएं अब भी संवैधानिक संस्थाएं तय कर रही हैं। दरअसल नेपाल में भारत को लेकर असहजता कोई नई बात नहीं है। 2015 में नेपाल के नए संविधान को लेकर पैदा हुए विवाद और उसके बाद सीमा पर आपूर्ति बाधित होने की घटनाओं ने भारत-विरोधी भावना को गहरा किया। उस समय नेपाल में पेट्रोल, गैस और दवाइयों की भारी कमी हो गई थी। नेपाल के भीतर बड़ी संख्या में लोग आज भी मानते हैं कि उस दौर में भारत ने दबाव की राजनीति अपनाई थी। उसी समय के बाद 'आर्थिक आत्मनिर्भरता' और 'राष्ट्रीय सम्मान' जैसे मुद्दे तेजी से लोकप्रिय हुए।

बालेन शाह ने इसी भावना को राजनीतिक ताकत में बदला। नेपाल की लगभग 42 प्रतिशत आबादी 25 वर्ष से कम उम्र की है और यही युवा वर्ग सोशल मीडिया आधारित राष्ट्रवादी राजनीति से तेजी से प्रभावित हो रहा है। नेपाल में भारत के साथ आर्थिक निर्भरता कम करने और 'स्वतंत्र विदेश नीति' की मांग लगातार बढ़ रही है। कई राष्ट्रवादी समूह भारत के साथ सीमा नियंत्रण सख्त करने की बात भी खुले तौर पर कर रहे हैं। हालांकि नेपाल केवल भारत से दूरी बनाकर चीन के करीब जाता हुआ भी नहीं दिखना चाहता। चीन की बेल्ट एंड रोड परियोजना के तहत नेपाल में सड़क, रेलवे और ऊर्जा परियोजनाओं में लगभग 8 अरब डॉलर तक के निवेश प्रस्तावित हैं। लेकिन नेपाल सरकार अब इन परियोजनाओं की लागत और ऋण शर्तों की समीक्षा कर रही है। काठमांडू में यह डर मौजूद है कि अत्यधिक चीनी कर्ज नेपाल को आर्थिक रूप से कमजोर कर सकता है। इसके बावजूद चीन का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों और मशीनरी के क्षेत्र में चीन नेपाल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन चुका है। दूसरी तरफ नेपाल यह भी समझता है कि भारत से पूरी दूरी बनाना उसके लिए संभव नहीं। नेपाल की पेट्रोलियम जरूरतों का लगभग पूरा हिस्सा भारत से आता है। समुद्री व्यापार के लिए नेपाल पूरी तरह भारतीय बंदरगाहों पर निर्भर है। नेपाल के लाखों नागरिक रोजगार के लिए भारत आते-जाते हैं।

दोनों देशों के बीच पारिवारिक और सांस्कृतिक रिश्ते इतने गहरे हैं कि उन्हें केवल राजनीतिक फैसलों से खत्म नहीं किया जा सकता। दिल्ली भी इस बदलते नेपाल को लेकर सतर्क है।

भारत समझता है कि केवल ऐतिहासिक रिश्तों के भरोसे अब नेपाल में अपना प्रभाव बनाए रखना आसान नहीं होगा। यही कारण है कि हाल के वर्षों में भारत ने नेपाल में रेलवे, पेट्रोलियम पाइपलाइन, बिजली ट्रांसमिशन और डिजिटल कनेक्टिविटी परियोजनाओं पर तेजी से निवेश बढ़ाया है। नेपाल ने 2025-26 में भारत को लगभग 1000 मेगावाट बिजली निर्यात की, जिससे उसे करीब 15 अरब नेपाली रुपये की आय हुई। फिलहाल नेपाल की राजनीति ऐसे दौर में पहुंच चुकी है जहां राष्ट्रवाद सबसे बड़ा राजनीतिक हथियार बन गया है। लेकिन आने वाले समय में सबसे बड़ा सवाल यही होगा कि क्या 'नेपाल प्रथम' की यह नीति नेपाल को आर्थिक रूप से मजबूत बना पाएगी या फिर भारत जैसे सबसे बड़े साझेदार से लगातार बढ़ता तनाव उसकी अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ेगा।

जेनेरिक दवाओं का गोरखधंधा

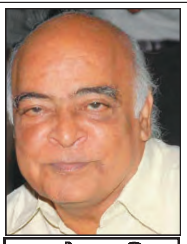

अशोक भाटिया

मैंने डॉक्टर की लिखी दवा पैनम डी अपने मेडिकल स्टोर से खरीदी तो वह छपे भाव में मिली और उसे ही जेनेरिक रूप में ऑन लाइन मंगवाई तो 51 % कम में मिली यानि वह जेनेरिक थी । एक ही दवा को लेकर अलग – अलग जेनेरिक दवाइयों की दुकान पर गया। मैंने पाया कि एक ही दवा अलग -अलग दुकान पर अलग - अलग नामों से व भावों से बिक रही है। डायबिटीज में काम आने वाली दवा ' इनवोकाना ' का भाव 690 रुपया था उसके बन्द होने के बाद उसी साल्ट की जेनेरिक दवाई अनेक नामों से आने लगी । उनमें भी भाव 690 के लगभग ही लिखा होता है , अब अलग-अलग विक्रेता उसे 230 से लेकर 350 तक बेचते है । यह लेखक का स्वयं का अनुभव है । यही नहीं 20 रुपये की दवा की कीमत भी 80 रूपया लिखा होता है। यह तो 1 -2 अनुभव लिखे है पर ऐसे कई केस पता करने में पता करने पर पाया कि जेनेरिक दवाओं के प्रिंट रेट यानी इन दवाओं पर छपने वाली कीमत पर कोई नियंत्रण नहीं है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के जरिये देश के सभी तबकों के नागरिकों के लिए समुचित चिकित्सा की उपलब्धता सुनिश्चित करने का इरादा केंद्र सरकार पहले ही जता चुकी है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जनसंवाद कार्यक्रम 'मन की बात' में जेनेरिक दवाओं के संबंध में कुछ बातें कही थीं। अब उन्होंने एक अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर इस संबंध में कानून लाने का संकेत दिया है। उन्होंने कहा, 'डॉक्टर उपचार के दौरान इस तरह से पर्चे पर लिखते हैं कि गरीब लोग उनकी लिखावट को नहीं समझ पाते हैं और फिर लोगों को निजी स्टोर से अधिक कीमत पर दवाएं खरीदनी पड़ती हैं। हम एक ऐसा कानूनी ढांचा लाएंगे जिसके तहत अगर कोई डॉक्टर पर्चा लिखता है, तो उसे ऐसे लिखना होगा कि मरीज जेनेरिक दवाएं खरीद सकें और उन्हें कोई अन्य दवा न खरीदनी पड़े।' पर देखा गया है कि ऐसा होता नहीं है .

सरकार मरीजों को सस्ती दवाएं उपलब्ध करवाने के लिए कानून में संशोधन करके डॉक्टर्स को मरीजों के लिए सिर्फ जेनेरिक दवा लिखना चाहिए न कि किसी विशेष ब्रांड या कंपनी की। इसके बाद भी मरीजों को सस्ती दवाएं मिलने लगेंगी, इसकी कोई गारंटी नहीं है, क्योंकि जेनेरिक दवाओं के प्रिंट रेट यानी इन दवाओं पर छपने वाली कीमत पर कोई नियंत्रण नहीं है। आईएमए के सदस्य और मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर डॉक्टर हेमंत जैन ने भास्कर बताते है कि ब्रांडेड मेडिसिन पर फार्मासिस्ट को 5 से 20 प्रतिशत तक कमीशन मिलता है, पर जेनेरिक मेडिसिन की प्रिंट रेट और रीटेलर की खरीद कीमत में 50 गुना से 350 गुना तक का अंतर होता है। 10 पैसे की बी कॉम्प्लेक्स 35 रुपए तक में बिकती है। इसका आम जनता या मरीजों को उतना फायदा नहीं मिलता, जितना मिलना चाहिए। ऐसे में सरकार को जेनेरिक मेडिसिन के प्रिंट रेट पर भी लगाम लगाने की जरूरत है, वरना जनता को कोई फायदा नहीं होने वाला। आम तौर पर सभी दवाएं एक तरह का केमिकल सॉल्ट' होती हैं। इन्हें शोध के बाद अलग-अलग बीमारियों के लिए बनाया जाता है। जेनेरिक दवा जिस सॉल्ट से बनी होती है, उसी के नाम से जानी जाती है। जैसे- दर्द और बुखार में काम आने वाले पैरासिटामोल सॉल्ट को कोई कंपनी इसी नाम से बेचे तो उसे जेनेरिक दवा कहेंगे। वहीं, जब इसे किसी ब्रांड जैसे- क्रोसिन के नाम से बेचा जाता है तो यह उस कंपनी की ब्रांडेड दवा कहलाती है। चौंकाने वाली बात यह है कि सर्दी-खांसी, बुखार और बदन दर्द जैसी रोजमर्रा की तकलीफों के लिए जेनरिक दवा महज 10 पैसे से लेकर डेढ़ रुपए प्रति टैबलेट तक में उपलब्ध है। ब्रांडेड में यही दवा डेढ़ रुपए से लेकर 35 रुपए तक पहुंच जाती है। खबर है कि सरकार की तरफ से अधिकारियों को इस संबंध में कानून बनाने के लिए कहा गया है। हालांकि प्रस्तावित कानून कैसा होगा और कब इसका मसौदा सामने आएगा, यह अभी साफ नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि प्रस्तावित कानून में जेनेरिक दवाएं न लिखने वाले डॉक्टरों पर सख्ती के प्रावधान किए जाएंगे। बहरहाल, इतना तो तय है कि सरकार जेनेरिक दवाओं का चलन बढ़ाने और महंगी दवाओं के जरिये अनुचित लाभ कमाने वाले डॉक्टरों, दवा-कंपनियों और विक्रेताओं पर लगाम लगाने के लिए कमर कस रही है।

यहां यह समझना जरूरी है कि जेनेरिक दवा क्या होती है। दरअसल, कोई भी दवा कंपनी जब किसी दवा को बनाती है, तो उसका एक यौगिक (फार्मूला) होता है जिसका सर्वाधिकार बीस वर्ष तक उसी कंपनी के पास सुरक्षित रहता है। मतलब यह कि बीस वर्ष तक उस दवा को केवल वही कंपनी बना सकती है, जिसने उसके यौगिक की रचना की है। बीस वर्ष के बाद दवा के फार्मूले को सार्वजनिक कर दिया जाता है और तब उसके अनुसार कोई भी कंपनी उस दवा को बनाने के लिए स्वतंत्र होती है। सार्वजनिक फार्मूले के तहत बनने वाली दवा ही जेनेरिक दवा कहलाती है।

फार्मूला सार्वजनिक होने के कारण जेनेरिक दवाएं सस्ती होती हैं। जबकि जो फार्मूला सार्वजनिक नहीं होता, उससे निर्मित दवाएं केवल एक कंपनी द्वारा बनाए जाने के कारण, बाजारी प्रतिस्पर्धा के अभाव में, काफी महंगी मिलती हैं। उदाहरण के तौर पर, सामान्य बुखार के लिए प्रयुक्त होने वाली दवा पैरासिटामाल एक जेनेरिक दवा है, इस नाते बाजार में यह सब जगह इसी एक नाम से मिलती है और इसकी कीमत भी काफी कम होती है।

दिल टूटने से पहले दिल जोड़ने का नाम है सास-बहू का रिश्ता

कृति जैन

घर में सुख-शांति का सबसे बड़ा आधार सास-बहू का रिश्ता होता है। समय बदलने के साथ इस रिश्ते का स्वरूप भी बदल गया है। संयुक्त परिवारों में यह जिम्मेदारियों से चलता था, जबकि आज न्यूक्लियर फैमिली में भावनात्मक समझ इसकी सबसे बड़ी ताकत बन गई है। व्यस्त दिनचर्या, काम का दबाव और पीढ़ियों की अलग सोच ने इस रिश्ते को अधिक संवेदनशील बना दिया है। अब जरूरत एक-दूसरे को गलत साबित करने की नहीं, बल्कि "मैं" और "तुम" से आगे बढ़कर "हम" की भावना अपनाने की है। मनोविज्ञान भी मानता है कि साझेदारी की सोच रिश्तों में तनाव घटाती और अपनापन बढ़ाती है। इसलिए आज यह रिश्ता अधिकार से नहीं, सहयोग और समझदारी से मजबूत होता है।

रिश्तों में दूरी सोच के फर्क से नहीं, अपनी सोच को अंतिम सच मानने से पैदा होती है। सास अनुभव को सबसे बड़ा ज्ञान मानती हैं, जबकि बहू बदलते समय के साथ नए तरीकों को जरूरी समझती है। यही टकराव धीरे-धीरे अपनापन कम कर देता है। सच यह है कि हर पीढ़ी अपनी परिस्थितियों से सोच बनाती है। संघर्षों में जीने वाली सास अनुशासन और बचत को महत्व देंगी, जबकि स्वतंत्र माहौल में पली बहू आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देगी। जब दोनों यह समझ लेती हैं कि सामने वाला गलत नहीं, बल्कि अलग अनुभवों का परिणाम है, तभी रिश्ते में कठोरता की जगह संवेदनशीलता आती है। "हम" की भावना वहीं जन्म लेती है, जहां व्यक्ति अपने नजरिए से आगे बढ़कर दूसरे की परिस्थितियों को समझने लगता है। बदलते समय ने सास-बहू के रिश्ते की परिभाषा भी बदल दी है। अब सास केवल घर चलाने वाली मुखिया नहीं, बल्कि समझदार मार्गदर्शक की भूमिका में हैं, और बहू केवल जिम्मेदारियां निभाने वाली नहीं, बल्कि फैसलों की सहभागी भी है। ऐसे में आलोचना नहीं, सहयोग रिश्ते को मजबूत बनाता है। कामकाजी बहू जब घर और करियर के दबाव से जूझती है, तब सास का संवेदनशील सहयोग उसे घर से जोड़ता है। वहीं बहू का भी दायित्व है कि वह सास के अनुभवों को पुरानी सोच कहकर नजरअंदाज न करे। सच्चा सम्मान शब्दों से नहीं, व्यवहार से दिखाई देता है। छोटी-छोटी बातों में राय और महत्व देने से रिश्तों में विश्वास बना रहता है। आखिर अपनापन अधिकार से नहीं, आपसी सम्मान से जन्म लेता है। किसी भी रिश्ते की असली गहराई बड़े शब्दों से नहीं, बल्कि रोज के छोटे व्यवहारों से बनती है। सास-बहू के बीच भी अपनापन तब बढ़ता है, जब बातचीत में शिकायत नहीं, संवेदनशीलता हो।

दिन में कुछ मिनट केवल सहज संवाद करना मन की दूरियां कम करता है। एक-दूसरे से सीखने की आदत—सास का नई सोच अपनाना और बहू का अनुभवों को सम्मान देना—रिश्ते में बराबरी और विश्वास लाती है। बिना आलोचना साथ समय बिताना तनाव घटाता है, जबकि स्पष्ट सीमाएं रिश्तों को उलझने से बचाती हैं। सबसे सुंदर बात यह है कि जो घर छोटी-छोटी खुशियां साथ जीना सीख लेते हैं, वहां रिश्तों में अपनापन धीरे-धीरे गहरा और स्थायी बन जाता है। रिश्तों में दूरी अक्सर हालात नहीं, शब्द पैदा करते हैं। भाषा केवल बातचीत नहीं, बल्कि सोच और व्यवहार भी तय करती है। "तुम कभी नहीं समझोगी" जैसे वाक्य मन में कड़वाहट भरते हैं, जबकि

हादसे कैसे कैसे

डॉ टी महादेव राव

किसी स्थान के लिए नेता चाहे सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का किसी दुर्घटना से कम नहीं होता। वैसे भी आजकल राजनीति और आदमी का एक-दूसरे में आत्मसात होना दुर्घटना से कम नहीं।

नेता नामक दुर्घटना के साथ किसी अन्य नेता का टकराना निश्चय ही दुर्घटना होती, किन्तु किसी अदने से बस चालक का हमारे शहर जैसे अति प्रगतिशील औद्योगिक नगरी के संकीर्ण सड़क के किनारे रोकी गयी नेतायी गाड़ी के पीछे खड़े नेता को ठोकर मार देना निश्चय ही बस चालक के जीवन के लिए अजीबोगरीब दुखद दुर्घटना है। नेताजी का गंभीर रूप से घायल होना राजनीतिक दुर्घटना हुई। इस सारी दुर्घटना की जिम्मेदारी वे सत्ता पक्ष पर थोपेंगे। कारण स्पष्ट है कि जो भी शासकीय संस्थाएं हैं, वे सत्ता पक्ष की ही तो कहलाएंगी, साथ ही उसका अदना सा बस चालक भी। इस राजनीतिक दुर्घटना के बाद दुर्घटना यह कि चालक की निर्ममता से पक्ष, विपक्ष तथा अपक्ष (जो किसी भी पार्टी के नहीं हैं – अपक्ष) द्वारा पिटाई, बाद में थाने का घेराव यानी की दुर्घटना यदि एक हो तो तमाम संभावित दुर्घटनाओं का साम्य जुड़ जाता है उसके साथ। यह तो हुई एक जान-माने नेता के साथ बस चालक की दुर्घटना जिससे बेचारे चालक का ही अधिक नुकसान हुआ कहना होगा, क्योंकि नेताजी पैरों की हड्डियां तुड़वाकर सहानुभूति के बल पर और अधिक वोट बटोरेंगे। बाद में पूछना ही क्या? आम आदमी के जीवन की त्रासद दुर्घटना यह कि वह ऐसी संवेदनाओं से टकराकर, वोट देकर पांच वर्ष के लिए बुरी तरह घायल हो जाता है।

इसी संदर्भ में एक वरिष्ठ पत्रकार से मैंने पूछा – ''आम आदमी जब दुर्घटनाओं में मरते हैं तो आप चंद सतरें छापते हैं और उस आदमी का नाम तक नहीं छापते ऐसा क्यों?'' उन्होंने कहा- ''अजी! हम तो शेक्सपीयर का यह कथन मानते हैं, नाम में क्या रखा है, जिसे हम गुलाब कहते हैं वह किसी और नाम से भी वैसी ही सुगंध देगा''

मैंने तुरंत सवाल दागा-''तो भई जब कोई नेता या सेठ घायल हो जाता है तो आप दुर्घटना विशेषांक कैसे छाप देते हैं?'' उनका कथन था- ''पता नहीं आप कैसे इक्कीसवीं सदी में हैं -इतना भी नहीं समझते। भाई साहब! क्या जाने कब कौन नेता, कोई सेठ इस स्थान, प्रदेश, देश का शक्तिशाली पद पा जाए कुछ से कुछ हो जाए, कौन जानता है। इसी संदर्भ के लिए ही तो नेपोलियन ने कहा – असंभव नाम की चीज ही नहीं है।''

मैं उनकी सूक्तियां अधिक न झेल सका, लौट आया।

बस, ट्रेन, ट्रक, साइकिल, स्कूटर आदि की दुर्घटनाओं के लिये छोटा मोटा बक्सा छपता है जबकि विमान दुर्घटना होने पर विशेष समाचार। कारण स्पष्ट है कि विमान का किराया अन्य वाहनों की अपेक्षा अधिक है।

जितना व्यय करेंगे उतना ही प्रचार पायेंगे - यही नीति दुर्घटनाओं के संदर्भ में लागू होती है। कई प्रकार की दुर्घटनाएं होती हैं – किसी बड़े साहित्यकार की किसी बड़े साहित्यकार द्वारा खिचाई कर दी जाए एक साहित्यिक दुर्घटना हुई। बीच सड़क में सांडों की तरह नगर के दो कुप्रसिद्ध गुंडे भिड़ पड़े और जनता इस मनोरंजन कर मुक्त युद्ध को देखें तो यह असमाजिक दुर्घटना है।

शहर के बड़े नेता का बड़े से होटल में बड़े क्लास की कालगर्ल से प्रेमरत स्थिति में रंगे हाथों पकड़ना, फिर प्रेस बयान देना राजनीतिक दुर्घटना होगी।

अब सिलसिले बार मानव जीवन की दुर्घटनाओं पर गौर करें। मेरा तो आशय (सदाशय ही) यह है कि व्यक्ति का जन्म लेना संसार के लिए किसी दुर्घटना से कम नहीं होता और- उसके बाद तो बस - किसी हाई एप्रोच वाले निर्माता निदेशक के सीरियल की तरह जीवन के दूरदर्शन पर दुर्घटना श्रृंखला दिखाई जाने लगती है। किसी अविवाहिता से टकरायें तो जीवन की सबसे बड़ी दुर्घटना की संभावनाएं बढ़ जाती हैं।

अमरनाथ पर जा रहे हैं तो बाबा बर्फानी के साथ पार्वती पीठ के दर्शन भी जरूर करें

अमरनाथ यात्रा का आरंभ जल ही होने वाला है। अमरनाथ यात्रा के लिए हर साल बड़ी मात्रा में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मान्यता है कि इसी स्थान पर भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरता का रहस्य सुनाया था। यहां हर साल बाबा बर्फानी के दर्शन होते हैं लेकिन, कई लोग नहीं जानते हैं कि यह पर पार्वती पीठ भी है। जानें पार्वती पीठ का रहस्य।

अमरनाथ जहां भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरता का रहस्य सुनाया था। शास्त्रों में कहा गया है कि अमरनाथ की यात्रा करने से व्यक्ति को 23 तीर्थ में दर्शन करने का फल प्राप्त होता है। हालांकि, अमरनाथ की यात्रा आसान नहीं है यह अनुशासन और धैर्य का संगम है। हर साल हजारों की संख्या में श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन करने के लिए अमरनाथ जाते हैं। लेकिन, अमरनाथ में ही पार्वती पीठ भी स्थित है। जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं यहां दर्शन करने से भगवान शिव के साथ साथ माता पार्वती के दर्शन भी होते हैं। आइए जानते हैं अमरनाथ गुफा में स्थित पार्वती पीठ। अगर आप भी अमरनाथ यात्रा पर जा रहे हैं तो पार्वती पीठ के दर्शन भी जरुर करें।

क्या है पार्वती पीठ

अमरनाथ की गुफा में प्राकृतिक रुप से बर्फ का शिवलिंग बनता है। अमरनाथ में स्थित पार्वती पीठ से आज भी लोग अनभिज्ञ है। यह 51 शक्तिपीठों में से एक है। ऐसा कहा जाता है कि जहां पार्वती पीठ है वहीं पर भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरता की कथा सुनाई थी। पार्वती पीठ को लेकर एक अन्य मान्यता यह कहती है कि यहां माता सती का सिर गिरा था। जब माता सती ने अपना देह त्याग दिया था, तब भगवान शिव उनका शव लेकर कैलाश पहुंच गए और वियोग में डूबकर तांडव करने लगे। तब भगवान विष्णु ने अपने चक्र से माता सती के देह के टुकड़े कर दिए जहां जहां माता सती के शरीर के अंग गिरे वहां वहां 51 शक्तिपीठ बन गए। ऐसा कहा जाता है कि पार्वती पीठ पर माता सती का सिर गिरा था। जबकि एक कथा में बताया गया है कि यहां भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरता का रहस्य सुनाया था। माता पार्वती के साथ एक तोते और दो कबूतर ने भी यह रहस्य सुना था। बाद में तोता ऋषि शुक्रदेव बनकर अमर हो गए। साथ ही कबूतरों को जोड़ा भी अमर हो गया। कहा जाता है कि आज भी अमरनाथ की गुफा में यह दोनों कबूतर दिखाई देते हैं। अगर आप भी अमरनाथ के दर्शन के लिए जा रहे हैं तो पार्वती पीठ से दर्शन भी जरुर करके आएं।

अमरनाथ कैसे पहुंचे

अमरनाथ यात्रा की शुरुआत करने के लिए आपको सबसे पहले पहलगाम या बालटाल पहुंचना पड़ता है। यहां तक आप किसी भी वाहन से पहुंच सकते हैं। यहां पहुंचने पर अमरनाथ गुफा के लिए दो रास्ते निकलते हैं। पहलगाम से अमरनाथ की यात्रा 48 किलोमीटर की है और बालटाल से 14 किलोमीटर की है। हालांकि, बालटाल से गुफा तक पहुंचने के लिए भले ही कम चलना पड़ता हो लेकिन, यह रास्ता काफी कठिन है। इसलिए इस रास्ते से ज्यादा बुजुर्ग और बीमार लोग नहीं जा पाते हैं।

पहलगाम से अमरनाथ तक पहुंचने के लिए करीब 3 दिन लगते हैं। हालांकि, यह रास्ता ज्यादा कठिन नहीं है। पहलगाम से यात्रा आरंभ होने पर सबसे पहला पड़ाव चंदनवाड़ी आता है। यह पहलगाम से करीब 16 किलोमीटर है। यहां तक रास्ता लगभग सपाट ही है। इससे आगे चढ़ाई शुरू होती है।

इसके बाद अगले स्टॉप करीब 3 किलोमीटर आगे है पिस्सू टॉप। फिर तीसरा पड़ाव शेषनाग है जो पिस्सू टॉप से करीब 9 किलोमीटर दूर है। इसके बाद 14 किलोमीटर आगे पंचतरणी है। पंचतरणी से अमरनाथ की गुफा बहुत कम दूर रह जाती है। यहां के अमरनाथ की पवित्र गुफा महज 6 किलोमीटर दूर रह जाता है। इसके बाद आपको पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन होते हैं।

अधिक मास जानें क्या है इसकी विशेषता

अधिक ज्येष्ठ मास
आरंभ: 17 मई 2026
समाप्ति: 15 जून 2026
सामान्य ज्येष्ठ मास
आरंभ: 22 मई 2026
समाप्ति: 29 जून 2026
यानी इस अवधि में दोनों महीने एक-दूसरे के साथ ओवरलैप भी करेंगे।

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार साल में आने वाले हर मास का अपना अधिक महत्व है। इन्हीं में से एक है अधिक मास। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अधिक मास को मलमास तथा पुरुषोत्तम मास के नाम से भी जाना जाता है। इस मास में भी विभिन्न प्रकार के शुभ कार्य करने वर्जित होते हैं। लेकिन क्यों अधिक मास को शुभ नहीं माना जाता? तथा क्यों इस दौरान शुभ कार्य नहीं किए जाते? इस संदर्भ में जानकारी बहुत कम लोग जानते हैं। तो चलिए हम आपको बताते हैं इससे जुड़ी पौराणिक कथा क्या है, इस दौरान किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, साथ ही साथ जानेंगे कि अशुभ कहा जाने वाले इस मास में कौन से ऐसे शुभ मुहूर्त आएंगे जिस दौरान आप शुभ कार्य कर पाएंगे।

सबसे पहले बता दें कि इस मास में भगवान श्री हरि विष्णु की पूजा करना अत्यंत लाभकारी होता है। इस दौरान स्नान, पूजन, अनुष्ठान और दान आदि करने से जातक के जीवन में से हर प्रकार के कष्ट दूर हो जाते हैं। इससे जुड़ी कथाओं की बात करें तो, कहा जाता है कि अधिक मास को जब मलमास पुकारा जाने लगा तो अधिक मास इस बात से नाराज होकर भगवान विष्णु की शरण में चले गए, रकहने लगे अधिक मास का कोई स्वामी नहीं है जिस कारण इसे मलमास कहा जाने लगा, जिससे मैं अधिक दुखी व परेशान हूं।

कथाओं के अनुसार अधिक मास की ये परेशानी सुनने के बाद श्री हरि स्वयं उनके स्वामी बन गए, इतना ही नहीं इसें अपना पुरुषोत्तम मास भी प्रदान किया। साथ ही साथ वरदान दिया, जो भी जातक इस विशेष मास में मेरी उपासना-आराधना करेगा, उस पर मेरी कृपा अवश्य बरसेगी। बताया जाता है इसके बाद से ही अधिक मास को पुरुषोत्तम मास कहा जाने लगा।

पूरे महीने में कई शुभ योग और मुहूर्त ऐसे बन रहे हैं, जब कोई खरीदी या विशेष कार्य किए जा सकते हैं। अधिक मास में विवाह, यज्ञोपवित, सकाम यज्ञ, देव प्रष्ठिादि शुभ कर्म निषेध है। लेकिन इस माह में कोई भी सुख सुविधा वाली वस्तु खरीदने की कोई मनाही नहीं है। इस माह में विवाह तय करना, सगाई करना, कोई जमीन, मकान, भूमि, भवन आदि को खरीदने के लिए अनुबंध किया जा सकता है या। यहां तक कि व्यापार के लिए भविष्य का कोई सौदा करना हो तो वह भी कर सकते हैं।

अलमारी के ऊपर रखी ये चीजें बिगाड़ सकती हैं घर का वास्तु

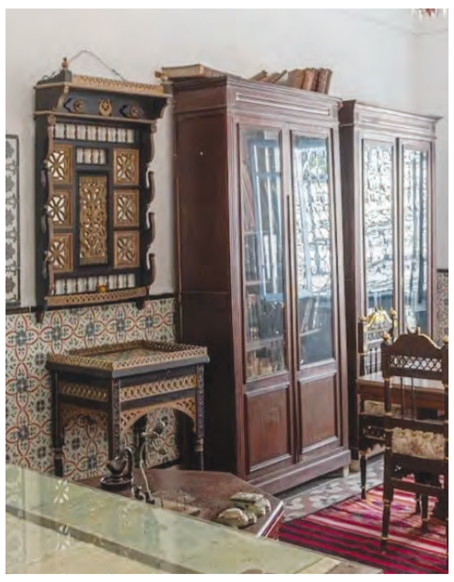

वास्तु में अलमारी के ऊपर रखे सामान को घर की ऊर्जा से जोड़कर देखा जाता है। कुछ चीजें ऐसी होती हैं, जिन्हें अलमारी पर रखने से नकारात्मकता और धन संबंधी परेशानियां शुरू हो सकती हैं। जानिए अलमारी पर कौन-सी चीजें नहीं रखनी चाहिए और रखना जरूर है तो क्या उपाय अपनाने चाहिए।

घर को व्यवस्थित रखने के लिए लोग अक्सर अलमारी के ऊपर कई चीजें रख देते हैं। वास्तु के अनुसार यह आदत घर की ऊर्जा और आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक असर डाल सकती है। माना जाता है कि अलमारी के ऊपर रखा कबाड़ मानसिक तनाव, करियर में रुकावट और पैसों की तंगी की वजह बन सकता है। ऐसे में जरूरी है कि समय रहते कुछ चीजों को वहां से हटा दिया जाए। इन्हीं चीजों के बारे में आपको बताने रहे हैं।

भारी सामान बढ़ा सकता है तनाव

वास्तु मान्यताओं के अनुसार अलमारी के ऊपर जरूरत से ज्यादा भारी या बिखरा सामान रखना मानसिक दबाव का कारण बन सकता है। इससे घर के लोगों में चिड़चिड़ापन, थकान और तनाव बढ़ने की संभावना रहती है। कई बार यह स्थिति निर्णय लेने की क्षमता और कामकाज पर भी असर डालती है।

धूल और जाले माने जाते हैं अशुभ

अगर अलमारी के ऊपर लंबे समय तक धूल, मकड़ी के जाले या खाली बॉक्स जमा रहते हैं, तो इसे नकारात्मक ऊर्जा का संकेत माना जाता है। वास्तु के अनुसार इससे घर का माहौल प्रभावित हो सकता है और परिवार में बेवजह तनाव की स्थिति बनने लगती है।

दिशा का रखें खास ध्यान

वास्तु में दिशाओं को बहुत महत्व दिया गया है। दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखी अलमारी पर सीमित सामान रखा जा सकता है, लेकिन उसे व्यवस्थित रखना जरूरी माना जाता है। वहीं, उत्तर-पूर्व दिशा को बेहद शुभ माना गया है, इसलिए इस दिशा की अलमारी के ऊपर ज्यादा सामान रखने से बचना चाहिए।

पुराने सामान तुरंत हटाएं

पुराने अखबार, खराब घड़ी, बंद इलेक्ट्रॉनिक्स या टूटे सामान अलमारी के ऊपर रखना शुभ नहीं माना जाता। माना जाता है कि इससे करियर में रुकावट और आर्थिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। वहीं, पुराने जूते-चप्पल या टूटी क्रॉकरी घर की सुख-शांति पर भी असर डाल सकती है।

अपनाएं ये आसान उपाय

अगर जगह की कमी की वजह से सामान रखना जरूरी हो, तो उसे ढके हुए बॉक्स या जूट बैग में रखें। अलमारी के ऊपर नियमित सफाई करें और वहां हल्की सुगंध या मोर पंख रखें। इन उपायों को करने से घर में सकारात्मकता बनी रहते है।

आदत है बदल डालो: बिस्तर पर खाना खाने की

वास्तु अनुसार, घर का हर स्थान किसी विशेष ऊर्जा से जुड़ा होता है। बिस्तर को आराम, नींद और मानसिक शांति का स्थान माना गया है, जबकि भोजन करने के लिए अलग जगह निर्धारित की जाती है। खाना और आराम, ये दोनों क्रियाएं एक जगह करना गलत माना गया है। जब व्यक्ति बिस्तर पर बैठकर खाना खाता है तो इन दोनों ऊर्जाओं का संतुलन बिगड़ने लगता है, जिससे घर का वातावरण प्रभावित हो सकता है।

ज्योतिष में क्यों माना गया अशुभ?

ज्योतिष शास्त्र में कहा गया है कि भोजन केवल भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि ऊर्जा प्राप्त करने की प्रक्रिया भी है। इसलिए भोजन हमेशा साफ और सकारात्मक माहौल में करना चाहिए। मान्यता है कि लगातार बिस्तर पर खाना खाने से चंद्रमा और शुक्र ग्रह कमजोर हो सकते हैं। ये ग्रह मानसिक शांति, सुख और रिश्तों के संतुलन से जुड़े माने जाते हैं।

तनाव और आलस्य

वहीं, ज्योतिषाचार्यों की माने तो जो लोग रोज बिस्तर पर बैठकर भोजन करते हैं, उनमें आलस्य और मानसिक भ्रम बढ़ सकता है। खासकर खाना खाते समय मोबाइल या टीवी का ज्यादा इस्तेमाल किया जाए तो इसका असर व्यक्ति की एकाग्रता और मानसिक ऊर्जा पर पड़ता है। इससे नींद की समस्या और चिड़चिड़ापन भी बढ़ता है।

पंडित मदन मोहन मालवीय के त्याग की ऐसी मिसाल जिससे राजा के जीवन में आया सकारात्मक मोड़

पंडित मदन मोहन मालवीय ने जब अपनी कॉलेज की शिक्षा पूरी की थी तब उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी लेकिन उनकी प्रतिभा और विद्वता की चर्चा चारों तरफ थी। उस समय 'कालाकांकर' के राजा रामपाल सिंह को अपने समाचारपत्र के लिए एक योग्य संपादक की जरूरत थी और उन्होंने पंडित मालवीय के बारे में बहुत कुछ सुन रखा था।

राजा ने उन्हें बुलवाकर संपादक पद पर नौकरी करने के लिए पूछा और करीब 250 रुपए मासिक वेतन का प्रस्ताव रखा। पंडित मालवीय ने अपनी आर्थिक स्थिति को देखते हुए राजा के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया परंतु उन्होंने एक शर्त रखी कि वह सम्पादन का काम तो करेंगे लेकिन राजा रामपाल सिंह जब शराब के नशे में हों तो उनके करीब न आएं। राजा ने हामी तो भर दी लेकिन एक बार वह शर्त को भूल गए और नशे में पंडित मालवीय के पास चले गए। पंडित जी ने नाराज होकर अपना त्यागपत्र दे दिया। राजा को अपनी गलती का अहसास हुआ और उनसे क्षमा भी मांगी परंतु फिर भी वह नहीं माने। इस घटना का राजा पर इतना असर पड़ा कि उन्होंने नशे की लत को छोड़ दिया। कहा जाता है कि पंडित मालवीय को कोई आर्थिक नुकसान न हो, इसीलिए वेतन के बराबर राशि राजा उन्हें वकालत की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति के रूप में देने लगे।

रहस्यों की दुनिया में बावा लाल दयाल का अद्भुत आध्यात्मिक सफर

भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के अनेक देशों में फैले करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र सतगुरु बावा लाल दयाल एक ऐसे दिव्य संत थे, जिनका जीवन स्वयं साधना, तप और आत्मिक ज्ञान का जीवंत उदाहरण है। सन् 1355 ईस्वी में माघ मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को लाहौर के समीप कसूर कस्बे में पटवारी भोलामल के घर जन्मे बावा लाल दयाल बचपन से ही विलक्षण प्रतिभा और आध्यात्मिक तेज के धनी थे। बाल अवस्था में ही उनके मुखमंडल पर झलकती दिव्यता और व्यवहार की गंभीरता ने माता-पिता को चकित कर दिया। एक प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य ने यह भविष्यवाणी की कि यह बालक स्वयं तो मोक्ष की प्राप्ति करेगा ही, साथ ही अनगिनत आत्माओं को भी मुक्ति का मार्ग दिखाएगा। आगे चलकर समय ने इस भविष्यवाणी को अक्षरशः सत्य सिद्ध कर दिया।

बालक लाल ने प्रारंभिक आयु में ही शास्त्रों का गहन अध्ययन किया तथा अपने गुरु चैतन्य देव से अनेक योग सिद्धियां प्राप्त कीं। आध्यात्मिक संस्कार उन्हें अपनी माता श्रीमती कृष्णा देवी से मिले। विद्या, तप और योगबल के कारण वह आगे चलकर परम सिद्ध, योगीराज, ज्ञानी और परमहंस जैसी उपाधियों से विभूषित हुए। मान्यता है कि बावा लाल दयाल ने योग साधना के प्रभाव से लगभग तीन सौ वर्षों का दीर्घ जीवन प्राप्त किया तथा प्रत्येक सौ वर्ष के अंतराल पर पुनः बाल रूप धारण किया। इतिहास के पन्नों में भी उनका उल्लेख मिलता है। मुगल शासक शाहजहां के पुत्र दारा शिकोह बावा लाल दयाल की विद्वता, दिव्य दृष्टि और तेजस्वी व्यक्तित्व से अत्यंत प्रभावित हुए। दोनों के बीच हुए आध्यात्मिक संवादों का उल्लेख कई ऐतिहासिक ग्रंथों में मिलता है। कहा जाता है कि इन गुणों से अभिभूत होकर दारा शिकोह स्वयं उनके शिष्य बन गए। बाल्यकाल में एक घटना ने उनके जीवन की दिशा ही बदल दी। गौएं चराते समय महात्माओं के एक दल से उनका साक्षात्कार हुआ। दल के प्रमुख संत अपने पैरों को ही चूल्हा बनाकर उस पर चावल पका रहे थे।

इस अद्भुत दृश्य को देख बालक लाल ने चरण वंदना की। संत ने उन्हें तीन दाने प्रसाद स्वरूप दिए। जैसे ही उन्होंने प्रसाद ग्रहण किया, उनके अंतःकरण में दिव्य प्रकाश का संचार हुआ और सांसारिक मोह-माया के बंधन टूट गए। बावा लाल दयाल को गुरमुखी, फारसी और संस्कृत सहित अनेक भाषाओं का ज्ञान था। वेद, उपनिषद् और रामायण जैसे ग्रंथ उनके कंठस्थ थे। उनकी विद्वता और आध्यात्मिक अनुभूति से जो भी संपर्क में आता, प्रभावित हुए बिना नहीं रहता।

उन्होंने भारतवर्ष के अनेक तीर्थ स्थलों की यात्रा की तथा हरिद्वार, केदारनाथ जैसे पवित्र धामों में कठोर तपस्या की। इसके अतिरिक्त अफगानिस्तान, खाड़ी देशों और अन्य क्षेत्रों में भी उन्होंने आध्यात्मिक यात्राएं कीं। भ्रमण के दौरान जब वह पंजाब के गुरदासपुर जिले के कलानौर पहुंचे, तो वहां बहती नदी के तट पर साधना में लीन हो गए। यहीं उन्होंने अपने शरीर का कायाकल्प कर पुनः सोलह वर्ष का स्वरूप धारण किया।

यह क्षेत्र उनके मन को अत्यंत प्रिय लगा। उन्होंने अपने शिष्य ध्यानदास को ऐसे शांत स्थल की खोज में भेजा, जहां साधना के साथ स्थायी डेरा स्थापित किया जा सके। वह निकटवर्ती टीले पर उन्हें ले गए जो बावा लाल दयाल को इतना प्रिय लगा कि बाद में वही ध्यानपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। यहीं उन्होंने अपना स्थायी धाम बनाया। विक्रमी स वत् 1712 में सतगुरु बावा लाल दयाल इसी ध्यानपुर धाम में ब्रह्मलीन हुए, जहां आज भी उनकी समाधि श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है।

विवाह और दाम्पत्य में अंतर है विवाह देह है, दाम्पत्य आत्मा है

इस समय लगभग हर क्षेत्र युद्धग्रस्त है। ट्रेड वॉर, टेक वॉर, लैंड वॉर, थॉट वॉर, जेनरेशन वॉर और सबसे खतरनाक फैमिली वॉर। हमारा विषय परिवार है। परिवार में भी युद्ध की स्थितियां बनती जा रही हैं। लोगों ने रिश्तों को हथियार बना लिया है। डिजिटल मीडिया ने भी परिवार के प्रेम पर आक्रमण किया है। ये इन्फ्लुएंसर्स का जमाना है। उन्होंने सिखाया कि डिजिटल बाजार से पैसा कैसे कमाया जाता है। अब परिवार बचाने के लिए भी हमें इन्फ्लुएंसर्स की मदद लेनी चाहिए। देश में इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग 2200 करोड़ रुपए के लगभग हो चुकी है। तो क्यों ना हम इन्फ्लुएंसर्स से मदद मांगें कि भारत के परिवार बचने चाहिए, इसकी प्रेरणा की भी वो मार्केटिंग करें।

विवाह को तो प्रोडक्ट बना ही दिया है। दीवाने हो गए लोग शादियों के आयोजन में, लेकिन दाम्पत्य को लेकर गम्भीर नहीं हैं। विवाह और दाम्पत्य में अंतर है। विवाह देह है और दाम्पत्य आत्मा है। इन्फ्लुएंसर्स यदि दाम्पत्य की जबर्दस्त मार्केटिंग कर दें तो परिवारों के ऊपर बड़ा उपकार होगा।

'मैं एक्टिंग नहीं करूंगा', केनिशा से बिछड़ने के बाद बुरी तरह टूटे रवि मोहन; पत्नी के परिवार पर लगाए गंभीर आरोप

तमिल एक्टर रवि मोहन अपनी फिल्मों की बजाय इन दिनों निजी जीवन को लेकर चर्चा में हैं। पत्नी से तलाक का मामला कोर्ट में हैं। इसी बीच उनकी जिंदगी से कथित गर्लफ्रेंड केनिशा भी दूर चली गई हैं। हाल ही में रवि मोहन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें वह बुरी तरह से रोते हुए दिखे। वह अपना दुख साझा करते नजर आए।

चुप रहना मेरी सबसे बड़ी गलती थी

मीडिया से बात करते हुए वह काफी भावुक नजर आए। रवि मोहन ने साफ कहा कि जब तक उनका तलाक फाइनल नहीं होता, वह फिल्मों में काम नहीं करेंगे और न ही उनकी कोई फिल्म थिएटर में रिलीज होगी।

उन्होंने कहा, 'इतने समय तक चुप रहना मेरी सबसे बड़ी गलती थी। अब मैं और चुप नहीं रह सकता। जब तक मुझे तलाक नहीं मिलता, मैं एक्टिंग नहीं करूंगा।'

रवि मोहन व केनिशा फ्रांसिस

मानसिक रूप से काफी परेशान हैं रवि

रवि ने यह भी कहा कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में 20 साल से ज्यादा मेहनत की है और कई बार परिवार के लिए बहुत कुछ सहा है। उनका कहना था कि काफी समय तक वह चुप रहे और अब उन्हें इसका अफसोस है।

उन्होंने अपने परिवार और निजी जिंदगी को लेकर भी कई गंभीर आरोप लगाए। रवि ने दावा किया कि उन्हें अपने बच्चों से मिलने नहीं दिया जा रहा और वह मानसिक रूप से काफी परेशान हैं।

पत्नी पर लगाए गंभीर आरोप

इसके अलावा उन्होंने अपनी पत्नी आरती रवि पर भी कई आरोप लगाए और कहा कि उनकी शादी के पीछे दबाव जैसी बातें रही हैं। इसी बीच सिंगर केनिशा फ्रांसिस को लेकर भी उन्होंने अपनी बात रखी और कहा कि उन्हें सोशल मीडिया और साइबर बुलिंग की वजह से परेशान किया गया।

इधर, केनीशा ने भी हाल ही में सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा कि वह इस कहानी से आगे बढ़ रही हैं और अब किसी भी तरह की लड़ाई का हिस्सा नहीं बनना चाहतीं। उन्होंने यह भी कहा कि वह चेन्नई छोड़ चुकी हैं और म्यूजिक इंडस्ट्री से भी दूरी बना रही हैं।

कान फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर अदिति राव ने बिखेरा बोल्डनेस का जादू

अदिति राव हैदरी 79वें कान फिल्म महोत्सव में शिरकत करने पहुंची हैं। फेस्टिवल के पहले दिन वे ट्रेडिशनल लुक में नजर आईं। साड़ी में उनका खूबसूरत अंदाज देख सभी दीवाने हो गए। दूसरे दिन उन्होंने रेड कार्पेट पर उपस्थिति दर्ज कराई। वे वन शोल्डर थाई हाई स्लिट गाउन में नजर आईं।

अदिति नियॉन मेटैलिक ग्रीन गाउन में दिखीं। उन्होंने इसके साथ चोकर नेकलेस कैरी किया। अदिति का ग्लैमरस अंदाज सबको पसंद आया है। इस शाइनिंग गाउन में उन्होंने गोल्डन फुटवियर्स पेयर किए हैं। अदिति राव ने हेयरस्टाइल बनाने के बजाय ओपन हेयर रखे। उन्होंने मिनिमम मेकअप से लुक कंपलीट किया है। रेड कार्पेट पर अदिति ने स्टाइलिश पोज दिए, वे फ्लाइंग किस करती नजर आईं। ट्रेल गाउन ड्रेस में अदिति के इस लुक ने पुराने हॉलीवुड स्टाइल की याद दिला दी। एक्ट्रेस ने इसे मॉर्डन टच दिया है। नेटिजंस अदिति की फिटनेस और कर्वी फिगर की तारीफ कर रहे हैं।

अदिति राव हैदरी ने सोशल मीडिया पर अपना रेड कार्पेट लुक शेयर करते हुए लिखा है, 'कान स्टेट ऑफ माइंड! यहां आना सफल रहा'। अदिति के लुक पर नेटिजंस के पॉजिटिव रिएक्शंस आ रहे हैं, उनके ग्लैमर और स्टाइल की फैंस तारीफ कर रहे हैं।

क्या मुंबई इंडियंस के तिलक वर्मा को डेट कर रहीं श्रीलीला?

अभिनेत्री श्रीलाला इन दिनों कार्तिक आर्यन के साथ अपनी आगामी फिल्म की तैयारियों में व्यस्त हैं। मगर, फिलहाल वे अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। मुंबई इंडियंस टीम के क्रिकेटर के साथ उनका नाम जोड़ा जा रहा है। यूं तो पहले भी इन दोनों के अफेयर की अफवाहें आती रही हैं, मगर एक वायरल वीडियो के बाद एक बार फिर लोग अटकलें लगा रहे हैं।

अचानक क्यों शुरू हुई अफवाह?

श्रीलीला का नाम जिस क्रिकेटर से जोड़ा जा रहा है, वे हैं तिलक वर्मा। उनके और श्रीलीला के अफेयर की अफवाहें एक वायरल वीडियो से शुरू हुईं। हालांकि, इस वीडियो में श्रीलीला और तिलक वर्मा साथ नजर नहीं आए। श्रीलीला की तो वीडियो में झलक तक नहीं दिखी। वीडियो में सूर्य कुमार यादव हैं और गौतम गंभीर दिखे। मगर, सूर्यकुमार यादव ने कुछ ऐसा कहा, जिसके बाद अचानक श्रीलीला का नाम तिलक वर्मा के साथ जोड़ा जाने लगा।

क्या बोले सूर्यकुमार यादव?

इस वीडियो में सूर्यकुमार यादव कहते नजर आए, 'तिलक वर्मा प्यार में हैं'। यह वीडियो रेडिट पर एक यूजर ने शेयर किया। हालांकि, फिलहाल इस वीडियो को हटा दिया गया है। मगर, इस पर आए कमेंट्स अब तक हैं। कुछ यूजर्स इसे पीआर स्टंट बता रहे हैं।

वहीं, कुछ यूजर्स सुझाव दे रहे हैं कि श्रीलीला को पहले अपने करियर पर ध्यान देना चाहिए।

कार्तिक आर्यन और श्रीलीला की फिल्म

श्रीलीला को कार्तिक आर्यन के साथ एक रोमांटिक फिल्म में देखा जाएगा। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। इस रोमांटिक ड्रामा मूवी में श्रीलीला भी अहम रोल में हैं।

कान फिल्म फेस्टिवल में नए लुक पर ट्रोल हुईं उर्वशी रौतेला

क्या मॉडल गिगि हदीद को किया कॉपी?

उर्वशी रौतेला ने देर रात अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कान फिल्म फेस्टिवल से जुड़ा एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में वह आइवरी गोल्ड साड़ी पहने नजर आईं। साड़ी में उनकी खूबसूरती निखर कर सामने आई लेकिन इसी वजह से वह ट्रोल भी हुईं। दरअसल, कुछ सोशल मीडिया यूजर्स को लगता है कि उर्वशी ने इंटरनेशनल मॉडल गिगि हदीद का लुक कॉपी किया है। क्या सच में ऐसा है, जानिए?

कान फिल्म फेस्टिवल में शनिवार रात भारतीय पारंपरिक परिधान यानी साड़ी में उर्वशी रौतेला नजर आईं। वह आइवरी गोल्ड साड़ी में उर्वशी काफी खूबसूरत नजर आ रही थीं। पैपराजी को भी वह पोज देती नजर आईं। उर्वशी की साड़ी देखकर कुछ फैंस को लगा कि यह वही साड़ी है जो इंटरनेशनल मॉडल गिगि हदीद ने नीता मुकेश अंबानी के कल्चर सेंटर के एक इवेंट में पहनी थी। पहली नजर में उर्वशी और गिगि हदीद की साड़ी एक-जैसी लगती है लेकिन थोड़ा फर्क भी महसूस होता है।

कौन हैं सितारा घट्टामनेनी? सुपरस्टार की लाडली 11 साल की उम्र में कमाए करोड़ों

सितारा घट्टामनेनी अभी सिर्फ 13 साल की हैं, लेकिन दक्षिण भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों में वे पहले से ही बहुत लोकप्रिय हो चुकी हैं। अभिनय, डांस और सोशल कामों से वे अपनी अलग पहचान बना रही हैं। जानिए आखिरकार, कौन हैं सुपरस्टार की बेटी सितारा घट्टामनेनी?

साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर की बेटी सितारा घट्टमनेनी आए दिन सुर्खियों में रहती हैं. कभी उनका डांस वीडियो तो कभी फैमिली फोटो इंटरनेट पर छाई रहती है. महेश बाबू अपनी लाडली बेटी सितारा पर जान छिड़कते हैं. सितारा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और यहां आए दिन खुद से जोड़ी कोई ना कोई तस्वीर या वीडियोज शेयर करती रहती हैं. छोटी उम्र में भी सितारा के अंदर टैलेंट कूट-कूटकर भरा है. सितारा महेश बाबू की फिल्म 'सरकारू वारी पाटा' के साथ एक्टिंग की दुनिया में कदम रख चुकी हैं. फिल्म ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था. महेश बाबू और कीर्ति सुरेश की ये फिल्म ब्लॉकबस्टर हिट साबित हुई थी. सितारा ने अपना पहला ऐड शूट किया था जो एक ज्वेलरी ब्रांड का था. इसके लिए उन्हें भारी भरकम रकम दी गई थी.

सितारा ने अपनी पहली सैलेरी को दान में दे दिया था. लोग उनकी दरियादिली से काफी खुश थे महेश बाबू और नम्रता ने साल 2005 में शादी की थी. उनके दो बच्चे हैं, गौतम जिनका जन्म 2006 में हुआ और सितारा जो 2012 में जन्मी थीं. 13 साल की उम्र में ही सितारा खूब सुर्खियों में रहती हैं.

सलमान बोले- जिंदगी में किसी फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी

कहा- स्क्रिप्ट लिखी हैं, एक्टर ने 120 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने हाल ही में बताया कि उन्होंने आज तक कभी किसी फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। सलमान ने कहा, 'मैंने अपनी जिंदगी में कभी स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी। मैंने स्क्रिप्ट लिखी हैं, लेकिन पढ़ी नहीं हैं।' इंटरव्यू में सलमान ने अपनी लग्जरी घड़ियों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, 'आप मुझे महंगी घड़ियां पहने देखते हैं, इसका मतलब यह नहीं कि वो मेरी हैं।' उन्होंने मजाक में कहा कि कई घड़ियां उनके दोस्तों की होती हैं। बता तो ऐसी से बॉलीवुड डेब्यू किया था। हालांकि, इस फिल्म में उन्होंने सपोर्टिंग रोल निभाया था। बतौर लीड सलमान पहली बार 1989 में सूरज बड़जात्या की फिल्म मैंने प्यार किया में नजर आए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। इसके बाद वो साजन, हम आपके हैं कौन..!, करण अर्जुन और तेरे नाम जैसी हिट फिल्मों में नजर आए।

सलमान ने वॉन्टेड, सुल्तान और दबंग जैसी सुपरहिट फिल्में दी

दें कि सलमान ने अपने फिल्मी करियर में लीड रोल, सपोर्टिंग रोल और कैमियो मिलाकर कुल 120 से अधिक फिल्मों में काम किया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो सलमान जल्द ही फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' में नजर आएंगे। इस फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी होंगी। पहले इस फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवान' था। फिल्म की रिलीज डेट पहले 17 अप्रैल थी, जो टाल दी गई है और नई तारीख का अभी ऐलान नहीं हुआ है। वहीं, सलमान ने एक्ट्रेस नयनतारा के साथ अपनी दूसरी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका अस्थायी नाम SVC63 है।

रिपोर्ट के मुताबिक सलमान डायरेक्टर जोड़ी राज निदिमोरू और कृष्णा डी.के. के साथ एक सुपरहीरो एक्शन फिल्म में भी काम कर सकते हैं। ऐसी भी चर्चा है कि इस प्रोजेक्ट में वह करीना कपूर खान के साथ काम कर सकते हैं।

'बीबी हो तो ऐसी' से हुई थी सलमान के करियर की शुरुआत

सलमान ने 1988 में आई फिल्म बीवी हो

सलमान के करियर में ऐसे मौके भी आए, जब उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुईं। 2000 के दशक के मध्य में उनकी कई फिल्में (जैसे जान-ए-मन, फिर मिलेंगे, शादी करके फंस गया यार) बॉक्स ऑफिस पर फ्लाप रहीं। लेकिन एक्टर ने फिल्म वॉन्टेड से शानदार वापसी की थी। 2009 से लेकर 2016 तक उनकी ज्यादातर फिल्मों ने अच्छा कलेक्शन भी किया। जिसमें वॉन्टेड, दबंग, रेडी, दबंग 2, बजरंगी भाईजान और सुल्तान शामिल हैं। 2017 में सलमान की फिल्म 'ट्यूबलाइट' आई, जो कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। हालांकि, इसके बाद एक्टर 'टाइगर जिंदा है' में नजर आए, जिसने दुनिया भर में बॉक्स ऑफिस पर 565 करोड़ रुपए की कमाई की थी। वहीं, फिल्म 'टाइगर 3' ने दुनिया भर में कुल 464-466.63 करोड़ रुपए का लाइफटाइम वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन किया। हालांकि, उनकी आखिरी फिल्म सिकंदर उम्मीदों के हिसाब से प्रदर्शन नहीं कर पाई। 200 करोड़ रुपए के बजट वाली इस फिल्म ने 184.89 करोड़ रुपए कमाए।

पंड्या 22 मई को दूसरी बार शादी करने वाले हैं: माहिका शर्मा के साथ रिलेशनशिप में हैं; दोनों की तरफ से कोई ऐलान नहीं

माहिका

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं. बॉलीवुड अभिनेत्री नताशा स्टेनकोविक से तलाक के बाद, अब सोशल मीडिया पर यह चर्चा जोरों पर है कि हार्दिक पांड्या बहुत जल्द दूसरी बार दूल्हा बनने जा रहे हैं. खबरों की मानें तो हार्दिक इन दिनों मशहूर मॉडल और एक्ट्रेस माहिका शर्मा को डेट कर रहे हैं और दोनों का रिश्ता अब शादी के मोड़ पर पहुंच चुका है.

उदयपुर में 22 मई को सात फेरे लेने का दावा

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक यूजर के पोस्ट ने इस समय इंटरनेट पर तहलका मचा रखा है. इस दावे के मुताबिक, हार्दिक पांड्या और माहिका शर्मा आगामी 22 मई को राजस्थान के उदयपुर शहर में शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं. दिलचस्प बात यह है कि उदयपुर वही जगह है जहां हार्दिक ने अपनी पूर्व पत्नी नताशा के साथ भी दोबारा भव्य शादी रचाई थी. बताया जा रहा है कि यह विवाह बेहद निजी होगा, जिसमें सिर्फ करीबी दोस्त और परिवार के लोग शामिल होंगे. हालांकि, इस खबर पर अभी तक हार्दिक या माहिका की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है.

साल 2025 से एक-दूसरे के साथ हैं हार्दिक और माहिका

रिपोर्ट्स के अनुसार, हार्दिक और माहिका साल 2025 से एक-दूसरे के साथ हैं. अपने रिश्ते को सार्वजनिक करने के बाद से ही इस जोड़े को कई मौकों पर एक साथ देखा गया है. हाल ही में संपन्न हुए आईपीएल मैचों के दौरान भी माहिका स्टैंड्स में बैठकर हार्दिक पांड्या को चीयर करती हुई नजर आई थीं. इतना ही नहीं, कई बार उन्हें हार्दिक के बेटे अगस्त्य के साथ भी खुशनुमा पल बिताते हुए स्पॉट किया गया है.

नताशा संग चार साल में खत्म हुआ था रिश्ता, कौन हैं माहिका शर्मा?

हार्दिक पांड्या ने साल 2020 में नताशा स्टेनकोविक से शादी की थी, लेकिन चार साल बाद यानी 2024 में दोनों का तलाक हो गया. अलग होने के बावजूद दोनों मिलकर अपने बेटे की परवरिश कर रहे हैं. वहीं, अगर माहिका शर्मा की बात करें तो वह फैशन इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम हैं. माहिका सब्यसाची और मनीष मल्होत्रा जैसे भारत के दिग्गज डिजाइनर्स के लिए रैंप वॉक कर चुकी हैं और उन्हें 'मॉडल ऑफ द ईयर' का खिताब भी मिल चुका है. इंस्टाग्राम पर उनके 7 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. अब फैंस को इंतजार है कि कब यह कपल अपनी शादी की अफवाहों पर से सस्पेंस हटाता है.

विजय का नाम सुन शरमाईं तृषा कृष्णन : फैन ने कहा- थलापति से कहना कि मैंने उनका हालचाल पूछा है

चेन्नई में थिएटर से बाहर निकलते समय एक फैन ने तृषा कृष्णन से विजय का जिक्र किया तो एक्ट्रेस ब्लश कर गईं। शुक्रवार को तृषा चेन्नई में अपनी नई रिलीज फिल्म 'करुप्पु' की स्क्रीनिंग में पहुंचीं। इस दौरान डायरेक्टर आरजे बालाजी और एक्टर कार्थी भी मौजूद थे। थिएटर से बाहर निकलते समय तृषा अपनी कार में बैठी थीं।

उन्होंने ब्लैक टी-शर्ट और जींस पहनी हुई थी। इसी दौरान एक फैन ने कहा, 'थलापति से कहना कि मैंने उनका हालचाल पूछा है।' इस पर तृषा ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'कंदीपा (जरूर)'। फिर उन्होंने सिर नीचे कर लिया। इसके बाद वह फोन चलाती नजर आती हैं। बाद में तृषा वहां मौजूद फैंस की तरफ हाथ हिलाकर उनका अभिवादन भी करती दिखीं।

तृषा और विजय की डेटिंग चर्चा

गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से तृषा को एक्टर और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय के साथ लिंक किया जा रहा है। हालांकि, विजय और तृषा ने अब तक अपने रिश्ते को लेकर सार्वजनिक रूप से कोई बयान नहीं दिया है।

हाल ही में सीएम विजय के एक फैसले की भी काफी चर्चा हुई, जिसमें उन्होंने तृषा की फिल्म 'करुप्पु' के लिए सुबह 9 बजे के मॉर्निंग शो (स्पेशल स्क्रीनिंग) की विशेष अनुमति दी। बता दें कि मॉर्निंग शो पर राज्य में पिछले 3 सालों से प्रतिबंध लगा हुआ था।

गर्मियों में 'कूल' और 'फैशनेबल' 'को- ऑर्ड सेट्स'

समर वेकेशन में स्टाइलिश और कंफर्टेबल दिखना है, तो महिलाओं के लिए को-ऑर्ड सैट्स सबसे ट्रेंडिंग ऑप्शन बन चुके हैं। ये मैचिंग आऊटफिट्स न सिर्फ पहनने में आसान होते हैं, बल्कि ट्रैवल और बीच वेकेशन के लिए भी परफैक्ट माने जाते हैं। इस साल हल्के फैब्रिक, ट्रॉपिकल प्रिंट्स और पेस्टल शेड्स वाले को-ऑर्ड सैट्स खूब पसंद किए जा रहे हैं।

ट्रॉपिकल प्रिंट को-ऑर्ड सैट

ट्रॉपिकल प्रिंट्स वाले को - ऑर्ड सैट्स बीच वेकेशन और रिजॉर्ट लुक के लिए बैस्ट हैं। पाम लीफ, फ्लोरल और बीची कलर्स समर वाइब को और खूबसूरत बनाते हैं। इन्हें स्ट्रॉ हैट और सनग्लासेस के साथ स्टाइल करें।

कॉटन और लिनेन को-ऑर्ड सैट

गर्मी में हल्के और ब्रीबल फैब्रिक सबसे ज्यादा जरूरी होते हैं। कॉटन और लिनेन को-ऑर्ड सैट आपको लिए काफी पसंद किए जा रहे हैं। स्नीकर्स और स्लिंग बैग के साथ ये आऊटफिट्स बेहद स्टाइलिश लगते हैं। फ

लोरल और फैमिनिन को-ऑर्ड सैट

फ्लोरल प्रिंट्स हर समर फैशन का हिस्सा रहते हैं। ये को-ऑर्ड सैट्स ब्रंच, समर पार्टी और कैजुअल आऊटिंग्स के लिए शानदारलगते हैं।

प्रिंटेड और वाइब्रेंट सैट्स स्टाइलिश रखने के साथ-साथ भी पूरे दिन कूल रखते हैं।

पेस्टल और सॉफ्ट कलर को - ऑर्ड सैट

इस समर सीजन में लैवेंडर, बेबी पिंक, लैमन यैलो और पेस्टल ब्लू जैसे रंग काफी ट्रैंड में हैं। ये शेड्स फोटो- फ्रैंडली भी लगते हैं और डे आऊटिंग के लिए परफैक्ट हैं।

ओवरसाइज्ड को-ऑर्ड सैट

ओवरसाइज्ड और रिलैक्स फिट को-ऑर्ड सैट्स एयरपोर्ट लुक के कॉलेज या फिर ट्रैवल के दौरान प्रिंटेड को-ऑर्ड सैट ट्राई कर सकती हैं, यह गर्मी में कं फ र्टे ब ल रहेगा। इसके साथ बैली या हील्स साथ में ट्राई कर सकती हैं।।

श्रग स्टाइल को-ऑर्ड सैट

श्रग स्टाइल को-ऑर्ड सैट कंफर्ट और स्टाइल का सही संतुलन है, जो अल, ऑफिस या उत्सव के मौकों के लिए बेहतरीन है। यह रैडी टू स्टाइल आऊटफिट है।

9वीं-10वीं में 3 भाषाएं पढ़नी होंगी, सीबीएसई का नोटिफिकेशन जारीः1 जुलाई से लागू होगा

सीबीएसई ने अपने सभी स्कूलों में कक्षा 9वीं और 10वीं में थ्री लैंग्वेज पॉलिसी अनिवार्य कर दी है। इसके तहत 9वीं और 10वीं के बच्चों को तीन भाषाओं की पढ़ाई करनी होगी। इनमें से 2 भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। सीबीएसई का नोटिफिकेशन 1 जुलाई से लागू होगा। इस फैसले से 9वीं और 10वीं के मिलाकर लगभग 50 लाख बच्चे प्रभावित होंगे। साथ ही इस साल 10 वीं के बच्चों को तीसरी भाषा का पेपर नहीं देना होगा।

स्कूल 30 जून तक थर्ड लैंग्वेज चुनेंगे

थ्री लैंग्वेज पॉलिसी के तहत, एक भारतीय और एक विदेशी भाषा के साथ एक क्षेत्रीय भाषा पढ़ाई जानी है। CBSE ने स्पष्ट किया है कि स्कूल, छात्रों की पसंद के अनुसार थर्ड लैंग्वेज चुन सकते हैं। सभी स्कूलों को अपनी चुनी हुई लैंग्वेज की जानकारी 30 जून तक बोर्ड को देनी होगी।

बोर्ड ने कहा कि लैंग्वेज को लेकर ये डिसीजन हाल ही में 2026-27 के लिए रिलीज किए गए NCERT सिलेबस को देखकर लिया गया है। इस सेशन की शुरुआत अप्रैल 2026 से हो चुकी है। लेकिन स्कूलों को 1 जुलाई से थर्ड लैंग्वेज की पढ़ाई शुरू करने का निर्देश दिया गया है।

10वीं में थर्ड लैंग्वेज का पेपर नहीं होगा

सीबीएसई ने साफ किया है कि इस साल 10वीं बोर्ड परीक्षा में थर्ड लैंग्वेज का पेपर नहीं होगा। हालांकि, छात्रों के लिए इसकी पढ़ाई करना जरूरी रहेगा। जब तक थर्ड लैंग्वेज की नई किताबें उपलब्ध नहीं होतीं, तब तक 9वीं के छात्र 6वीं कक्षा की थर्ड लैंग्वेज की किताबों से पढ़ाई करेंगे। स्कूलों को यह भी कहा गया है कि वे पढ़ाई के लिए स्थानीय और राज्य स्तर का साहित्य उपलब्ध कराएं। इसमें कविताएं, छोटी कहानियां और अन्य साहित्यिक सामग्री शामिल होगी।

1 जुलाई से स्कूलों में किताब उपलब्ध कराने का निर्देश

सीबीएसई ने माना कि कुछ स्कूलों को भारतीय मूल की भाषाओं के लिए क्वालिफाइड टीचर्स अरेंज करने में मुश्किल हो सकती है। ऐसे में स्कूलों को इंटर स्कूल रिर्सोसेस के माध्यम से हाइब्रिड टीचिंग सपोर्ट, रिटायर लैंग्वेज टीचर की नियुक्ति और क्वालिफाइड पोस्ट ग्रेजुएट टीचर्स के हायरिंग की परमिशन भी दी गई है।

सीबीएसई तीसरी भाषा के लिए 19 भाषाओं की किताबें तैयार कर रहा

सीबीएसईऔर NCERT कक्षा VI R3 के लिए 19 भाषाओं में किताबें तैयार कर रहे हैं। इनमें असमिया, बंगाली, गुजराती, मराठी, तमिल और तेलुगु जैसी भाषाएं शामिल हैं।

विदेश में पढ़ाई का अब नया फॉर्मूला : छात्र अब संस्थानों से पूछ रहे- 'क्या इस महंगी डिग्री से नौकरी मिलेगी?'

रिपोर्ट के मुताबिक यूरोप के देशों में हेल्थकेयर, मास्टर ऑफ नर्सिंग साइंस, फिजियोथेरेपी, मास्टर ऑफ एआई प्रोग्राम जैसे कोर्सेज लिए आवेदन 37.6% से लेकर 33,800% तक बढ़े हैं।

भारतीय छात्रों की पसंद के मामले में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया की चमक अब फीकी पड़ती जा रही है। लीप ग्लोबल एजुकेशन की एक रिपोर्ट कहती है कि भारतीय छात्र अब इटली, फ्रांस और न्यूजीलैंड जैसे देशों में नर्सिंग, एआई और फाइनेंस जैसे कोर्स चुन रहे हैं। इन देशों में नौकरी का रास्ता सीधा और पढ़ाई का खर्च कम है। अब इनका नया मंत्र है- डिग्री नहीं, जॉब। यूरोप भारतीय छात्रों के नए पसंदीदा ठिकाने के रूप में उभर रहा है।

यूरोप में दाखिले के लिए आवेदन 7 गुना तक बढ़े

इटलीः +669%

मुख्य कोर्सः स्टेम + हेल्थकेयर

कारणः कम फीस, आसान वर्क वीसा

फ्रांसः +542%

मुख्य कोर्सः फाइनेंस + मार्केटिंग

कारणः टेक से मैनेजमेंट में शिफ्ट

सबसे पसंदीदा कोर्स - आवेदन में 338 गुना तक उछाल

कोर्स आवेदन बढ़े

मास्टर ऑफ एआई* 33,800%

मास्टर ऑफ नर्सिंग साइंस 533%

फिजियोथेरेपी 336%

हेल्थकेयर कोर्सेज 37.6%

प्राथमिकता - भारतीय छात्र अब विदेश में आखिर क्या चाहते हैं?

जीआरई/ जीमैट* 58%

स्कॉलरशिप 40%

बैकलॉग चिंता 27%

जॉब प्लेसमेंट 21%

पार्ट-टाइम काम 15%

रहने का खर्च 12%

यूनिवर्सिटी रैंकिंग 7.8%

हैदराबाद सबसे आगे

फ्रांस में भारतीय टेक शहरों की दिलचस्पी

हैदराबादः +1,100%

टेक प्रोफेशनल्स के मामले में सबसे बड़ा उछाल

चेन्नईः +750%

बदलते वैश्विक हालात के बीच आईटी रोल से प्रोडक्ट-मैनेजमेंट कैरियर की तलाश

बेंगलुरुः +212%

बिजनेस और फाइनेंस प्रोग्राम्स की तगड़ी डिमांड

रुझान बदलने की वजह...

भारतीय छात्रों के बीच जॉब को लेकर सबसे बड़ी चिंता

- रुपया कमजोर होने से पढ़ाई का खर्च, लोन का बोझ बढ़ा है। इसे देखते हुए अब छात्र पूछ रहे- 'क्या ये महंगी डिग्री नौकरी दिलाएगी?'

- नर्सिंग, एआई जैसे कोर्स इसलिए लोकप्रिय हैं क्योंकि ग्लोबल जॉब मार्केट में इनकी मांग साफ दिखती है।

- इटली, फ्रांस इसलिए आकर्षक हैं क्योंकि वहां फीस कम है। माइग्रेशन पाथवे भी अन्य देशों से बेहतर हैं।

30 लाख छात्रों के सर्वे पर आधारित रिपोर्ट

यूरोप, न्यूजीलैंड जैसे देशों में ब्रिटेन, यूएस सरीखे एजुकेशन हब से किफायती पढ़ाई

करीब 30 लाख छात्रों के विश्लेषण पर आधारित लीप ग्लोबल एजुकेशन की रिपोर्ट के मुताबिक यूरोप के देशों में हेल्थकेयर, मास्टर ऑफ नर्सिंग साइंस, फिजियोथेरेपी, मास्टर ऑफ एआई प्रोग्राम जैसे कोर्सेज लिए आवेदन 37.6% से लेकर 33,800% तक बढ़े हैं। एआई कोर्सेज के मामले में भारतीय छात्र न्यूजीलैंड को ज्यादा पसंद कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूरोप और न्यूजीलैंड जैसे देशों में पढ़ाई का खर्च अमेरिका और ब्रिटेन जैसे पारंपरिक एजुकेशन हब से कम है।

घर में जिम : फिट रहने का स्मार्ट तरीका

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जिम जाना हर किसी के लिए आसान नहीं है। ट्रैफिक, समय की कमी और व्यस्त दिनचर्या के बीच फिट रहना एक चुनौती बन जाता है। ऐसे में घर में जिम बनाना न सिर्फ एक ट्रैंड है, बल्कि एक स्मार्ट लाइफस्टाइल च्वॉइस भी है। एक इंटीरियर डिजाइनर के तौर पर मेरा मानना है कि अगर सही प्लानिंग की जाए तो छोटे से घर में भी एक शानदार और प्रेरणादायक जिम बनाया जा सकता है।

सही जगह का चयन - शुरूआत यहीं से घर में जिम बनाने के लिए सबसे जरूरी है सही जगह चुनना। यह कोई खाली कमरा, बालकनी, स्टडी रूम का कोना या यहां तक कि बैडरूम का एक हिस्सा भी हो सकता अगर आप योग या हल्की एक्सरसाइज करते हैं, तो छोटा स्पेस भी काफी है।

मशीनों के लिए थोड़ा ज्यादा स्पेस चाहिए होगा।

प्राकृतिक रोशनी और हवा वाली जगह हमेशा बेहतर रहती है। मेरे अनुभव में, जब जिम का डिजाइन आपकी लाइफस्टाइल के हिसाब से होता है, तभी आप उसे रोज इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित महसूस करते हैं।

आऊट और स्पेस प्लानिंग जिम बनाते समय 'कम जगह में ज्यादा काम' का सिद्धांत अपनाना चाहिए।

- अलग-अलग जोन बनाएं – कार्डियो, वेट्स, योग ।

रंगों की बात करें तो...

हल्के रंग (व्हाइट, बेज, पेस्टल) स्पेस को बड़ा दिखाते हैं।

मोटिवेशनल वॉल या बोल्ड रंग स्पेस को ज्यादा एनर्जेटिक बना देते हैं।

उपकरण - जरूरत के हिसाब से घर में जिम बनाते समय सबसे बड़ी गलती होती है ज्यादा मशीनें खरीद लेना ।

शुरूआत बेसिक से करें - योग मैट, डम्बल, रैसिस्टैंस बैंड ।

जरूरत हो तो धीरे-धीरे मशीन जोड़ें। हमेशा क्वालिटी और स्पेस का ध्यान रखें।

स्टोरेज और क्लटर - फ्री स्पेस जिम में साफ-सफाई और व्यवस्था बहुत जरूरी है।

दीवार पर शैल्फ या हुक लगाएं। डम्बल और एक्सैसरीज के लिए स्टैंड रखें।

जितना कम क्लटर होगा, उतना ज्यादा 'मोटिवेशन मिलेगा।

इंस्पायरिंग स्पेस - जहां हर 'दिन वर्कआऊट करने का मन करे

एक अच्छा होम जिम सिर्फ फंक्शनल नहीं, 'इंस्पायरिंग भी होना 'चाहिए।

'मोटिवेशनल कोट्स लगाएं।

अपनी पसंद का म्यूजिक सिस्टम रखें। पौधे जोड़ें - ये फ्रेशनैस देते हैं । आजकल ट्रैंड है कि जिम स्पेस भी घर के बाकी इंटीरियर जैसा ही स्टाइलिश और सुंदर हो।

बीच में पर्याप्त खाली जगह रखें । फोल्डेबल या मल्टी-यूज फर्नीचर का उपयोग करें।

छोटे घरों में ओपन लेआऊट और वर्टिकल स्टोरेज से जगह बचाई जा सकती है। सही फ्लोरिंग - सुरक्षा सबसे पहले जिम की फ्लोरिंग सामान्य फर्श से अलग होनी चाहिए।

एंटी- स्किड टाइल्स या रबर मैट्स का इस्तेमाल करें।

वर्कआऊट के दौरान चोट लगने का खतरा कम होता है।

शोर भी कम होता है ।

लाइटिंग और वैंटिलेशन

एक अच्छा जिम सिर्फ उपकरणों से नहीं, बल्कि माहौल से बनता है।

नैचुरल लाइट आपके मूड और एनर्जी को बढ़ाती है।

अच्छी वेंटिलेशन जरूरी है।

एल.ई.डी. और फोकस लाइट्स से

अलग-अलग एरिया हाइलाइट करें ।

अच्छी रोशनी और खुली हवा वाला जिम न सिर्फ आरामदायक लगता है, बल्कि आपको लंबे समय तक एक्सरसाइज करने के लिए प्रेरित भी करता है।

मिरर और कलर का सही उपयोग जिम में मिरर सिर्फ स्टाइल नहीं, जरूरत भी है।

एक्सरसाइज करते समय पोश्चर सही रखने में मदद करता है ।

कमरा देखने में अधिक बड़ा और खुला नजर आता है।

घर में जिम बनाना सिर्फ फिटनैस का फैसला नहीं, बल्कि एक हैल्दी और संतुलित जीवन की ओर कदम है।

सही डिजाइन, सही प्लानिंग और थोड़ी क्रिएटिविटी से आप घर के किसी भी कोने को एक एनर्जेटिक और इंस्पायरिंग फिटनैस जोन बना सकते हैं।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में 1865 पदों पर भर्ती, लास्ट डेट 19 मई

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया है। बैंक ने विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

कुल 1865

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

ग्रेजुएशन की डिग्री।

ग्रेजुएशन का रिजल्ट 1 अप्रैल 2026 या उससे पहले जारी हो जाना चाहिए।

एज लिमिट :न्यूनतम : 20 साल अधिकतम : 28 साल

सिलेक्शन प्रोसेस : रिटन एग्जाम,लोकल लैंग्वेज टेस्ट

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :

10वीं की मार्कशीट

12वीं की मार्कशीट

ग्रेजुएशन / डिग्री / डिप्लोमा

उम्मीदवार का फोटो और सिग्नेचर

जाति प्रमाण पत्र

उम्मीदवार का मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी

आधार कार्ड

एग्जाम पैटर्न :

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट unionbankofindia.co.in पर जाएं।

होम पेज पर भर्ती से संबंधित लिंक पर क्लिक करें।

Click here for New Registration पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।

अन्य जानकारी अपलोड करें।

फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें। फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में 821 पदों पर भर्ती, एज लिमिट 63 साल

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया यानी एसबीआई (SBI) में 800 से अधिक पदों पर भर्तियां निकली हैं। ये भर्तियां संविदा यानी कॉन्ट्रैक्ट के बेसिस पर की जाएंगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट sbi.bank.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। एसबीआई के रिटायर्ड ऑफिसर्स को ही इस भर्ती के लिए चुना जाएगा।

टोटल 821

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :

एसबीआई से खासतौर से 60 साल की उम्र में रिटायर होना चाहिए।

अधिकारियों को MMGS-III, SMGS-IV/V, या TEGS-VI की सैलरी में रिटायर होना चाहिए।

रिटायर ऑफिसर के पास क्रेडिट, ऑडिट या फॉरेक्स यूनिट में काम करने का एक्सपीरियंस होना चाहिए।

एज लिमिट : अधिकतम 63 साल

नियुक्ति अधिकारी के 65 साल की उम्र होने तक जारी रह सकती है।

सिलेक्शन प्रोसेस : शॉर्टलिस्टिंग इंटरव्यू

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :

पिछले 10 साल की एक्सपीरियंस डिटेल्स

आईडी प्रूफ

डेट ऑफ बर्थ प्रूफ

पीपीओ कॉपी

हाल में लिया गया पासपार्ट साइज फोटोग्राफ

सिग्नेचर

जाति/ईडब्ल्यूएस सर्टिफिकेट

अन्य सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स

ऐसे करें आवेदन :

एसबीआई की करियर वेबसाइट www.sbi.bank.in पर जाएं।

ऑनलाइन फॉर्म भरें।

आपको एक अस्थायी रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड मिलेगा, जिसका उपयोग आप फाइनल सबमिशन से पहले डिटेल्स को दोबारा खोलने और उसे एडिट करने के लिए (तीन बार तक) कर सकते हैं।

जरूरी डॉक्यूमेंट्स की डिजिटल कॉपियां तय फॉर्मेट में अपलोड करें।

सभी डिटेल्स को चेक करके फॉर्म सब्मिट करें।

फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल कर रखें।

एआई अब सिर्फ तकनीक नहीं, कारोबार का आधार बना

चंद्रशेखरन बोले– भारत बनेगा नया ग्लोबल हब

नई दिल्ली , 17 मई (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब व्यवसायों के लिए सिर्फ एक अतिरिक्त तकनीकी परत नहीं रह गया है, बल्कि यह तेजी से वैश्विक उद्यमों के लिए बुनियादी ढांचा बनता जा रहा है। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कंपनी की 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में यह बात कही है। एआई के दम पर शानदार वित्तीय नतीजे और नई भर्तियों में वापसी इस बात का संकेत है कि आईटी सेक्टर में बड़े बदलाव का दौर शुरू हो चुका है।

एआई और नई तकनीक से बंपर कमाई

चंद्रशेखरन ने बताया कि टीसीएस ने अपने ह्यूमन+एआई परेटिंग मॉडल के विस्तार में बड़ी सफलता हासिल की है। इस मॉडल के तहत कंपनी ने एआई सेवाओं से 2.3 अरब डॉलर और नई पीढ़ी की सेवाओं (जिसमें क्लाउड, डेटा और साइबर सुरक्षा शामिल हैं) से 11.5 अरब डॉलर का सालाना राजस्व हासिल किया है। चेयरमैन ने स्पष्ट किया कि जेनरेटिव और एजेंटिक एआई अब विकास के नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं; ग्राहक अब इसके छोटे प्रयोगों (पायलट प्रोजेक्ट्स) से आगे बढ़कर इसे अपने मुख्य कामकाज का स्थायी हिस्सा बना रहे हैं।

भारत बनेगा एआई इंफ्रास्ट्रक्चर का '+1' डेस्टिनेशन

भविष्य की रणनीति पर जोर देते हुए टीसीएस एक सुरक्षित और संप्रभु एआई ढांचा स्थापित करने जा रही है। इसके तहत कंपनी की अहम योजनाएं इस प्रकार हैंः

पहला एआई डेटा सेंटरः कंपनी भारत का पहला एआई-केंद्रित डेटा सेंटर बनाने की योजना बना रही है, जिसकी 'रैक डेंसिटी' 160 किलोवाट से अधिक होगी। इंडस्ट्री-स्पेसिफिक एआई ओएसः उद्योगों के लिए एक विशेष 'एआई ऑपरेटिंग सिस्टम' बनाया जाएगा, ताकि 'एजेंटिक एआई' समाधानों को तेजी से और सुचारू रूप से लागू किया जा सके। नया रणनीतिक हबः चंद्रशेखरन ने बताया कि बिजली, कंप्यूटिंग क्षमता और जगह की बढ़ती वैश्विक सीमाओं के बीच, भारत दुनिया भर के एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक रणनीतिक '+1' डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है।

टीसीएस ने अपने वित्तीय वर्ष 2025-26 के शानदार नतीजे भी पेश किए हैं। मुनाफे के बढ़े हुए मार्जिन के कारण मार्च तिमाही (Q4) में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 12.22 प्रतिशत के उछाल के साथ 13,718 करोड़ रुपये हो गया है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कंपनी का शुद्ध मुनाफा 1.35 प्रतिशत बढ़कर 49,210 करोड़ रुपये रहा (जो बीते वित्त वर्ष में 48,553 करोड़ रुपये था)। इसके अलावाः नए सौदेः मार्च तिमाही में कंपनी ने 12 अरब डॉलर के नए सौदे किए, जिनमें सबसे बड़ा हिस्सा उत्तरी अमेरिका (5.4 अरब डॉलर) और बैंकिंग व वित्तीय सेवा (बीएफएसआई) क्षेत्र (2.8 अरब डॉलर) से आया है। रोजगार में इजाफाः लगातार दो तिमाहियों की गिरावट के बाद, टीसीएस ने Q4 में 2,356 नए कर्मचारियों की भर्ती की है। इससे 31 मार्च 2026 तक कंपनी के कुल कर्मचारियों की संख्या 584,519 हो गई है।

शेयर बाजार में काफी हलचल की उम्मीद

अमेरिका-ईरान तनाव, विदेशी निवेशकों की बिकवाली जैसे 5 फैक्टर तय करेंगे चाल

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)। कल 18 मई से शुरू होने वाले हफ्ते में शेयर बाजार में काफी हलचल रहने वाली है। अमेरिका-ईरान तनाव और विदेशी निवेशकों की बिकवाली से लेकर टेक्निकल फैक्टर बाजार की दिशा तय करेंगे। चलिए समझते हैं अगले हफ्ते बाजार में क्या हो सकता है

सपोर्ट यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को नीचे गिरने से सहारा मिलता है। यहां खरीदारी बढ़ने से कीमत आसानी से नीचे नहीं जाती। यहां खरीदारी का मौका हो सकता है।

रेजिस्टेंस यानी, वह स्तर जहां शेयर या इंडेक्स को ऊपर जाने में रुकावट आती है। ऐसा बिकवाली बढ़ने से होता है। रजिस्टेंस जोन पार करने पर तेजी की उम्मीद रहती है।

5 फैक्टर्स जो बाजार की दिशा तय कर सकते हैं

अमेरिका-ईरान युद्ध और शांति वार्ता

अमेरिका-ईरान युद्ध को शुरू हुए लगभग तीन महीने होने वाले हैं। ईरान ने घोषणा की है कि वह जल्द ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के जरिए समुद्री ट्रैफिक को मैनेज करने का

प्रस्ताव पेश करेगा। इस कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान शांति समझौते पर आगे बढ़ने से इनकार करता है, तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और ईरान के विदेश मंत्री के बयानों के बाद शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में 3% से ज्यादा की तेजी आई। इन बयानों से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास जहाजों पर हमलों को रोकने के समझौते की उम्मीदें कमजोर हुई हैं। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 3.35% बढ़कर 109.26 प्रति बैरल पर बंद हुआ।

चौथी तिमाही के नतीजों का छठा हफ्ता

500 से ज्यादा कंपनियां 31 मार्च, 2026 को समाप्त तिमाही के अपने वित्तीय नतीजे जारी करेंगी। प्रमुख दिग्गज कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स , भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लेंसकार्ट सॉल्यूशंस, और एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स (नायका) शामिल हैं।

लगातार बिकवाली

विदेशी निवेशकों ने इस महीने की 16 तारीख तक 27,177 करोड़ के शेयर बेचे हैं। इसके साथ ही साल 2026 में अब तक उनकी कुल बिकवाली 2,31,486 रुपए करोड़ तक पहुंच गई है।

एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि सेंसेक्स अभी 75,200 से 75,300 के जोन के आसपास है। यह दिखाता है कि लगातार बनी वैश्विक अनिश्चितता और बाजार के उतार-चढ़ाव वाले माहौल के बीच बाजार धीरे-धीरे और संभलकर रिकवरी करने की कोशिश कर रहा है। बाजार के लिए तुरंत का रेजिस्टेंस 75,600 से 76,000 के दायरे में है, जबकि मजबूत सपोर्ट 74,500 से 74,200 के जोन के आसपास दिख रहा है। बाजार अब किसी भी तरफ एक बड़ा ब्रेकआउट (दायरा तोड़ना) देगा, तभी आगे के लिए बाजार की असली चाल तय होगी।

निफ्टी 50 के आउटलुक पर चॉइस ब्रोकिंग के टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट आकाश शाह ने कहा कि अगर बाजार ऊपर की तरफ जाता है, तो इसके लिए इमिडिएट रेजिस्टेंस 24,000 और 24,250 पर रहेगा। वहीं अगर बाजार गिरता है, तो इसे 23,250 पर सपोर्ट मिल सकता है। अगर निफ्टी 23,000 का स्तर तोड़ता है, तो बिकवाली का दबाव और ज्यादा बढ़ सकता है। बाजार के मौजूदा हालातों को देखते हुए ट्रेडर्स को सलाह दी जाती है कि वे अनुशासन में रहें और इस उतार-चढ़ाव के बीच सख्त स्टॉप-लॉस स्ट्रैटेजी (नुकसान से बचने का नियम) का पालन करें।

घटिया अंडे बेचने के आरोप पर एफएसएसएआई सख्त

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट को घटिया गुणवत्ता वाले अंडे बेचने की शिकायतों पर नोटिस भेजा है। सूत्रों के अनुसार, सोशल मीडिया पर कई ग्राहकों ने ब्लिंकिट से मिले अंडों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। शिकायतों में कहा गया कि ये अंडे बदबूदार और रबर जैसी बनावट वाले हैं, जो इंसानी उपभोग के लिए असुरक्षित हैं। एफएसएसएआई ने ब्लिंकिट को इस मामले में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। कंपनी को सात दिनों के भीतर एक व्यापक कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) सौंपनी होगी। इसमें ई-कॉमर्स फूड बिजनेस ऑपरेटरों की जिम्मेदारियों के पालन का विवरण भी देना होगा। सूत्रों का कहना है कि अनुपालन न करने पर एफएसएस एक्ट 2006 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल ब्लिंकिट की ओर से इस पर कोई टिप्पणी नहीं आई है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	वृष	मे
चंद्र	वृष	मे
मंगल	मेष	मे
बुध	वृष	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मिथुन	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
वृष----	05-36	बजे
मिथुन---	07-36	बजे
कर्क----	09-49	बजे
सिंह----	12-01	बजे
कन्या----	14-07	बजे
तुला-----	16-13	बजे
वृश्चिक---	18-23	बजे
धनु-----	20-37	बजे
मकर---	22-43	बजे
कुंभ----	00-33	बजे
मीन----	02-11	बजे
मेष----	03-47	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000** सूर्योदय **05-47**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्यास्त. **18 -38**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सोमवार **18 May 2026**
तिथि - द्वितीया **17-53** तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - रोहिणी **11-31** तक उपरान्त मृगशिरा
योग - सुकर्मा **21-47** तक उप धृति
करण - बालव **07-46** तक उप कौलव

विशेष: सर्वार्थ सिद्धि योग 05-54 से

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-22 से 08-59 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	05-47 - 07-22 शुभ	चंचल	18-38 - 20-04 शुभ
काल	07-22 - 08-59 अशुभ	रोग	20-04 - 21-27 अशुभ
शुभ	08-59 - 10-36 शुभ	काल	21-27 - 22-50 अशुभ
रोग	10-36 - 12-13 अशुभ	लाभ	22-50 - 00-13 शुभ
उत्पात	12-13 - 13-50 अशुभ	उत्पात	00-13 - 01-36 अशुभ
चंचल	13-50 - 15-27 शुभ	शुभ	01-36 - 02-58 शुभ
लाभ	15-27 - 17-04 शुभ	अमृत	02-58 - 04-21 शुभ
अमृत	17-04 - 18-38 शुभ	चंचल	04-21 - 05-47 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आपकी रचनात्मकता सबसे अलग है, जो आपको काम पर एक मजबूत छाप छोड़ने में मदद करती है। अपनी दिनचर्या में किसी भी व्यवधान को संतुलित करने के लिए अनुशासित और स्थिर रहें। आप आंतरिक तनाव या सख्त मानसिकता महसूस कर सकते हैं, इसलिए लचीला बने रहने पर ध्यान दें।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — एक दुर्लभ नौकरी का अवसर आज आपके दरवाजे पर दस्तक देने के लिए आ रहा है। यह विचार करने पर कुछ हद तक जोखिम भरा लगेगा , लेकिन आप उस पर कार्रवाई करते हैं, तो आप अपने कैरियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं। सुरक्षित और संकीर्ण रास्ते की तुलना में ये समय जोखिम लेने के लिए है ताकि जो आप अपने जीवन में करना चाहते है वो पूरा हो ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज आपको अपने कार्यालय पर संचार और बातचीत कौशल का विशेष उपयोग करने की जरूरत है। आपको सावधान रहना होगा की जोर से शिकायत या किसी के पैरो में गिरने की जरुरत नहीं है , इसके बजाय आपको कूटनीति और कुशलता से दबाव के समय में कार्य करने की आवश्यकता होगी । आपकी सफल बातचीत भी काफी हद तक आपके करियर को आगे बढ़ा सकती है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — कर्क राशि में सूर्य के होने से आपके कार्य जीवन को लाभ मिलता है, जो विनम्रता और भावनात्मक अंतर्दृष्टि को प्रोत्साहित करता है। मिथुन राशि में चंद्रमा अनुकूलनशीलता और जिज्ञासा लाता है। सूर्य त्रिकोण शनि आपके दृढ़ संकल्प और ध्यान को बढ़ाता है। हालाँकि आपकी संवेदनशीलता एक कमजोरी की तरह लग सकती है।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — कार्यस्थल पर आपका दिन ऊर्जावान और भावनात्मक रूप से आवेशित महसूस हो सकता है। आप स्वाभाविक रूप से एक देखभाल करने वाला माहौल बनाएंगे, साथ ही पहल करने के लिए प्रेरित भी महसूस करेंगे। आपका दृढ़ संकल्प रचनात्मक सफलताओं का समर्थन करता है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आपका काम और पढ़ाई अच्छी तरह से चलने की संभावना है, आपमें प्रबल ऊर्जा और एकाग्रता रहेगी। स्पष्ट सोच आपको अच्छे निर्णय लेने में मदद करती है, और आप खुद के साथ तालमेल महसूस करते हैं। चुनौतियों का सामना करने और अपने लक्ष्यों पर विश्वास के साथ आगे बढ़ने का यह एक बढ़िया समय है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपके साहसिक विचार और विस्तार पर ध्यान सफलता के लिए मंच तैयार करते हैं। आपमें रचनात्मक चिंगारी महसूस हो सकती है और प्रभावशाली लोगों के साथ काम करने के अवसर मिल सकते हैं। एकांत में रहने से स्पष्टता आ सकती है, लेकिन दुर्घटनाओं से बचने के लिए सावधान रहें। महत्वपूर्ण कार्यों को सटीकता और आत्मविश्वास के साथ पूरा करने के लिए अपनी ऊर्जा को बुद्धिमानी से लगाएं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — सूर्य के कर्क राशि में होने से आपका दिन भावनात्मक रूप से सहायक हो सकता है, जबकि मेष राशि में चंद्रमा आपको साहसपूर्वक कार्य करने का साहस देता है। आपकी रचनात्मकता उभर कर सामने आती है, हालाँकि शुक्र वर्ग मंगल के कारण भावनाएँ बदल सकती हैं। पढ़ाई में, आपकी गर्मजोशी टीमवर्क को बढ़ावा देती है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आप कुछ मिलनसार नए लोगों या विदेशी प्रतिनिधियों से आज के दिन मिल सकते हैं ! स्वतंत्र रूप से उन लोगों के साथ संवाद करे और जितनी उपयोगी जानकारी इकट्ठा कर सके करे क्योकि यह आपकी परियोजना के पूरा होने में आप के लिए बहुत मददगार साबित होगा । किसी भी विचलित करने वाले परिदृश्य से परेशान न हो जो की आपके वरिष्ठ सहकर्मी ने आपके लिए बनाया हो ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज आपका कार्य जीवन गंभीर लग सकता है, जिससे आपको व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। आत्मविश्वास आपकी महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करता है, जबकि जिज्ञासा आपको नए अवसरों की ओर ले जाती है। फिर भी, कार्यों या लोगों से अवास्तविक अपेक्षाएँ रखने से बचें। अपने पैर ज़मीन पर रखें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज आपकी महत्वाकांक्षाओं को एक मजबूत बढ़ावा मिलेगा, और आप अपने करियर या पढ़ाई में साहसिक कदम उठाने के लिए तैयार हैं। नए विचार आसानी से आते हैं, और सकारात्मक बातचीत से समर्थन मिलता है, खासकर महिलाओं से। बदलाव क्षितिज पर हो सकते हैं, इसलिए उनका आत्मविश्वास के साथ स्वागत करें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

विदेशी-निवेशकों ने मई में भारतीय-बाजार से 27,048 करोड़ निकाले

2026 में अब तक 2.2 लाख करोड़ की बिकवाली की; डॉलर-क्रूड की कीमतों से दबाव बढ़ा

मुंबई, 17 मई (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों ने इस महीने (मई) भारतीय शेयर बाजार से अब तक 27,048 करोड़ की नकदी निकाल ली है। ग्लोबल इकोनॉमिक एनवायरमेंट और जियोपॉलिटिकल टेंशन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक लगातार भारतीय इक्विटी बाजार में अपनी हिस्सेदारी कम कर रहे हैं। इस ताजा बिकवाली के साथ साल 2026 में अब तक कुल आउटफ्लो 2.2 लाख करोड़ के पार पहुंच गया है, जो साल 2025 की कुल बिकवाली से भी ज्यादा है।

फरवरी छोड़कर हर महीने बिकवाली की

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के डेटा के मुताबिक, साल 2026 में फरवरी महीने को छोड़कर विदेशी निवेशक हर महीने नेट सेलर्स (बिकवाल) रहे हैं। जनवरी में निवेशकों ने 35,962 करोड़ बाजार से निकाले थे। इसके बाद फरवरी में ट्रेंड बदला और उन्होंने 22,615 करोड़ का निवेश किया, जो पिछले 17 महीनों में किसी एक महीने का सबसे बड़ा इनफ्लो था।

फरवरी की राहत के बाद मार्च में विदेशी निवेशकों ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ के शेयर बेचे। बिकवाली का यह सिलसिला अप्रैल में भी जारी रहा, जब बाजार से 60,847 करोड़ का नेट आउटफ्लो हुआ। मई में भी यह कमजोरी बनी रही और अब तक 27,048 करोड़ से ज्यादा की रकम निकाली जा चुकी है।

साल 2026 में अब तक हुई 2.2 लाख करोड़ की कुल बिकवाली पिछले पूरे साल के मुकाबले काफी ज्यादा है। साल 2025 में पूरे साल के दौरान विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से कुल 1.66 लाख करोड़ रुपए निकाले थे। इस साल पांच महीनों में ही यह आंकड़ा पार हो गया है।

मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रिंसिपल - मैनेजर रिसर्च, हिमांशु श्रीवास्तव ने इस ट्रेंड पर कहा कि वैश्विक विकास (ग्लोबल ग्रोथ) को लेकर बनी अनिश्चितता, मुख्य क्षेत्रों में जारी भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की अस्थिर कीमतों की वजह से उभरते बाजारों (इमर्जिंग मार्केट्स) के प्रति निवेशकों का सेंटिमेंट कमजोर हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि मजबूत अमेरिकी डॉलर और बढ़ी हुई यूएस बॉन्ड यील्ड इस बिकवाली के मुख्य कारण हैं। विकसित बाजारों में बेहतर रिटर्न मिलने से सुरक्षित संपत्तियों का आकर्षण बढ़ा है और निवेशक डिफेंसिव रुख अपना रहे हैं। इसके अलावा ग्लोबल इन्फ्लेशन (महंगाई) और केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में कटौती के समय को लेकर बनी अनिश्चितता भी फंड एलोकेशन के फैसलों को प्रभावित कर रही है।

रुपए पर दबाव बढ़ा, 96.14 के स्तर पर पहुंचा

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजिस्ट वी के विजयकुमार के मुताबिक, विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और बढ़ते करंट अकाउंट डेफिसिट (चालू खाता घाटा) के कारण रुपए पर भारी दबाव देखा जा रहा है। साल की शुरुआत में डॉलर के मुकाबले रुपया 90 के स्तर पर था, जो 15 मई को 96 के स्तर को पार करते हुए 96.14 पर पहुंच गया है।

वी के विजयकुमार ने बताया कि अगर विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी रही और कच्चे तेल के दाम ऊंचे बने रहे, तो रुपया आगे और कमजोर हो सकता है। इसके साथ ही दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर फोकस करने वाली कंपनियों में बड़े पैमाने पर निवेश किया जा रहा है। इस वजह से भारत जैसे देशों से फंड डायवर्ट हो रहा है, जिन्हें AI के क्षेत्र में थोड़ा पीछे माना जा रहा है।

दिल्ली एनसीआर में फिर महंगी हुई सीएनजी

48 घंटे में दूसरी बार बढ़े दाम

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर के आम नागरिकों और वाहन चालकों के लिए महंगाई का एक और बड़ा झटका लगा है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने रविवार को कंप्रेस्ड नेचुरल गैस की कीमतों में 1 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी कर दी है। पिछले 48 घंटों के भीतर सीएनजी की कीमतों में यह लगातार दूसरी वृद्धि है, जिससे दिल्ली में सीएनजी के दाम पहली बार 80 रुपये के पार चले गए हैं। इस ताजा बढ़ोतरी के बाद दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी की नई दरें इस प्रकार हैंः

दिल्लीः 80.09 रुपये प्रति किलो

नोएडाः 88.70 रुपये प्रति किलो

गाजियाबादः 88.70 रुपये प्रति किलो

48 घंटे में कुल 3 रुपये की बढ़ोतरी

इससे पहले बीते शुक्रवार (15 मई) को भी आईजीएल ने सीएनजी की कीमतों में 2 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया था, जिससे दिल्ली में इसकी कीमत बढ़कर 79.09 रुपये हो गई थी। अब रविवार को हुई 1 रुपये की और बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में सीएनजी का रेट 80 रुपये के स्तर को पार कर गया है।

15 मई को केंद्र सरकार ने देश भर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बड़ी बढ़ोतरी की थी। सरकार ने पेट्रोल और डीजल दोनों के दामों में करीब 3 रुपये प्रति लीटर का इजाफा किया था। इस बढ़ोतरी के बाद देश की राजधानी दिल्ली में फिलहाल पेट्रोल का रेट 97.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल का रेट 90.67 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है।

आम जनता पर असर

लगातार बढ़ते ईंधन के दामों (पेट्रोल, डीजल और अब सीएनजी) के कारण दिल्ली-एनसीआर में कैब, ऑटो, कमर्शियल गाड़ियों और रोजमर्रा के सफर के लिए कम्यूट करने वाले आम लोगों की जेब पर आर्थिक बोझ और ज्यादा बढ़ने वाला है। आने वाले दिनों में ऑटो और कैब चालकों द्वारा किराए में बढ़ोतरी की मांग भी तेज हो सकती है। जहां दुनिया के कई देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 20 प्रतिशत से लेकर करीब 100 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी देखी गई है, वहीं भारत ने इस बढ़ोतरी को पेट्रोल के लिए केवल 3.2 प्रतिशत और डीजल के लिए 3.4 प्रतिशत तक ही सीमित रखा है।

क्यों बढ़ रहे हैं दाम?

ईंधन की कीमतों में आ रही इस तेजी के पीछे वैश्विक कारण हैं। दरअसल, पश्चिम एशिया (मिडिल ईस्ट) में जारी तनाव और संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी कर दी गई है। यह दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल और गैस व्यापार मार्ग है, जहां से वैश्विक तेल व्यापार का लगभग पांचवां (1/5) हिस्सा गुजरता है। इस आपूर्ति व्यवधान के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड (कच्चा तेल) की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं, जिसका सीधा असर भारत में ईंधन के दामों पर दिख रहा है।

अमेरिका-ईरान अड़े, भारत-चीन समेत इन देशों की बढ़ी टेंशन

सेफ सप्लाई के लिए अब आगे का प्लान

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच मूडीज रेटिंग्स की एक रिपोर्ट आई है। इसमें कई तरह की संभावनाएं जाहिर की गई हैं। उसने कहा है कि भारत और तेल आयात करने वाले दूसरे देश एनर्जी सप्लाई सुरक्षित करने के लिए द्विपक्षीय रूप से बातचीत कर सकते हैं। मुमकिन है कि ट्रांजिट कॉरिडोर के जरिये। लेकिन, 2026 में युद्ध से पहले के ट्रैफिक वॉल्यूम पर वापस लौटना मुश्किल है।

भू-राजनीतिक जोखिमों पर अपनी ग्लोबल रिपोर्ट में मूडीज ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच तत्काल और स्थायी समझौते की संभावना बहुत कम है। इसके साथ ही होर्मुज स्ट्रेट के पूरी तरह दोबारा खुलने के आसार भी कम हैं।

आगे इस तरह के बन रहे हालात

मूडीज ने कहा कि ट्रांजिट फ्लो धीरे-धीरे बेहतर होगा। लेकिन, यह सामान्य रूप से फिर से खुलने के बजाय द्विपक्षीय माध्यमों से होगा। इससे एनर्जी ट्रांजिट फ्लो में कुछ हद तक सुधार हो सकता है जो अभी लगभग शून्य है। लेकिन, यह प्रक्रिया धीमी, अपारदर्शी और रुकावटों के अधीन होगी।

यह बन सकता है प्लान

रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमें उम्मीद है कि तेल आयातक ईरान के साथ ट्रांजिट के लिए द्विपक्षीय रूप से बातचीत करेंगे। इनमें विशेष रूप से चीन, भारत, जापान और कोरिया शामिल हैं। यह बातचीत मुमकिन है कि कोऑर्डिनेटेड ट्रांजिट कॉरिडोर के जरिये होगी। जैसे कि लारक द्वीप के पास और ओमान के क्षेत्रीय जल क्षेत्र से। 2026 में संघर्ष से पहले के ट्रैफिट वॉल्यूम पर वापस लौटना मुश्किल है।'

मूडीज ने कहा कि भले ही अगले छह महीनों में स्ट्रेट में सुरक्षित आवाजाही फिर से शुरू हो जाए। फिर भी तेल बाजार में सप्लाई की कमी बनी रहेगी। इसके चलते ऊर्जा की कीमतें लगातार ऊंची और अधिक अस्थिर रहेंगी। इसका व्यापक असर लागत, मांग और उन उधारकर्ताओं की फाइनेंसिंग कंडीशंस पर पड़ेगा जो इस स्थिति के प्रति संवेदनशील हैं।

ऊंची बनी रहेंगी क्रूड की कीमतें

मूडीज ने अपनी 12 मई की रिपोर्ट में कहा, 'हमें अब उम्मीद है कि इस साल के ज्यादातर समय ब्रेंट क्रूड की कीमत 90-110 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में रहेगी। इसमें काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। नई घटनाओं के जवाब में कीमतें कभी-कभी इस दायरे से बाहर भी जा सकती हैं।'

ब्रेंट की कीमतें 90-110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर बनी रहने की स्थिति में मूडीज का अनुमान है कि कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ में 0.2-0.8 फीसदी की कमी आ सकती है।

भारत की स्थिति नाजुक

मूडीज ने कहा, 'भारत उन देशों में से है जो इस स्थिति से सबसे अधिक प्रभावित हो सकते हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 46 फीसदी हिस्सा मिडिल ईस्ट से आयात करता है। साथ ही यह मुद्रा के अवमूल्यन के प्रति संवेदनशील है। इसके चालू खाते और राजकोषीय प्रबंधन पर भी दबाव बना रहता है।'

मूडीज ने अपने मई के 'ग्लोबल मैक्रो आउटलुक' में साल 2026 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 0.8 फीसदी घटाकर 6 फीसदी कर दिया है।

तीसरे महीने में पहुंच चुका है संघर्ष

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष अब अपने तीसरे महीने में प्रवेश कर चुका है। इसकी शुरुआत अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान पर किए गए संयुक्त हवाई हमलों से हुई थी। इस हमले की वजह से होर्मुज स्ट्रेट बंद हो गया। यह एक अहम समुद्री रास्ता है। इससे शांति के समय दुनिया का लगभग पांचवां हिस्सा कच्चा तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) गुजरता था।

इस स्ट्रेट से समुद्री यातायात संघर्ष से पहले के स्तरों की तुलना में 90 फीसदी से ज्यादा कम हो गया है। जोखिम से बचने की कोशिश, बीमा की ज्यादा लागत और समुद्री सुरंगों की मौजूदगी की वजह से जहाजों की आवाजाही पर रोक लग गई है। ब्रेंट क्रूड की कीमतें 90 डॉलर से 120 डॉलर प्रति बैरल के बीच काफी ऊपर-नीचे होती रही हैं।

मूडीज रेटिंग्स ने दी चेतावनी

मूडीज ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की आवाजाही में आई रुकावट ग्लोबल एनर्जी फ्लो के लिए सिर्फ एक टेम्परेरी शॉक नहीं है। इसके बजाय यह सप्लाई से जुड़ा एक स्ट्रक्चरल डिस्रप्शन बन गया है। मूडीज ने यह भी कहा कि उसे उम्मीद है कि ये रुकावटें पतझड़ के मौसम तक जारी रहेंगी। मूडीज ने यह भी चेतावनी दी कि लगातार बढ़ती ऊर्जा कीमतें और ऊर्जा उत्पादों की कमी महंगाई को और बढ़ाएगी।

मूडीज ने कहा, 'इससे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में मॉनरेटरी पॉलिसी का रास्ता और मुश्किल हो जाएगा। ऊर्जा पर ज्यादा निर्भर रहने वाले क्षेत्रों में उत्पादन लागत बढ़ जाएगी। घरों की खरीदने की क्षमता कम हो जाएगी।

जोखिम वाले कर्जदारों के लिए फाइनेंसिंग की शर्तें और कड़ी हो जाएंगी।' मूडीज का अनुमान है कि 2026 में भारत में महंगाई की औसत दर 4.5 फीसदी रहेगी, जो उसके पिछले अनुमान से 1 फीसदी ज्यादा है।

राज्यसभा उम्मीदवारों पर भाजपा की बड़ी रणनीति

मदन राठौड़-भजनलाल शर्मा को मिला फ्री हैंड

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कोर कमेटी की बैठक में प्रदेश भर में चल रहे विभिन्न अभियानों और संगठनात्मक गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में राजस्थान सरकार की ओर से किसानों के हित में निकाली जा रही ग्राम रथ यात्रा पर संतोष व्यक्त किया गया। उन्होंने कहा कि इस अभियान के जरिए सरकार किसानों तक अपनी योजनाओं और जनहितकारी निर्णयों को प्रभावी रूप से पहुंचाने में सफल रही है।

बैठक में नीट परीक्षा प्रकरण पर भी चर्चा हुई। भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। डॉ. चतुर्वेदी ने कहा कि परीक्षा में अनियमितताओं की शुरुआत नासिक से हुई और बाद में यह मामला देशभर तक फैल गया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए परीक्षा रद्द कर मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी। साथ ही उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार पर रीट परीक्षा मामले में सीबीआई जांच नहीं कराने का आरोप लगाया। भाजपा सरकार बनने के बाद मामले से जुड़े दोषियों तक पहुंचने का प्रयास किया गया।

डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि बैठक में अधिकांश सदस्य प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित रहे, जबकि कुछ वरिष्ठ नेता वर्चुअल माध्यम से जुड़े। इनमें सी.पी. जोशी, अर्जुनराम मेघवाल, अलका गुर्जर और सतीश पूनिया शामिल रहे। भूपेंद्र यादव तकनीकी कारणों से बैठक में शामिल नहीं हो सके। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने पारिवारिक कारणों से शुभकामनाएं भेजीं।

बैठक में संगठनात्मक प्रशिक्षण वर्गों की समीक्षा भी की गई। वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और संगठनात्मक मार्गदर्शन पर संतोष जताया।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। भाजपा नेताओं ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों और रूस-यूक्रेन संकट के बावजूद भारत में कीमतों में सीमित वृद्धि हुई है तथा केंद्र सरकार ने सब्सिडी देकर आमजन को राहत दी।

राज्यसभा चुनाव को लेकर हुई चर्चा में उपस्थित और वर्चुअल रूप से जुड़े सभी सदस्यों ने कार्यकर्ताओं की सक्रियता, संगठन के प्रति निष्ठा और पार्टी हित को ध्यान में रखते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को प्रत्याशी चयन के लिए अधिकृत किया।

नीट में भतीजे के चयन पर उठे सवाल तो बीजेपी एमएलए ने तोड़ी चुप्पी

डोटासरा के आरोपों पर किया तीखा पलटवार

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। पेपरलीक प्रकरण को लेकर अब राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जमवारामगढ़ विधायक महेंद्र पाल मीना के भतीजे के चयन को लेकर सवाल उठाए है। डोटासरा ने पोस्ट में लिखा कि पेपरलीक मामले में आरोपी दिनेश और मांगीलाल बिंवाल परिवार के बच्चों के अलावा आरोपी के करीबी नेताओं से जुड़े लोगों के नाम भी सामने आ रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि जमवारामगढ़ क्षेत्र से भाजपा विधायक महेंद्र पाल मीना के भतीजे का भी नीट 2025 में चयन हुआ है। डोटासरा ने आरोपी दिनेश के कथित बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें 'बड़े लोगों' के शामिल होने की बात कही गई थी। उन्होंने मामले की निष्पक्ष और गहराई से जांच की मांग करते हुए कहा कि लाखों युवाओं के भविष्य से जुड़े इस प्रकरण में पूरे नेटवर्क का खुलासा होना चाहिए।

कस्बे में जांच एजेंसियों की चर्चा नीट-2026 पेपरलीक मामले में कस्बा निवासी मांगीलाल बिंवाल, दिनेश बिंवाल और विकास बिंवाल की गिरफ्तारी के बाद जांच एजेंसियों की गतिविधियां लगातार चर्चा में हैं। इससे पहले सीबीआइ द्वारा आरोपियों के घरों पर कार्रवाई भी की जा चुकी है। कस्बे में जांच एजेंसियों की मौजूदगी को लेकर चर्चाएं होती रही।

विधायक महेंद्र पाल मीना ने डोटासरा के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उनके परिवार का नीट पेपरलीक मामले से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके चाचा के पोते धर्मचंद मीना ने मेहनत के दम पर सफलता हासिल की है। विधायक ने कहा, 'सांच को आंच नहीं। जांच एजेंसियां अपना काम कर रही हैं। जांच में दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।' उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस शासनकाल में भी पेपरलीक के कई मामले सामने आए थे।

विधायक के चचेरे भाई सुखपाल मीनाने कहा कि मेरे बेटे धर्मचंद व छोटे भाई धर्मपाल के बेटे रोहित ने नीट-2025 की परीक्षा दी थी। पेपर आता तो दोनों पास होते। जिसमें धर्मचंद का चयन हुआ था और रोहित का चयन नहीं हो सका था। पेपर लीक से हमारा कोई संबंध नहीं है।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने मुख्यमंत्री के पुराने बयान का हवाला देते हुए पूछा कि पेपरलीक के 'मगरमच्छ' आखिर कब पकड़े जाएंगे। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फिलहाल पूरे मामले में लोगों की नजर जांच एजेंसियों की आगामी कार्रवाई और आधिकारिक निष्कर्षों पर टिकी हुई है।

जानकारी के अनुसार धर्मचंद मीना ने नीट 2025 परीक्षा में 720 में से 465 अंक प्राप्त कर एसटी वर्ग में 781वीं रैंक हासिल की थी। वर्तमान में वह मुंबई मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष में अध्ययनरत है। परिवार के एक अन्य सदस्य ने भी नीट परीक्षा दी थी, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली।

क्षेत्र में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर है कि बिंवाल परिवार के पांच बच्चों का एक साथ नीट परीक्षा में चयन हुआ था। इसी मामले को लेकर सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में लगातार सवाल उठ रहे हैं। हालांकि अब तक जांच एजेंसियों की ओर से विधायक या उनके परिवार के खिलाफ कोई आधिकारिक आरोप सार्वजनिक नहीं किया गया है।

भारत-पाक बॉर्डर पर ड्रोन से बरस रहे थे 'हथियार और हेरोइन'

पकड़े गए तस्कर सुखविन्द्र ने कबूलीं 10 बड़ी वारदातें

बीकानेर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर संभाग के सीमावर्ती इलाकों में सीमा पार बैठे पाकिस्तानी तस्करों और भारतीय दलालों का एक बेहद संगठित और आधुनिक नेटवर्क सक्रिय था, जिसे बीकानेर पुलिस ने पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। खाजूवाला बॉर्डर क्षेत्र से दबोचे गए कुख्यात तस्कर सुखविन्द्र उर्फ सोनू से जब सुरक्षा एजेंसियों, खुफिया विभागों और राजस्थान पुलिस की संयुक्त विंग ने पूछताछ की, तो देश की सीमा पर मंडरा रहे ड्रोन के खतरे का एक डरावना सच सामने आ गया।

सुखविन्द्र ने स्वीकार किया है कि वह लंबे समय से भारत-पाक सीमा पर पाकिस्तानी हैंडलरों के इशारे पर ड्रग्स और घातक हथियारों की खेप भारतीय सरजमीं पर रिसीव कर रहा था। बीकानेर के पुलिस अधीक्षक (SP) मृदुल कच्छावा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सुखविन्द्र का सीधा संपर्क सीमा पार बैठे बड़े पाकिस्तानी ड्रग हैंडलर्स से था।

शुरुआती दौरः सुखविन्द्र पहले पाकिस्तान के कुख्यात हैंडलर 'चाचा' के नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। 'चाचा' ही ड्रोन के रूट और ड्रॉपिंग लोकेशन तय करता था।

लंबरदार का टेकओवरः करीब तीन साल पहले हार्ट अटैक से 'चाचा' की अचानक मौत हो गई। इसके बाद इस पूरे ब्लैक नेटवर्क की कमान पाकिस्तान के नए हैंडलर 'लंबरदार' ने संभाल ली।

सैकड़ों हथियारों की डिलीवरीः सुखविन्द्र ने कबूला है कि वह इन दोनों पाकिस्तानी आकाओं के जरिए अब तक करीब 100 किलो हाई-क्वालिटी हेरोइन और सैकड़ों की तादाद में अवैध पिस्टल्स और कारतूस भारत के अलग-अलग राज्यों (विशेषकर पंजाब) में सप्लाई कर चुका है।

इस पूरे इंटरनेशनल सिंडिकेट के बेनकाब होने की कहानी इस साल फरवरी महीने से जुड़ी है। फरवरी में पाकिस्तानी

तस्करों ने एक बेहद शक्तिशाली और भारी-भरकम ड्रोन (वजन 17.50 किलोग्राम) भारत की तरफ भेजा था।

खतरनाक पेलोडः इस ड्रोन में 'मेड इन चाइना' 5 अत्याधुनिक पिस्टल्स और 325 जिंदा कारतूस बंधे हुए थे।

तकनीकी खराबीः पाकिस्तानी तस्करों की बदकिस्मती और बीएसएफ की मुस्तैदी के चलते, यह ड्रोन सीमा पार करने के बाद तकनीकी खराबी का शिकार हो गया।

खेत में क्रैशः यह ड्रोन सीमा से करीब दो किलोमीटर अंदर खाजूवाला के 'चक 24 केएनडी' क्षेत्र में एक सरसों के खेत में जाकर क्रैश हो गया। सीमा सुरक्षा बल और लोकल पुलिस ने मौके पर पहुंचकर इस ड्रोन और हथियारों के जखीरे को जब्त कर लिया था। यह बीकानेर सेक्टर में ड्रोन से हथियार तस्करी का पहला सबसे बड़ा और पुख्ता सबूत था।

पुलिस को तस्कर सुखविन्द्र के पास से एक स्मार्टफोन बरामद हुआ है, जिसका सीधा कनेक्शन पंजाब की फरीदकोट जेल से मिला है।

पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि तस्कर सुखविन्द्र जेल में रहने के दौरान और बाहर आने के बाद भी लगातार इस सीक्रेट मोबाइल के जरिए पाकिस्तान और भारतीय गुर्गों से संपर्क में था। इस मोबाइल के डेटा, चैट हिस्ट्री और इंटरनेशनल कॉलिंग रिकॉर्ड्स से कई बड़े संदिग्ध नंबरों और करोड़ों रुपयों के हवाला लेनदेन की जानकारी मिली है। फरीदकोट में जेल नियमों के उल्लंघन और मोबाइल मिलने का अलग से केस दर्ज किया गया है।

सुखविन्द्र के इस चौंकाने वाले कबूलनामे के बाद राजस्थान पुलिस विभाग में बड़ा फैसला लिया गया है। जिन 10 ड्रोन-ड्रॉप की वारदातों को सुखविन्द्र ने कबूला है, उनमें से कई मामलों में पहले पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला था, जिसके चलते उन्हें 'अदम वकू' (घटना प्रमाणित न होना) मानकर अंतिम रिपोर्ट (FR) लगा दी गई थी और फाइलें बंद कर दी गई थीं।

री-ओपन होंगे केसः अब इन सभी 10 बंद पड़े मामलों की फाइलों को दोबारा खोला जा रहा है।

ज्वाइंट ऑपरेशनः बीकानेर, श्रीगंगानगर और पंजाब पुलिस की एक संयुक्त विंग बनाई गई है जो इस नेटवर्क के अन्य गुर्गों की तलाश में जुटी है।

7 साथियों के नाम उजागरः सुखविन्द्र ने अपने जिन 7 मुख्य मददगार साथियों के नाम बताए हैं, उनमें से 4 श्रीगंगानगर बॉर्डर के और 3 पंजाब के रहने वाले हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए ताबड़तोड़ दबिश दी जा रही है।

राजस्थान की भारत-पाकिस्तान सीमा पर पारंपरिक घुसपैठ के बजाय अब 'ड्रोन' तकनीक सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। बीकानेर पुलिस की यह कार्रवाई न केवल राज्य बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिहाज से एक बड़ी कामयाबी है। अब देखना यह है कि सुखविन्द्र के सात साथियों की गिरफ्तारी के बाद पंजाब के ड्रग सिंडिकेट के कितने बड़े चेहरों से नकाब उतरता है।

मेड़ता सिटी के पास भीषण सड़क हादसा

रोडवेज बस और कार की टक्कर में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत, 8 घायल

नागौर, 17 मई (एजेंसियां)। अजमेर-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। चकढाणी गांव की सरहद के पास एक कार और रोडवेज बस में आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और रोडवेज बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में उतर गई। इस हादसे में कार सवार एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो बच्चों समेत 8 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी लोग जोधपुर जिले के रहने वाले थे और एक ही परिवार के सदस्य थे। वे सभी प्रसिद्ध संत चतुरदास महाराज के दर्शन के लिए बुटाटी धाम जा रहे थे।

इसी दौरान रविवार सुबह करीब 8 बजे चकढाणी के पास सामने से आ रही रोडवेज बस से उनकी कार की जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतकों में दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही कुचेरा थानाधिकारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं, सूचना पर 108 एम्बुलेंस के चालक हरेंद्र तेतरवाल भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से भारी मशक्कत के बाद कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला और तुरंत अस्पताल पहुंचाया।

सभी घायलों को सबसे पहले प्राथमिक उपचार के लिए रेण के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से गंभीर रूप से घायल जशोदा, संतोष और एक अन्य सहित तीन लोगों को बेहतर इलाज के लिए मेड़ता उप-जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने चारों मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए कुचेरा अस्पताल की मोर्चरी (शवगृह) में रखवा दिया है।

पुलिस ने दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर छा गई है।

जन्नत जाने की चाह ने बनाया कातिल; नमाज पढ़ आरोपी ने मासूम को उतारा मौत के घाट, बोला- कुर्बानी दी

पाली, 17 मई (एजेंसियां)। पाली जिले के शिवपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम रामासनी सांदवान में 10 वर्षीय बालक आरिफ की नृशंस हत्या के मामले का पुलिस ने महज 24 घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक के पड़ोसी युवक शेरू खान ने ही इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने पूछताछ में दावा किया कि उसने "जन्नत पाने" की सोच के तहत बालक की हत्या की।

जिला पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन ने बताया कि 14 मई 2026 की शाम शिवपुरा थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि रामासनी सांदवान स्थित तालाब की पाल पर 10 वर्षीय आरिफ पुत्र फिरोज खान का शव पड़ा है। बच्चे का गला धारदार हथियार से रेता गया था। सूचना मिलते ही पुलिस, एफएसएल और एमओबी टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए।

घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश और तनाव का माहौल बन गया था। शव के पास मिली कुछ सामग्री के चलते सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका भी जताई जा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयसिंह तंवर, डीएसपी रतनाराम देवासी और थानाधिकारी भंवरलाल के नेतृत्व में विशेष टीमें गठित की गईं।

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और घटनास्थल से जुड़े तथ्यों का विश्लेषण किया। इसी दौरान मृतक के पड़ोसी शेरू खान की गतिविधियां संदिग्ध पाई गईं। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की, जिसमें उसने हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी शेरू खान (20) ने वारदात से पहले नमाज पढ़ी और हत्या के दौरान कलमा पढ़ते हुए इसे "कुर्बानी" बताया। आरोपी ने कथित तौर पर कहा कि उसने खुद और बच्चे को "जन्नत दिलाने" की सोच के तहत यह कदम उठाया।

अगले सप्ताह से चलेगी लू, मौसम विभाग ने 8 जिलों के लिए जारी किया 'यलो अलर्ट'

जयपुर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में फिलहाल मौसम का मिजाज सामान्य बना हुआ है, लेकिन बहुत जल्द प्रदेशवासियों को भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि अगले सप्ताह से राज्य के तापमान में भारी बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। रविवार को ही विभाग ने प्रदेश के 8 जिलों में हीटवेव का 'यलो अलर्ट' जारी कर दिया है। मौसम केंद्र के मुताबिक, आगामी 3 से 4 दिनों तक राज्य में बारिश की कोई संभावना नहीं है। आसमान पूरी तरह साफ रहने के कारण दिन और रात, दोनों के तापमान में तेजी से उछाल आएगा। विशेषकर पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के जिलों में लू चलने का सबसे ज्यादा असर देखा जा सकता है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान सामान्य या उससे थोड़ा कम रहा। सीकर, हनुमानगढ़, जालोर और सिरोही जैसे जिलों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। वहीं बीकानेर, चूरू, बाड़मेर और जैसलमेर में यह 40 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। फलोदी राज्य का सबसे गर्म क्षेत्र रहा, जहां अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इसके बाद बाड़मेर में पारा 42.8 डिग्री तक पहुंच गया। राजधानी जयपुर की बात करें तो वहां भी तापमान 1.7 डिग्री की बढ़ोतरी के साथ 41.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जबकि रात का न्यूनतम तापमान 28.8 डिग्री दर्ज हुआ।

जीएसएस में लगी भीषण आग

आसमान में उठा धुएं का गुबार देख सहमे लोग

जैसलमेर, 17 मई (एजेंसियां)। जैसलमेर जिले के चेलक गांव से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां स्थित बिजली विभाग के जीएसएस (ग्रिड सब स्टेशन) परिसर में रविवार सुबह अचानक भयानक आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते उसने विकराल रूप धारण कर लिया। इस हादसे की वजह से पूरे इलाके में अफरा-तफरी और हड़कंप मच गया। चश्मदीदों के मुताबिक, आग की लपटें इतनी तेज थीं कि परिसर में रखा एक बड़ा ट्रांसफॉर्मर पूरी तरह जलकर राख हो गया। वहीं, पास में ही मौजूद दूसरा ट्रांसफॉर्मर भी इस आग की चपेट में आ गया, जिससे उसे भी भारी नुकसान पहुंचा है। आग का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आसमान में उड़ता हुआ काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से ही साफ दिखाई दे रहा था।

त्रिवेणी धाम मंदिरों से साढ़े 7 किलो चांदी और दान पेटियां ले उड़े चोर

कोटपूतली-बहरोड़, 17 मई (एजेंसियां)। कोटपूतली-बहरोड़ के प्रसिद्ध त्रिवेणी धाम में चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए दो मंदिरों से लाखों रुपये की चांदी और दान पेटियों में रखी नकदी चोरी कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुबह मंदिर के कपाट खुलने पर चोरी का पता चला, जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण, श्रद्धालु और मंदिर समिति के सदस्य मौके पर पहुंच गए। चोरों ने त्रिवेणी धाम स्थित श्री गणेश जी मंदिर और पंचमुखी हनुमान जी मंदिर को निशाना बनाया। बदमाश मंदिरों से करीब 7 किलो 500 ग्राम चांदी के आभूषण और धार्मिक सामग्री चोरी कर ले गए। इनमें करीब 3 किलो 250 ग्राम वजन का चांदी का छत्र और लगभग 4 किलो 250 ग्राम वजन के चांदी के मुकुट शामिल बताए जा रहे हैं। इसके अलावा मंदिर परिसर में रखी दान पेटियों को तोड़कर उनमें रखी नकदी भी चुरा ली गई। मंदिर समिति के अनुसार, चोरी की वारदात रात करीब 1:10 बजे से 1:50 बजे के बीच हुई। खास बात यह रही कि करीब 1:40 बजे पुलिस चौकी के जवान क्षेत्र में गश्त कर रहे थे, इसके बावजूद चोर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। इससे स्थानीय लोगों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी देखने को मिली।

जिला मंत्री ने बांसवाड़ा में की सुसाइड

घरेलू विवाद बताया जा रहा है कारण

बांसवाड़ा, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान बीजेपी के संगठन के नेताओं को हैरान करने वाली खबर मिल रही है। दरअसल, प्रदेश के बांसवाड़ा से चौंकाने वाली खबर मिली है। यहां बांसवाड़ा बीजेपी संगठन के बड़े नेता फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली है। जानकारी मिली है कि बीजेपी नेता ने घर में ही फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। छोटी सरवन क्षेत्र के ग्राम पंचायत छायनबड़ी के जुनाखेड़ा निवासी अर्जुन मईडा बांसवाड़ा में बीजेपी में जिला मंत्री थे। 52 वर्षीय मईडा को लेकर यह जानकारी मिली है कि वे काफी दिनों से घरेलू क्लेश के चलते परेशान थे। अचानक इस घटना से परिजन और समर्थक भी हैरान है। सूचना मिलने के बाद क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में शोक की लहर है। मईडा के घर लोगों को जुटने का सिलसिला जारी है। बांसवाड़ा बीजेपी पदाधिकारियों के अनुसार मईडा ने बीपी के सक्रिय सदस्य के रूप में जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई थी।

नाकाबंदी तोड़ भाग रही थी थार, पीछा करते हुए पुलिस की कार टकराई, जांबाज कांस्टेबल की मौत, सीआई घायल

झुंझुनूं, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस के लिए रविवार की सुबह बेहद दुखद साबित हुई। जब हरियाणा नंबर की संदिग्ध थार का पीछा करते समय झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ थाना पुलिस का वाहन अनियंत्रित होकर खेजड़ी के पेड़ से जा भिड़ा। हादसे में पुलिस वाहन चला रहे कांस्टेबल भींवाराम मेघवाल ने ड्यूटी के दौरान शहादत (मौत) हो गई , जबकि नवलगढ़ थाना प्रभारी सीआई अजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। दुखद हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पुलिस कप्तान कावेन्द्रसिंह सागर के मुताबिक, सीकर जिले के दादिया थाना क्षेत्र में सुबह 3 बजे से 6 बजे तक पुलिस नाकाबंदी चल रही थी। इसी दौरान हरियाणा नंबर की एक थार पुलिस को चकमा देकर बैरिकेड तोड़ते हुए नवलगढ़ (झुंझुनूं) की ओर फरार हो गई। सूचना मिलते ही नवलगढ़ थाना पुलिस तुरंत हरकत में आई और संदिग्ध वाहन का पीछा शुरू कर दिया। पुजारी की ढाणी के पास बदमाशों ने अचानक कच्चे रास्ते की ओर यूटर्न ले लिया। तेज रफ्तार में पीछा कर रही पुलिस की गाड़ी संतुलन खो बैठी और सडक़ किनारे खड़ी खेजड़ी से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के एयरबैग खुल गए और गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

हादसे में गंभीर रूप से घायल कांस्टेबल भींवाराम मेघवाल (42), निवासी भोडकी, गुढ़ागौडज़ी, को पहले नवलगढ़ अस्पताल और बाद में सीकर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। उनके निधन की खबर से पुलिस विभाग और पूरे शेखावाटी क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

जिम में हिडन कैमरा, मोबाइल में अश्लील वीडियो

पत्नी ने खोली ट्रेनर की काली करतूतों की पोल

अजमेर, 17 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले के किशनगढ़ से मानवता को शर्मसार करने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां एक जिम ट्रेनर पर जिम और अपने घर में हिडन कैमरे लगाकर युवतियों और महिलाओं के अश्लील वीडियो बनाने और उन्हें ब्लैकमेल करने के गंभीर आरोप लगे हैं. इस पूरे मामले का खुलासा किसी और ने नहीं बल्कि आरोपी की अपनी पत्नी ने किया है. पीड़िता ने मदनगंज थाने में शिकायत दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई, जिसके बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया. आरोपी जिम ट्रेनर हाल ही में मारपीट के एक अन्य मामले में गिरफ्तार होकर जेल गया था. पति के जेल जाने के बाद जब उसकी पत्नी ने उसका मोबाइल फोन चेक किया, तो उसमें कई महिलाओं और युवतियों के आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें मिलीं. यह देखकर पत्नी के होश उड़ गए और पूरे मामले का खुलासा हुआ.

पीड़िता का आरोप है कि आरोपी जिम ट्रेनर जिम में आने वाली महिलाओं और युवतियों को निशाना बनाता था. वह उनके अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर उन्हें ब्लैकमेल करता था और इस तरह उनका शोषण करता था.

शिकायत में पीड़िता ने बताया कि आरोपी पति ने उसके भी कुछ आपत्तिजनक वीडियो बना रखे थे. इन वीडियो के आधार पर वह पत्नी को लगातार प्रताड़ित कर रहा था और ब्लैकमेल कर रहा था.

जेईई एडवांस्ड 2026 में फिजिक्स सबसे कठिन

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को आयोजित जेईई एडवांस्ड 2026 परीक्षा में छात्रों के लिए भौतिक विज्ञान (फिजिक्स) सबसे कठिन विषय साबित हुआ, जबकि रसायन विज्ञान (केमिस्ट्री) अपेक्षाकृत आसान रहा। छात्रों ने गणित को मध्यम स्तर का लेकिन समय लेने वाला बताया। परीक्षा में दो प्रश्नपत्र- पेपर-I और पेपर-II शामिल थे। दोनों पेपर 180 अंकों के थे, जिनमें गणित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान के लिए 60-60 अंक निर्धारित थे। छात्रों के अनुसार, पेपर-II अधिक लंबा और कठिन था, जिसमें गहरी वैचारिक समझ और जटिल गणनाओं की आवश्यकता पड़ी। कई अभ्यर्थियों ने बताया कि फिजिक्स के प्रश्नों को हल करना चुनौतीपूर्ण था, जबकि गणित में लंबी गणनाओं के कारण अधिक समय लगा।

वहीं, केमिस्ट्री के कई प्रश्न सीधे एनसीईआरटी आधारित होने के कारण अपेक्षाकृत आसान रहे, हालांकि कुछ सवाल भ्रमित करने वाले भी थे। परीक्षा देने वाले छात्र धनुष कुमार ने कहा कि गणित के सवालों में काफी समय लगा और फिजिक्स कठिन रहा, लेकिन कुल मिलाकर परीक्षा अच्छी हुई।

दक्षिण मध्य रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/एससी/54-68/2026/ओटी, दि.13-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.10-06-2026 के 14.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

1. ई-निविदा संख्याः 54_सीआर_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः घानपुर-जीएनपी स्टेशन पर, नया 3 मी. चौडा एफओबी(आरडीएसओ स्टैण्डर्ड)सहित मौजूदा नान-स्टैण्डर्ड एफओबी का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.2,17,19,613.00 अग्रधन रु.4,34,400.00 कार्य पूरा करने की अवधिः9 महिने रखरखाव अवधिः36 महिने

2. ई-निविदा संख्याः 55_सीआर_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः एससी-केजेडजे सेक्शन-तत्संबंधित केजेडजे यार्ड पर यार्ड सुधार कार्य से संबंधित डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, डायमण्ड क्रासिन्ग को बिछाना व आपूर्ति करना (दो आबट्यस & एक्यूट क्रासिन्स)।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.4,52,78,010.00 अग्रधन रु.9,05,600.00 कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने रखरखाव अवधिः36 महिने

3. ई-निविदा संख्याः 56_सीआर_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः एससी-केजेडजे सेक्शनः आरएफ हेतु अस्थायी कार्यात्मक आवश्यकताओं का विनिर्देशन (एफआरएस)--आगमनशील ट्रेन चेतावनी प्रणाली(एटीडब्ल्यूएस) आधारित & वाइब्रेशन-पटरियों के रखरखावकर्ताओं या ट्रैक मेनटेनर्स के लिए तत्संबंधित आधारित आगमनशील ट्रेन चेतावनी प्रणाली(एटीडब्ल्यूएस-ग्रूपिन्ग) -के बारे में।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.54,12000.00 अग्रधन रु.1,08,300.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 03 महिने रखरखाव अवधिः 24 महिने

4. ई-निविदा संख्याः 57_सीआर_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः डब्ल्यूडी-एससी-केजेडजे सेक्शनःहैदराबाद-तत्संबंधित हैदराबाद पर पाइण्ट नं.41 की स्लूइन्ग, रोड नं.05 & 6 सीएसआर का संवर्धन।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.50,18033.00 अग्रधन रु.1,00,400.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 06 महिने रखरखाव अवधिः 06 महिने

5. ई-निविदा संख्याः 58_सीआर_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) सनतनगर फ्राइट डिपोःएसएनएजी यार्ड पर वेल्डिंग सुविधाओं का प्रावधान & एटीसी हास्टल बिल्डिंग की पहली मंजिल पर सर्विस बिल्डिंग का प्रावधान। एसडब्ल्यू 2) काजीपेटः डीएलएस/केजेडजे पर एक्सप्रेस बे शेड का परिवर्तन।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.1,76,67,230.00 अग्रधन रु.3,53,400.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने रखरखाव अवधिः 36 महिने

6. ई-निविदा संख्याः 59_सीआर_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः काजीपेटः 3 वर्ष की अवधि हेतु 50 केएलडी क्षमता युक्त सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लान्ट या संयंत्र का वार्षिक संचालन व रखरखाव।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.18,87,812.00 अग्रधन रु.37,800.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 36 महिने रखरखाव अवधिः शून्य

7. ई-निविदा संख्याः 60_एन_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः मंचेरियाल-गोदावरी पुष्करम-2027 के दौरान एमसीआई पर यात्रियों हेतु अतिरिक्त सुविधाओं का प्रावधान।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.11,54,33,208.00 अग्रधन रु.23,08,700.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने रखरखाव अवधिः 36 महिने

8. ई-निविदा संख्याः 61_एन_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः रामगुण्डम-गोदावरी पुष्करम-2027 के दौरान आरडीएम पर यात्रियों हेतु अतिरिक्त सुविधाओं का प्रावधान।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.7,07,78,529.00 अग्रधन रु.14,15,600.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने रखरखाव अवधिः 36 महिने

9. ई-निविदा संख्याः 62_एन_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः बीपीक्यू-एमएजीएच & एमएजीएच-जीडीसीआर सेक्शन्सः बीपीक्यू-एमएजीएच — एमएजीएच & जीडीसीआर स्टेशनों के बीच एलसीज रोड सरफेस, गेट लाजेस का सुधार कार्य तथा एसआर. डीइएन/नार्थ/एससी सेक्शन में एडीइएन/बीपीए सब डिवीजन के तहत एमएजीएच - जीडीसीआर स्टेशनों के बीच स्टैण्डर्ड हाइट गेजेस का प्रावधान।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.95,54,179.00 अग्रधन रु.1,91,100.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने रखरखाव अवधिः 36 महिने

10. ई-निविदा संख्याः 63_एस_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः केजेडजे-बीजेडए & एमटीएमआई-जेपीटीएन सेक्शन्सः एडीइएन/एस/केजेडजे, एडीइएन /डीकेजे & एडीइएन /एमडीआर सब-डिवीजनों के तहत मानसून या बरसात के दौरान निर्जलीकरण तथा मौजूदा आरयुबी/पुल स्थानों से कीचड साफ करना।
अनुमानित निविदा मूल्य रु.1,75,05,892.00 अग्रधन रु.3,50,100.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने रखरखाव अवधिः शून्य

11. ई-निविदा संख्याः 64_एस_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः एमटीएमआई-जेपीटीएनः 20.40 एम आरएच गिर्डर का उपयोग करते हुए एयर पुषिंग पध्दति द्वारा मोटुमर्री-मक्कापेटा स्टेशनों के बीच प्रिकास्ट आरसीसी बाक्स साइज 1X5.50X5.00एम के रूप में किमी 4/2-3 पर एलसी नं.5 के स्थान पर किमी 4/1-2 पर आरयुबी (सबवे) का प्रस्तावित निर्माण कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य रु. 9,23,02,048.00 अग्रधन रु.18,46,100.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने रखरखाव अवधिः 48 महिने

12. ई-निविदा संख्याः 65_एस_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः केजेडजे-बीजेडए सेक्शन-20.40एम आरएच गिर्डर का इस्तेमाल करते हुए एयर पुषिंग पध्दति द्वारा नेकोण्डा-इन्टिकन्ने स्टेशनों के बीच किमी 411/9-11 पर प्रिकास्ट आरसीसी बाक्स साइज 2 X6.00X3.00एम +2X 6.00X3.00 के रूप में नई पुल सं.539ए (एडीशनल वेन्ट वे) (अप, डाउन &-तीसरी लाइन पोर्शन) का प्रस्तावित निर्माण कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य रु. 8,84,35,507.00 अग्रधन रु.17,68,700.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने रखरखाव अवधिः 48 महिने

13. ई-निविदा संख्याः 66_एस_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) केजेडजे-केआई (डीएन & अप) & केआरए-एसवाईआई (एसएल) सेक्शंसः अनुलग्नक नुसार पीक्यूआरएस & टीआरटी पध्दतियों द्वारा कुल लम्बाई 20.352 किमी हेतु रिकुपमेन्ट सहित बाल्लास्ट कुशन की 35 सेमी. तक वृध्दि करना तथा बाल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग से संबंधित सीटीआर (पी) कार्य।
एसडब्ल्यू 2) केजेडजे-केआई सेक्शन (डीएन & अप लाइन)- रिकुपमेन्ट सहित बाल्लास्ट कुशन की 35 सेमी. तक वृध्दि करना तथा पूरे बाल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग से संबंधित टीएसआर (पी) कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य रु. 3,51,77,354.00 अग्रधन रु.7,03,600.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने रखरखाव अवधिः 60 (दिन)

14. ई-निविदा संख्याः 67_एस_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः एसडब्ल्यू 1) केजेडजे-केआई (डीएन & अप) सेक्शनः अनुलग्नक नुसार पीक्यूआरएस & टीआरटी पध्दतियों द्वारा कुल लम्बाई 2.800 किमी हेतु रिकुपमेन्ट सहित बाल्लास्ट कुशन की 35 सेमी. तक वृध्दि करना तथा बाल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग से संबंधित सीटीआर (पी) कार्य। एसडब्ल्यू 2) केजेडजे-केआई (डीएन & अप लाइन) सेक्शनः एडीइएन/एमडीआर क्षेत्राधिकार के तहत अनुलग्नक नुसार पीक्यूआरएस& टीआरएस पध्दतियों द्वारा कुल लम्बाई 23.200 किमी हेतु रिकुपमेन्ट सहित बाल्लास्ट कुशन की 35 सेमी. तक वृध्दि करना तथा बाल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग से संबंधित टीएसआर (पी) कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य रु. 3,13,68,200.00 अग्रधन रु.6,27,400.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने रखरखाव अवधिः 60 (दिन)

15. ई-निविदा संख्याः 68_एनडब्ल्यू_एससी_26_ओटी कार्य विवरणः खानापूर (केएचएनपी) पर टाइप-II क्वार्टर्स-7 नंबर्स का निर्माण कार्य।
अनुमानित निविदा मूल्य रु. 2,67,08,426.00 अग्रधन रु.5,34,200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने रखरखाव अवधिः 36 महिने

निविदाकार केवल ई-टेंडरिंग के माध्यम से ही भाग ले सकते हैं तथा किसी भी मैन्युएल आफर्स पर विचार नही किया जायेगा।

आईआरईपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण दिया गया है, जिसे डाउनलोड किया जा सकता है, जिसमे भाग लिया जा सकता है तथा तत्संबंधित यदि कोई परिवर्तन हो तो उसे देखा जा सकता है।

सभी भावी निविदाकारो से अनुरोध है कि, अग्रधन (इएमडी) का भुगतान केवल आनलाइन पेमेन्ट्स/बीजी के माध्यम से ही करें।

एसआर. डीइएन/को-आर्ड./सिकंदराबाद

ई-निविदा सं. इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-04-2026-27 दि.13-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.05-06-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं.- बी/ई-221/टीआरएस/आरसी/577 ई-टेंडर नं. इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-04-2026-27 दि.13-05-2026 कार्य विवरणः तीन (03) वर्ष की अवधि हेतु इलेक्ट्रिक लोको शेड, विजयवाडा पर मोटराइज्ड पाइण्ट्स के लिए वार्षिक रखरखाव ठेका।

निविदा मूल्य रु. 10,78,014.96 अग्रधन रु.21,600.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 36 महिने निविदा दस्तावेज मूल्य रु शून्य निविदा बंद करने की तिथि व समयः 05-06-2026 के 15.00 बजे

वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसै संपूर्ण कार्य की जानकारी, उपरोक्त कार्य संबंधित तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि दिया गया है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पूर्व वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता/टीआरएस/इएलएस/विजयवाडा

ई-निविदा सूचना संख्याः जीएनटी/ई.01/टीआरडी/2026-27

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ठेकेदारों सेदि.10-06-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संदर्भ संख्याः जीएनटी/ई.01/टीआरडी/2026-27 निविदा शीर्षकः जीएनटी डिवीजन-1.नई ओएचइ स्ट्रक्चर्स के साथ ट्रैक रेजिंग के कारण लीनींग/क्रीटीकल व लेस्स कान्टैक्ट वायर हाइट ओएचइ स्ट्रक्चर्स का प्रतिस्थापन। तथा 2. जीएनटी डिवीजन में रस्टेड या जंग लगे हुए कैन्टिलेवर्स, जीर्ण-शीर्ण इंसुलेटर्स एवं कम्पोजिट इंसुलेटर्स का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेन्ट कार्य। अनुमानित मूल्य रु.5,02,24,168.00 अग्रधन रु.10,04,500.00 निविदा प्रपत्र मूल्य (गैर-वापसी) रु. शून्य

ई-बोली या ई- बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 10-06-2026 के 15.30 बजे

यदि निविदा खोलने की तय तिथि को तदनंतर अवकाश घोषित होता है तो निविदाओं को उसके अगले कार्यदिवस में खोला जायेगा।

किसी भी विस्तृत विवरण हेतु दि.13-05-2026 से दि.10-06-2026 के 15.30 बजे तक वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लाग आन करें।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी/गुंटूर

टीजीएसआरटीसी इलेक्ट्रिक बस प्रबंधन में देश में अग्रणी : नागी रेड्डी

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वाई. नागी रेड्डी ने कहा है कि देश में पहली बार तेलंगाना में इलेक्ट्रिक बसों का सफल संचालन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य प्रदूषण को कम करना है। उन्होंने बताया कि टीजीएसआरटीसी इलेक्ट्रिक बसों के प्रभावी प्रबंधन के मामले में पूरे देश के लिए एक मॉडल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में अधिक से अधिक पर्यावरण अनुकूल इलेक्ट्रिक बसों को शामिल करने का लक्ष्य है, जिससे हैदराबाद को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त शहर बनाने की दिशा में काम किया जा सके। नागी रेड्डी ने यह भी कहा कि टीजीएसआरटीसी सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) के उपयोग में देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। रविवार को उत्तराखंड के मसूरी में राज्य सड़क परिवहन उपक्रमों के संगठन एएसआरटीयू (एसोसिएशन ऑफ स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग्स) का अखिल भारतीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष तथा टीजीएसआरटीसी के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वाई. नागी रेड्डी ने की। प्रबंध निदेशक ने बताया कि बदलते समय के अनुरूप निगम न केवल यात्रियों को बेहतर सेवाएं देने के लिए आधुनिक तकनीक अपना रहा है, बल्कि अपने आंतरिक कार्यों का भी डिजिटलीकरण कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि आरटीसी गैरेज प्रबंधन में उन्नत तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है, जो संगठन का महत्वपूर्ण केंद्र है। उन्होंने कहा कि वाहन फिटनेस, स्पेयर पार्ट्स की उपलब्धता और रखरखाव शेड्यूल को पूरी तरह डिजिटल प्रणाली के माध्यम से ट्रैक किया जा रहा है, जिससे बसों की कार्यक्षमता में सुधार हुआ है और यात्रियों को अधिक सुरक्षित एवं भरोसेमंद सेवाएं मिल रही हैं।

पीएम मोदी को मिला स्वीडन का सर्वोच्च सम्मान

'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' से नवाजे गए

गुटेनबग, 17 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वीडन का प्रतिष्ठित पुरस्कार 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें भारत और स्वीडन के बीच संबंधों को मजबूत करने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह प्रधानमंत्री मोदी का 31वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है। यह पुरस्कार को किसी भी सरकार प्रमुख को दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान माना जाता है।

'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार' की स्थापना वर्ष 1748 में की गई थी। स्वीडन की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, यह सम्मान स्वीडन या स्वीडिश हितों के लिए किए गए विशेष कार्यों, सार्वजनिक गतिविधियों में योगदान और सरकारी जिम्मेदारियों को सफलतापूर्वक निभाने के लिए दिया जाता है। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को दो दिन की यात्रा पर स्वीडन पहुंचे। गुटेनबर्ग हवाई अड्डे पर स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने उनका स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय ने क्या कहा :

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, स्वीडन की क्राउन प्रिंसेस विक्टोरिया ऑफ स्वीडन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'रॉयल ऑर्डर ऑफ द पोलर स्टार, डिग्री कमांडर ग्रैंड क्रॉस' सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान भारत और स्वीडन के संबंधों में उनके विशेष योगदान और उनके नेतृत्व की सराहना के लिए दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस सम्मान को भारत और स्वीडन के ऐतिहासिक संबंधों को समर्पित किया और कहा कि यह दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी प्रेम और गर्मजोशी का प्रतीक है।

आदिवासी किलों में गोंड राज का गौरवशाली इतिहास

उत्नूर किला गोंड शासन की शक्ति का प्रमाण : शोध

आदिलाबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के प्रोफेसर भुक्या बंगा ने गोंड राजाओं और उनके ऐतिहासिक किलों को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। उन्होंने 2017 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'द रूट्स ऑफ पेरिफेरी: ए हिस्ट्री ऑफ गोंड्स ऑफ डेक्कन इंडिया' में उत्नूर किले और इस क्षेत्र के आदिवासी शासकों का उल्लेख किया है। प्रोफेसर भुक्या बंगा के अनुसार, उत्नूर सहित इस क्षेत्र के खंडहर किले गोंड शासन की शक्ति और उनके संगठित राजनीतिक तंत्र के प्रमाण हैं। ये किले सिरपुर, उत्नूर और निर्मल के साथ-साथ महाराष्ट्र के कई इलाकों में भी पाए जाते हैं, जो गोंड साम्राज्य के व्यापक प्रभाव को दर्शाते हैं।

उन्होंने बताया कि गोंड राजाओं द्वारा इन किलों में भव्य दशहरा उत्सव मनाया जाता था, जिसमें किले को रोशनी और फूलों से सजाया जाता था और शाही ध्वज फहराया जाता था। राजा राजसी वस्त्र पहनकर जनता के सामने आते थे, जिससे उनकी सत्ता का प्रदर्शन होता था। पुस्तक के अनुसार, 1800 के दशक में बापू राजा ने उत्नूर किले पर कब्जा किया था, जिसके बाद उनके पुत्र हनुमंत राव शासक बने। बाद में उनके पुत्र जलपथ राव अंतिम शासक रहे, जिनके बाद यह क्षेत्र निजाम शासन के अधीन चला गया। बताया गया है कि उस समय राजपरिवार के पास उत्नूर और आसपास के क्षेत्रों में भूमि अधिकार थे और वे निज़ाम को वार्षिक राजस्व भी देते थे। बाद में इसी वंश के देव शाह दो बार विधायक भी बने, जिनका निधन 2005 में हुआ।

महिला आयोग टीम ने उप-मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य महिला आयोग की नव-नियुक्त अध्यक्ष गदवाल विजयलक्ष्मी के नेतृत्व में आयोग के सदस्यों ने रविवार को प्रजा भवन में उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का से शिष्टाचार मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल में चित्याला स्वेता, उज्मा जाकिर, नुनावथ राधा, शशिकला और यादव रेड्डी भी शामिल थे। मुलाकात के दौरान टीम ने उप-मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट किया और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसी दिन महिला आयोग की अध्यक्ष गदवाल विजयलक्ष्मी और अन्य सदस्यों ने प्रजा भवन में राज्य पंचायत राज मंत्री सीतक्का से भी मुलाकात की। मंत्री सीतक्का ने उन्हें हाल ही में महिला आयोग में नियुक्ति पर बधाई दी। तेलंगाना सरकार ने हाल ही में राज्य महिला आयोग का पुनर्गठन करते हुए पूर्व जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी को इसका नया अध्यक्ष नियुक्त किया है।

सात दिवसीय संस्कार सुधा शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रृंगेरी शारदा पीठम के अहम ब्रह्मास्मि फाउंडेशन के मार्गदर्शन में बच्चों के लिए सात दिवसीय 'संस्कार सुधा' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य बच्चों को सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों से परिचित कराना है।

पहला शिविर 18 से 24 मई तक श्री श्रृंगेरी शंकरा मठ में आयोजित होगा, जबकि दूसरा शिविर 25 से 31 मई तक मणिकोंडा में लगाया जाएगा। दोनों शिविर प्रतिदिन शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे तक चलेंगे। कार्यक्रम के तहत बच्चों को सनातन धर्म की मूल शिक्षाओं से परिचित कराया जाएगा।

शिक्षकों को भावी पीढ़ी के निर्माण की जिम्मेदारी प्रभावी ढंग से निभानी चाहिए : किरणमयी

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला अतिरिक्त कलेक्टर किरणमयी ने कहा कि शिक्षकों की जिम्मेदारी केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें भावी पीढ़ियों को अच्छे विचारों और संस्कारों से भी परिपूर्ण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षक यदि पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें तो समाज में इस पद की गरिमा और सम्मान और अधिक बढ़ेगा। रविवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के मुख्य सम्मेलन कक्ष में शिक्षा विभाग के तत्वावधान में 'लोक शासन-प्रगति योजना' के 99 दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित शिक्षा सप्ताह समापन समारोह में अतिरिक्त कलेक्टर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है और प्रत्येक छात्र को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर उसी दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि दसवीं कक्षा के बाद चुना गया शैक्षणिक मार्ग भविष्य निर्माण में अहम भूमिका निभाता है, इसलिए विद्यार्थियों को दूसरों की बातों से प्रभावित हुए बिना अपनी रुचि के अनुसार पाठ्यक्रम चुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि समर्पण, निरंतर प्रयास और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करने पर सफलता अवश्य मिलती है।

असफलताओं से निराश होने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। किरणमयी ने कहा कि सरकार सरकारी विद्यालयों के बुनियादी ढांचे में सुधार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री नाश्ता योजना सभी सरकारी स्कूलों में लागू की जा रही है।

उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों में कराने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान एसएससी और इंटरमीडिएट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों तथा खेलों में उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों को 10-10 हजार रुपये नकद पुरस्कार और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। एसएससी टॉपर्स में अमीना, एम. नव्याश्री और एस. चरण शामिल रहे, जबकि इंटर टॉपर्स में ई. श्रीतिलया, वी. गायत्री, पी. पूजा, अक्षरा, जी. शरण्या और के. भार्गवी को सम्मानित किया गया। खेल क्षेत्र में एम. दिव्याश्री, आर. मीनाक्षी और नल्ला अश्विता को पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा उत्कृष्ट स्वयंसेवकों को भी एक-एक हजार रुपये नकद पुरस्कार और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वयस्क शिक्षा उप निदेशक सुशिंदर राव, अनीता, एसएसए स्टाफ, छात्र-छात्राएं, शिक्षक, प्रधानाचार्य और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

'प्रजा पालना-प्रगति योजना' के जरिए पर्यटन क्षेत्र को मिलेगी नई चमक

मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव कई कार्यक्रमों में लेंगे हिस्सा

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार तेलंगाना की संस्कृति, परंपराओं, समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और पर्यटन की भव्यता को दुनिया के सामने पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सरकार की प्रतिष्ठित पहल, 'प्रजा पालना-प्रगति योजना' (जन प्रशासन-प्रगति योजना) के तहत, 18 मई से 23 मई तक पूरे राज्य में बड़े ही भव्य तरीके से 'पर्यटन सप्ताह' समारोह आयोजित किए जाएंगे। ये समारोह पर्यटन विभाग के तत्वावधान में, भाषा और संस्कृति विभाग, पुरातत्व (विरासत) विभाग और एनआईटीएचए संस्थान के साथ मिलकर बड़े ही गौरव के साथ आयोजित किए जा रहे हैं। पर्यटन सप्ताह की शुरूआत के मौके पर, पर्यटन और संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्णा राव सोमवार को कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। सुबह 10:00 बजे: वे जहीराबाद में स्थित स्टेट इंस्टीट्यट ऑफ़ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट में दाखिले और करियर मार्गदर्शन के उद्घाटन कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। शाम 4:00 बजे: अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर, वे नामपल्ली पब्लिक गार्डन्स में स्थित 'राज्य संग्रहालय' में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। इसी जगह पर, मंत्री कोलनुपका साइट संग्रहालय और आलमपुर साइट संग्रहालय के लिए विशेष ब्रोशर, और साथ ही 'तेलंगाना में पर्यटक गाइड' पोस्टर भी जारी करेंगे। सप्ताह भर चलने वाले इन समारोहों का मुख्य उद्देश्य दुनिया को तेलंगाना के पर्यटन क्षेत्र में उपलब्ध अपार अवसरों से परिचित कराना है। इको-टूरिज्म स्थलों को बढ़ावा देने के अलावा, इस पहल का उद्देश्य पर्यटन उद्योग के माध्यम से युवाओं के लिए उपलब्ध रोज़गार के अवसरों के बारे में व्यापक जन जागरूकता पैदा करना भी है। सप्ताह भर चलने वाले उत्सवों के समापन के अवसर पर, 23 मई को हैदराबाद में "डेस्टिनेशन तेलंगाना: पर्यटन के अगले मोर्चे के लिए रणनीतियाँ" विषय के तहत एक प्रतिष्ठित 'पर्यटन सम्मेलन-2026' आयोजित किया जाएगा।

निविदा सूचना संख्याः जी/ई.29/टीआर./टेंडरर नोटिस/09/2025-26 दि.14-05-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुन्टकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा संख्याः जीटीएल-टीआरडी-29-ईटीएन-27-2026-27 कार्य विवरणः गुन्टकल डिवीजन- जीपीवाय-केपीयु स्टेशनों के बीच किमी नं.274/28-75/2 पर स्टील गिर्डर्स पुल सं.550 डाउन (10X9.14) हेतु पीएससी स्लैब्स (पोस्ट टेन्शन्ड) सहित प्रस्तावित रिप्लेसमेन्ट या प्रतिस्थापन के साथ तत्संबंधित ओएचइ परिवर्तन तथा आरयु-जीवाय सेक्शन के 171/4-10 पर पुल सं.251 डाउन (5X14.85एम) तथा जीटीएल-एनडीएल सेक्शन के बीच (बीआर नं. 96 इएक्सजी.स्पैन 5 X 12.20एम, 207 इएक्सजी स्पैन 4 X12.20एम, 152 इएक्सजी स्पैन 1 X12.20, 122 इएक्सजी स्पैन 2 X12.20एम, 121 इएक्सजी स्पैन 2 X12.20एम, 118इएक्सजी स्पैन 2 X12.20एम, 115इएक्सजी स्पैन 3 X12.20एम, 113इएक्सजी स्पैन 2 X12.20एम & 109इएक्सजी स्पैन 3 X12.20एम) (9 नंबर्स) पर तत्संबंधित कार्य।
अनुमानित मूल्य रु.73,93,346.00 अग्रधन रु.1,47,900.00

निविदा बंद करने की तिथि व समयः 05-06-2026 के 15.00 बजे

नोटः 1. निविदाकार, निविदा दस्तावेज को **वेबसाइटः** www.ireps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं।

निविदा की बोली लगाने या टेन्डर बिड्डिंग तथा अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता,ट्रैक्शन/गुन्टकल

A287

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी व निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सःhttps://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in पर जाएं।

सामाजिक कार्यकर्ता रघुपाल की पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता रघुपाल की पहली पुण्यतिथि पर रविवार को हैदराबाद स्थित सुंदरय्या विज्ञान केंद्र में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने रघुपाल को सिद्धांतों और मूल्यों पर अडिग रहने वाला आदर्शवादी नेता बताया। इस अवसर पर वरिष्ठ सीपीआई एम नेता सरमपल्ली मल्लारेड्डी ने लेखक सांबराजु यादवगिरी द्वारा रघुपाल के जीवन और कार्यों पर लिखी पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक की पहली प्रति पोलित ब्यूरो सदस्य बी.वी. राघवुलु को भेंट की गई। सभा को संबोधित करते हुए बी.वी. राघवुलु ने कहा कि 1990 के दशक में हैदराबाद का विकास सार्वजनिक उपक्रमों और उनके कर्मचारियों के कारण हुआ था, जबकि आज आईटी क्षेत्र का वर्चस्व बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि पहले शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं सरकार के नियंत्रण में थीं, लेकिन अब वे निजी क्षेत्र के अधीन होकर आम लोगों की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा क्षेत्र आज कॉर्पोरेट संस्थानों के लिए उद्योगों से भी अधिक लाभदायक बन चुका है। उनके अनुसार उद्योग क्षेत्र में जहां लगभग 20 प्रतिशत वार्षिक लाभ होता है, वहीं शिक्षा क्षेत्र में 33 से 50 प्रतिशत तक मुनाफा कमाया जा रहा है। राघवुलु ने कहा कि निजी क्षेत्र का शोषण आज समाज की बड़ी समस्या बन गया है और ईमानदारी से काम करना कठिन होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग इस व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करते हैं, उन्हें विभिन्न तरीकों से दबाने की कोशिश की जाती है।

उन्होंने स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी चिंता जताते हुए कहा कि आज डॉक्टरों को जांच और दवाइयों के आधार पर कमीशन मिल रहा है, जिससे मरीजों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। इस अवसर पर सीपीआई एम राज्य सचिव जॉन वेस्ली ने रघुपाल को शोषित वर्गों की मुक्ति के लिए जीवन समर्पित करने वाला महान नेता बताया। उन्होंने कहा कि खराब स्वास्थ्य के बावजूद रघुपाल पार्टी गतिविधियों में सक्रिय रहते थे और हर मुद्दे का गहराई से अध्ययन करते थे। उन्होंने युवाओं से रघुपाल के आदर्शों का अनुसरण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बीआरएस विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने भी रघुपाल को याद करते हुए कहा कि छात्र नेता के रूप में जब भी वे उनसे मिलते थे, रघुपाल उनकी भावनाओं को रचनात्मक दिशा देने का काम करते थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

केरलम में सीएम...

सीएम के लिए 3 नेताओं का नाम था, सतीशन चुने गए :

> मुख्यमंत्री पद की दौड़ में वीडी सतीशन, केसी वेणुगोपाल और रमेश चेन्निथला का नाम चल रहा था। रिजल्ट के बाद केरलम कांग्रेस अलग-अलग गुटों में बंटी रही। एक धड़ा सतीशन के समर्थन में था, जिन्हें नई पीढ़ी और आक्रामक विपक्षी चेहरा माना जाता है।

> दूसरा धड़ा वेणुगोपाल और चेन्निथला के पक्ष में था। दावा किया जा रहा था कि ज्यादातर विधायक वेणुगोपाल के समर्थन में थे। वेणुगोपाल को केंद्रीय नेतृत्व का करीबी नेता माना जाता है, जबकि सतीशन का मजबूत जनाधार था। वेणुगोपाल को सीएम न बनाने के लिए पोस्टर भी लगाए गए थे।

> कांग्रेस समर्थकों ने सतीशन के सीएम बनाने के समर्थन में वायनाड में पोस्टर लगाए गए थे। इनमें लिखा था- राहुल और प्रियंका वायनाड को भूल जाओ, यहां फिर नहीं जीतोगे। वायनाड अगला अमेठी होगा। समर्थकों ने हाईकमान को चेताया है कि केसी वेणुगोपाल को मुख्यमंत्री बनाया, तो ठीक नहीं होगा।

तमिलनाडु सीएम विजय...

> थिएटर में रोज 5 शो की अनुमति मिले- उन्होंने राज्यभर के सिनेमाघरों में सभी फिल्मों के लिए रोजाना 5 शो चलाने की अनुमति देने की मांग की।

> ओटीटी रिलीज से पहले 8 हफ्ते का अंतर हो- थिएटर मालिकों और वितरकों को बनाए रखने के लिए फिल्मों की ओटीटी रिलीज से पहले कम से कम आठ सप्ताह का अंतर अनिवार्य किया जाए।

> फिल्म प्रोडक्शन इंसेंटिव योजना शुरू हो- राज्य सरकार से फिल्म प्रोडक्शन इंसेंटिव योजना शुरू करने की भी अपील की। इससे तमिलनाडु फिर से देश का प्रमुख फिल्म निर्माण केंद्र बन सकेगा।

2019: हासन की पार्टी को लोकसभा चुनाव में 4 प्रतिशत वोट मिले थे :

कमल हासन राज्यसभा सांसद हैं। उनकी राजनीतिक पार्टी मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) तमिलनाडु की एक क्षेत्रीय पार्टी है। इसकी शुरूआत उन्होंने 21 फरवरी 2018 को मदुरै में की थी। पार्टी की शुरूआत भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई, ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों को केंद्र में रखकर की गई थी।

2019 लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी को करीब 4 प्रतिशत वोट मिले थे। इसके बाद उन्होंने 2021 तमिलनाडु विधानसभा चुनाव लड़ा, जहां कोयंबटूर साउथ सीट पर उन्हें भाजपा की वानथी श्रीनिवासन से करीबी मुकाबले में हार मिली। कमल हासन की पार्टी ने 2024 लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा था। पार्टी ने उस समय सत्तारूढ़ डीएमके को समर्थन देते हुए इसे समय की जरूरत बताया था। 2025 में डीएमके के समर्थन से उन्हें राज्यसभा भेजा गया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

आईपीएल 2026 में 52वीं बार 200+ स्कोर बना

सुदर्शन सबसे तेज 3 हजार टी-20 रन वाले बैटर, कोलकाता ने 22 सिक्स लगाए

टी-20 में सबसे तेज 3 हजार टी-20 रन

पारी	बल्लेबाज
78	साई सुदर्शन
85	शॉन मार्श
86	डार्सी शॉर्ट
86	डेवोन कॉन्वे
87	क्रिस गेल

IPL की एक पारी में सबसे ज्यादा सिक्स

सिक्स	मैच	साल
24	PBKS vs KKR	2024
22	SRH vs RCB	2024
22	SRH vs DC	2024
22	KKR vs GT	2026*
21	RCB vs PWI	2013
21	PBKS vs LSG	2026

कोलकाता, 17 मई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के 60वें मैच में गुजरात टाइटंस को 29 रन से हरा दिया। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में कोलकाता ने 247 रन का बनाए। 248 रन का पीछा कर रही गुजरात 218/4 का स्कोर बना सकी। यह इस सीजन में 52वीं बार रहा, जब किसी टीम ने 200+ टोटल बनाया। मैच में कोलकाता की ओर से कुल 22 सिक्स लगे। वहीं, गुजरात के साई सुदर्शन सबसे तेज 3000 टी-20 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। आईपीएल 2026 में अब तक 52 बार टीमों ने 200+ टोटल बनाए हैं। यह आईपीएल इतिहास में किसी एक सीजन में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। इससे पहले पिछले सीजन भी 52 बार 200+ स्कोर बने थे। गुजरात के बल्लेबाज साई सुदर्शन सबसे तेज 3 हजार रन बनाने वाले बैटर बन गए। उन्होंने 78 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। सुदर्शन ने ऑस्ट्रेलिया के शॉन मार्श का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 85 पारियों में 3000 टी-20 रन पूरे किए थे।

साई सुदर्शन लगातार चौथी पारी में 50+ स्कोर बनाने वाले गुजरात टाइटंस के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने 2026 सीजन में यह कारनामा किया। उनसे पहले हार्दिक पंड्या ने 2022 सीजन में तीन बार यह कारनामा किया था।

साई सुदर्शन आईपीएल 2026 में 7 बार 50+ स्कोर बना चुके हैं। उन्होंने शुभमन गिल और अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। गिल ने 2023 के सीजन में 7 बार फिफ्टी लगाई थी।

गुजरात के कप्तान शुभमन गिल लगातार दूसरे आईपीएल सीजन में 500+ रन बनाने वाले कप्तान बन गए हैं। उन्होंने 2025 और 2026, दोनों सीजन में यह उपलब्धि हासिल की। लगातार सबसे ज्यादा सीजन में कप्तान रहते हुए 500+ रन बनाने का रिकॉर्ड डेविड वॉर्नर और केएल राहुल के नाम है, जिन्होंने लगातार 3-3 सीजन में ऐसा किया था। शुभमन गिल ने कोलकाता के खिलाफ लगातार तीसरी बार 50+ स्कोर बनाया। वे आईपीएल में केकेआर के खिलाफ लगातार तीन 50+ स्कोर बनाने वाले छठे बल्लेबाज बने।

गुजरात टाइटंस की पारी में शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन ने 50+ स्कोर बनाए। आईपीएल में यह दूसरी बार हुआ, जब गुजरात के तीन बल्लेबाजों ने एक ही पारी में फिफ्टी लगाई।

गुजरात की लगातार 5 जीत के बाद यह पहली हार रही। इससे पहले टीम ने 2022 में भी लगातार 5 मुकाबले जीते थे। वहीं, कोलकाता ने गुजरात के खिलाफ 6 मैचों में सिर्फ दूसरी जीत दर्ज की। ईडन गार्डन्स में गुजरात के खिलाफ कोलकाता की यह पहली जीत भी रही।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने 247/2 का स्कोर बनाया, जो टीम का आईपीएल में तीसरा सबसे बड़ा टोटल है। यह गुजरात टाइटंस के खिलाफ किसी टीम का सबसे बड़ा स्कोर भी बन गया।

कोलकाता का टूर्नामेंट में सबसे बड़ा आईपीएल स्कोर दिल्ली के खिलाफ 2024 में आया था। टीम ने विशाखापट्नम में 7 विकेट खोकर 272 रन बनाए थे। कोलकाता ने पारी में 22 सिक्स लगा दिए, जो आईपीएल इतिहास में एक पारी में संयुक्त रूप से चौथे सबसे ज्यादा हैं। पहले नंबर पर 24 सिक्स के साथ पंजाब किंग्स हैं। टीम ने कोलकाता के खिलाफ ही 2024 में यह कारनामा किया था।

सुनील नरेन ने रचा इतिहास

200 मैच खेलने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बने

गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के मैच हिस्सा बनते ही सुनील नरेन आईपीएल में 200 मैच खेलने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गए. इस लिस्ट में कोई भी खिलाड़ी उनके आसपास नहीं हैं.

2012 में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ आईपीएल डेब्यू करने वाले सुनील नरेन तब से लगातार इसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं. इस दौरान उन्होंने केकेआर को तीन बार खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई. सुनील नरेन के 200 मैचों के बाद दूसरे स्थान पर काइरन पोलार्ड हैं, जिन्होंने 189 मैच खेले हैं. इनके अलावा एबी डिविलियर्स और डेविड वॉर्नर ने 184-184 मैच खेले हैं.

सुनील नरेन आईपीएल में 200 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले इकलौते विदेशी गेंदबाज भी हैंय विदेशी गेंदबाजों की विकेट लिस्ट में उनके बाद ड्वेन ब्रावो (183 विकेट) और राशिद खान (174 विकेट) का नाम आता है.

कोलकाता, 17 मई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार स्पिनर सुनील नरेन ने आईपीएल में एक खास उपलब्धि हासिल कर ली. वह इंडियन प्रीमियर लीग में 200 मैच खेलने वाले पहले विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं.

कोलकाता नाइट राइडर्स के स्टार स्पिनर सुनील नरेन ने इंडियन प्रीमियर लीग में एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. उन्होंने एक ऐसी उपलब्धि हासिल की है, जो इससे पहले किसी भी विदेशी खिलाड़ी के नाम नहीं था.

कोलकाता के ईडन गार्डन्स में

लवलीना बोरगोहेन ने कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए क्वालिफाई किया

एशियन गेम्स का भी टिकट कटाया, दोनों टूर्नामेंट के लिए भारतीय स्क्वॉड का ऐलान

नई दिल्ली, 17 मई (एजेंसियां)। ओलिंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन ने शुक्रवार को पटियाला में हुए नेशनल ट्रायल्स में जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही उन्होंने एशियन गेम्स और कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का टिकट हासिल किया।

टोक्यो 2020 ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट और पूर्व वर्ल्ड चैंपियन लवलीना ने महिला 75 किग्रा मुक्केबाजी के फाइनल में सनमाचा चानू को 5-0 से मात दी। कॉमनवेल्थ गेम्स 23 जुलाई से 2 अगस्त और एशियन गेम्स 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक खेला जाएगा।

विमेंस के 75 किलोग्राम वेट कैटेगरी के फाइनल मुकाबले में लवलीना ने एकतरफा प्रदर्शन किया। उन्होंने सनामाचा चानू को 5-0 से शिकस्त देकर टीम में अपनी जगह सुरक्षित की। लवलीना पिछले महीने उलानबटोर में हुए एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में जगह नहीं बना पाई थीं, जिसके कारण वे सीधे क्वालिफाई करने का पहला मौका चूक गई थीं। इसके बाद उन्हें इस नेशनल ट्रायल्स के जरिए टीम में वापसी करनी पड़ी। लवलिना 2018, 2019 और 2023 में हुए वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में एक गोल्ड और दो ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकी। इसके अलावा वे 2022 में एशियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय मुक्केबाजी टीम

विमेंसः साक्षी चौधरी (51 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), प्रिया घंघास (60 किग्रा), परवीन हुडा (65 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा)

मेंसः जदुमणि सिंह (55 किग्रा), सचिन सिवाच (60 किग्रा), सुमित कुंडू (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (+90 किग्रा)

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के लिए भारतीय मुक्केबाजी टीम

विमेंसः साक्षी चौधरी (51 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), जैस्मीन लैम्बोरिया (57 किग्रा), प्रिया घंघास (60 किग्रा), परवीन हुड्डा (65 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा)

मेंसः जदुमणि सिंह (55 किग्रा), सचिन सिवाच (60 किग्रा), आदित्य प्रताप सिंह (65 किग्रा), सुमित कुंडू (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (+90 किग्रा)

विमेंस टी-20 वर्ल्डकप के लिए पाकिस्तान टीम घोषित

फातिमा सना को कप्तान बनाया, 14 जून को भारत से पहला मैच

टी-20 वर्ल्डकप 2026
पाकिस्तान का शेड्यूल

विरुद्ध	तारीख	वेन्यू
भारत	14 जून 2026	बर्मिंघम
साउथ अफ्रीका	17 जून 2026	बर्मिंघम
बांग्लादेश	20 जून 2026	साउथम्प्टन
ऑस्ट्रेलिया	23 जून 2026	लीड्स
नीदरलैंड	27 जून 2026	ब्रिस्टल

लाहौर, 17 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अगले महीने होने वाले विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। टीम आयरलैंड में होने वाली ट्राई सीरीज में भी हिस्सा लेगी।

ऑलराउंडर फातिमा सना को लगातार दूसरे एडिशन के लिए इस टीम का कप्तान बनाया गया है। टीम में निरंतरता के साथ कई नए चेहरों को भी जगह मिली है। पाकिस्तान 14 जून को बर्मिंघम में भारत के खिलाफ मैच से अभियान शुरू करेगा। इससे पहले टीम 28 मई से 4 जून तक डबलिन में वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी।

5 खिलाड़ियों का वर्ल्ड कप डेब्यूः ऐमन फातिमा, नतालिया परवेज, रामीन शमीम, सायरा जबीन और तस्मिया रुबाब पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप खेलेंगी।

इरम को खराब फॉर्म के बाद मौकाः 34 वर्षीय बल्लेबाज इरम जावेद खराब फॉर्म के बावजूद टीम में जगह बचाने में सफल रही हैं। हाल ही में पाकिस्तान ने होम ग्राउंड पर जिम्बाब्वे को 3-0 से हराया था। इस दौरान कप्तान फातिमा सना ने महिला टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक 15 गेंदों में लगाया था। टीम इसी फॉर्म को वर्ल्ड कप में जारी रखना चाहेगी।

पाकिस्तान का स्क्वॉड

फातिमा सना (कप्तान), आलिया रियाज, आयशा जफर, डायना बेग, ऐमन फातिमा, गुल फिरोजा, इरम जावेद, मुनीबा अली (विकेटकीपर), नशरा संधू, नतालिया परवेज, रामीन शमीम, सादिया इकबाल, सायरा जबीन, तस्मिया रुबाब और तुबा हसन टीम में शामिल हैं। रिजर्व खिलाड़ीः अंबर कायनात, मोमिना रियासत, सदफ शम्स, सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह और उम्मे हानी।

चहल के साथ रिलेशनशिप की खबरों के बीच आरजे महवश ने तोड़ी चुप्पी

क्रिकेटर को अनफॉलो करने पर कही बड़ी बात

खेल डेस्क, 17 मई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पर इन दिनों आरजे महवश और युजवेंद्र चहल की दोस्ती फिर चर्चा में है। हाल ही में दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया, जिसके बाद उनके रिश्ते में अनबन की खबरें सामने आने लगीं। अब इस पूरे मामले पर महवश ने अपनी चुप्पी तोड़ी है।

पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में बात करते हुए महवश ने कहा कि लोग छोटी-छोटी बातों को बहुत बड़ा बना देते हैं। उन्होंने कहा, 'दोस्तों के बीच बहस होना, एक-दूसरे को अनफॉलो करना कोई बड़ी बात नहीं है। जिन दोस्तों के साथ आपने हंसी-मजाक के पल बिताए हों, उनके लिए दिल में कड़वाहट नहीं रखनी चाहिए। मैं हमेशा उनके लिए अच्छा ही चाहूंगी।'

उन्होंने आगे कहा, 'जिंदगी बहुत छोटी है। लोगों को माफ करके आगे बढ़ जाना चाहिए। दोस्तों के बीच फॉलो-अनफॉलो का ड्रामा चलता रहता है, इसमें इतना बड़ा मुद्दा बनाने जैसी कोई बात नहीं है।'

जब उनसे पूछा गया कि क्या कभी उनका रिश्ता दोस्ती से आगे बढ़ा था, तो महवश ने साफ इनकार किया। उन्होंने कहा, 'ऐसा कुछ भी नहीं था। मैं दोस्ती को बहुत अहमियत देती हूं। उस समय वह अपने जीवन के मुश्किल दौर से गुजर रहे थे और हमने सिर्फ एक अच्छे दोस्त की तरह उनका साथ दिया।'

दरअसल, युजवेंद्र चहल और आरजे महवश को कई बार साथ देखा गया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों के रिलेशनशिप की खबरें तेज हो गई थीं। खासकर धनाश्री वर्मा से चहल के तलाक के बाद ये चर्चाएं और बढ़ गईं। हालांकि दोनों हमेशा यही कहते आए हैं कि वे सिर्फ अच्छे दोस्त हैं।

इससे पहले चहल ने भी एक पॉडकास्ट में इन अफवाहों पर रिएक्शन दिया था। उन्होंने कहा था, 'लोग जो सोचना चाहते हैं सोच सकते हैं, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 23 रन से हराया

धर्मशाला, 17 मई (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच आईपीएल 2026 का बहुत ही अहम मुकाबला खेला गया. जहां पर दोनों ही टीमों के बीच टक्कर का मुकाबला खेला गया. पंजाब किंग्स की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम ने पहले बल्लेबाजी करके 20 ओवरों में 4 विकेट गंवाकर 222 रन बनाए. जवाब में पंजाब किंग्स की टीम 8 विकेट गंवाकर 199 रन बनाए. हालांकि उसके बाद भी उनकी टीम 23 रनों से मुकाबला हार गई. टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की टीम को खराब शुरुआत मिली. जैकब बेथेल सिर्फ 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे. दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने हालांकि 37 गेंदों में 58 रनों की शानदार पारी खेली. वहीं उनका साथ देते हुए देवदत्त पडिक्कल ने 25 गेंदों में 45 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली. जिसमें उन्होंने 25 गेंदों में 45 रन बना डाले.

नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने आए वेंकटेश अय्यर ने 40 गेंदों में नाबाद 73 रनों की पारी खेली. जिसमें 8 चौके और 4 गगनचुंबी छक्के शामिल थे. अंत में टिम डेविड ने भी 12 गेंदों में 28 रनों की शानदार पारी खेली. जिसके कारण ही आरसीबी की टीम ने 20 ओवरों में 4 विकेट के नुकसान पर 222 रन बनाए. पंजाब किंग्स के लिए हरप्रीत बरार ने 2 विकेट झटके तो वहीं अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल को 1-1 विकेट मिला.

एलिना स्वितोलिना ने जीता इटैलियन ओपन का खिताब

फाइनल में कोको गॉफ को हराया

रोम, 17 मई (एजेंसियां)। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना और सेमीफाइनल में इगा स्वियाटेक को हराकर फाइनल में पहुंचीं स्वितोलिना पिछले साल की रनर-अप गॉफ के खिलाफ शुरुआत में दबाव में दिखाई दीं और पहले सेट में 2-4 से पीछे चल रही थीं। मैच का टर्निंग पॉइंट आठवें गेम में आया, जब गॉफ ने 40-0 की लीड बनाने के बाद दो बार डबल-फॉल्ट किया, जिससे स्वितोलिना को ब्रेक बैक करने का मौका मिला। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेनी खिलाड़ी स्वितोलिना ने फिर नौवें गेम में तीन ब्रेक पॉइंट बचाकर सर्व बनाई रखी और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया।

दूसरा सेट में स्वितोलिना और गॉफ के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। गॉफ ने 11वें गेम में अहम ब्रेक लिया, लेकिन जब वह सेट जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब स्वितोलिना ने तुरंत वापसी करते हुए ब्रेक हासिल कर लिया और मुकाबला टाईब्रेक तक पहुंच गया।

टाईब्रेक में गॉफ ने शानदार खेल दिखाया और सेट को 7-3 से अपने नाम करते हुए मैच को बराबरी पर ला दिया।

स्वितोलिना ने पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक करके निर्णायक सेट में कंट्रोल वापस पा लिया। चैंपियनशिप के लिए सर्व करते हुए, उन्होंने बैकहैंड वॉली लगाकर अपनी जीत पक्की करने से पहले तीन ब्रेक पॉइंट बचाए। यह जीत रोम में उनका तीसरा सिंगल्स टाइटल और उनके करियर का 20वां डब्ल्यूटीए सिंगल्स टाइटल है।

मैच के बाद स्वितोलिना ने कहा, 'निश्चित रूप से यह एक बहुत मुश्किल लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पूरे टूर्नामेंट में उन्होंने अपनी घबराहट को संभाला उससे मैं काफी खुश हूं।' पुरुषों के ड्रॉ में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने सातवें सीड दानिल मेदवेदेव के खिलाफ बारिश की वजह से रुका हुआ अपना सेमीफाइनल मैच पूरा किया। उन्होंने 6-2, 5-7, 6-4 से जीत दर्ज करते हुए फाइनल का टिकट कटाया, जहां उनका सामना 23वें सीड वाले कैस्पर रूड से होगा।

थाईलैंड ओपन के फाइनल में हारे सात्विक-चिराग

मार्टिन-कार्नांडो ने 21-12, 25-23 से दी शिकस्त

बैंकॉक, 17 मई (एजेंसियां)। भारत की स्टार पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीतने से चूक गई। बैंकॉक में खेले गए रोमांचक फाइनल में इंडोनेशिया की लियो कार्नांडो और डेनिएल मार्टिन की जोड़ी ने भारतीय खिलाड़ियों को 53 मिनट तक चले मुकाबले में 21-12, 25-23 से हराया।

दुनिया की चौथे नंबर की भारतीय जोड़ी शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। चिराग शुरुआती सर्विस एक्सचेंज में संघर्ष करते दिखे, जिसका फायदा इंडोनेशियाई जोड़ी ने उठाया और जल्दी 4-1 की बढ़त बना ली। हालांकि भारतीय जोड़ी ने कुछ समय तक मुकाबले में बने रहने की कोशिश की, लेकिन लियो और डेनियल के आक्रामक स्मैश और तेज नेट प्ले के सामने वे टिक नहीं सके। इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने लगातार दबाव बनाए रखा और पहला गेम 21-12 से अपने नाम कर लिया।

पहला गेम गंवाने के बाद सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम में शानदार वापसी की। भारतीय जोड़ी ने तेज रफ्तार रैलियों और बेहतर नेट गेम के दम पर मुकाबले में बराबरी बनाई। एक समय भारतीय जोड़ी 7-5 से आगे निकल गई और फिर दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। स्कोर 14-14 से लेकर 19-19 तक बराबरी पर चलता रहा। इसके बाद इंडोनेशियाई जोड़ी ने लगातार चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किए, लेकिन सात्विक और चिराग ने शानदार जुझारूपन दिखाते हुए चार बार मुकाबला बचा लिया। हालांकि पांचवें चैंपियनशिप प्वाइंट पर भारतीय जोड़ी नेट में शटल मार बैठी और मुकाबला हार गई।

सात्विक और चिराग के लिए यह सीजन का पहला फाइनल था। सात्विक के कंधे की चोट के कारण भारतीय जोड़ी कुछ टूर्नामेंट नहीं खेल पाई थी, लेकिन वापसी के बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। यह थाईलैंड ओपन में उनका तीसरा फाइनल था। इससे पहले भारतीय जोड़ी 2019 और 2024 में यहां खिताब जीत चुकी थी।

लियो कार्नांडो और डेनियल मार्टिन की जोड़ी के लिए यह जीत बेहद खास रही। दोनों खिलाड़ी दो साल बाद फिर साथ खेले थे, क्योंकि डेनियल घुटने की गंभीर चोट और सर्जरी के बाद वापसी कर रहे थे। यह पहली बार भी था जब इंडोनेशियाई जोड़ी ने सात्विक-चिराग को हराया। इससे पहले भारतीय जोड़ी का उनके खिलाफ 4-0 का रिकॉर्ड था। हालांकि भारतीय जोड़ी खिताब जीतने से चूक गई, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनके संघर्ष और जज्बे ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे दुनिया की सबसे मजबूत पुरुष युगल जोड़ियों में शामिल हैं।

कांग्रेस सरकार ने घोषणाओं के नाम पर जनता को किया गुमराह : किशन रेड्डी

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता) । नामपल्ली स्थित भाजपा राज्य कार्यालय में केंद्रीय मंत्री गंगापुरम किशन रेड्डी ने मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस सरकार पर तीखे आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने घोषणाओं के नाम पर जनता को गुमराह किया है और अपने वादों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार धान खरीदने में भी असमर्थ है और अपनी विफलताओं का ठीकरा केंद्र सरकार एवं अधिकारियों पर फोड़ रही है। किशन रेड्डी ने कहा कि किसान ऋण माफी पूरी नहीं हुई है और कृषि मजदूरों एवं काश्तकारों के साथ भी वादाखिलाफी की गई है। उन्होंने दावा किया कि सरकार की लापरवाही के कारण लाखों किसान बैंक डिफॉल्टर बन गए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर किसानों को लाभ पहुंचा रही है। उन्होंने बताया कि पहले धान का एमएसपी लगभग 1300 रुपये प्रति क्विंटल था, जिसे अब बढ़ाकर लगभग 2360 रुपये किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस तक सीमित है और जमीनी स्तर पर खरीद प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने में विफल है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार धान और कपास दोनों की खरीद में सक्रिय भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार किसानों को कई योजनाओं के माध्यम से लाभ दे रही है और दुनिया की सबसे बड़ी मुफ्त खाद्य वितरण योजना भारत में लागू की गई है, जिसके तहत करोड़ों लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है। एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए है और इसमें मृत, डुप्लिकेट एवं अवैध मतदाताओं के नाम हटाए जाने चाहिए। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से चुनाव आयोग के साथ सहयोग करने की अपील की। किशन रेड्डी ने राज्य सरकार पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर भी निशाना साधा और कहा कि तेल की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय कारणों का प्रभाव है, जबकि राज्य सरकार भी उच्च वैट लगाकर जनता पर बोझ डाल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को किसानों और जनता के हित में कार्य करना चाहिए, न कि राजनीतिक बयानबाजी में उलझना चाहिए।

केरलम मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे रेवंत रेड्डी और भट्टी विक्रमार्का

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी तथा उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का मल्लू केरलम के नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे। यह समारोह सोमवार को तिरुवनंतपुरम सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस नेता वी.डी. सतीशन को सर्वसम्मति से कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नेता चुने जाने के बाद केरलम के अगले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाएगी। यह बदलाव राज्य की राजनीति में एक बड़े परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है। इस चुनाव में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने 140 सदस्यीय विधानसभा में 102 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। इस जीत के साथ राज्य में एक दशक से चल रही वामपंथी सरकार का अंत हो गया है। कार्यक्रम में देशभर से कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य व्यक्ति शामिल होंगे, जिससे यह शपथ ग्रहण समारोह राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

किसानों को हरसंभव सहायता देंगे : चामला

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता) । भुवनगिरि सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी तथा सरकारी सचेतक एवं विधायक वेमुला वीरेशम ने कट्टंगूर मंडल के अइटीपामुल गांव स्थित धान खरीद केंद्र का संयुक्त निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों ने धान खरीद प्रक्रिया, तौल व्यवस्था तथा परिवहन की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और किसानों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। सांसद ने जिला कलेक्टर से फोन पर बात कर धान को शीघ्र गोदामों तक पहुंचाने, लारियों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा किसानों के लिए गनी बैग उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि सरकार किसानों द्वारा उत्पादित धान के प्रत्येक दाने की खरीद सुनिश्चित करेगी। किसानों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सरकार हर स्तर पर उनके साथ है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि खरीद केंद्रों पर किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पेयजल, छाया, तिरपाल और विश्राम स्थल जैसी मूलभूत सुविधाएं तुरंत उपलब्ध कराई जाएं तथा खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी हो और किसी भी प्रकार के बिचौलियों का हस्तक्षेप न रहे। सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है तथा किसानों के खातों में 48 घंटे के भीतर भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, मार्केट कमेटी के सदस्य, कृषि एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

सभी समुदायों की भावनाओं का सम्मान भी आवश्यक : रामचंदर राव

गौ रक्षकों के खिलाफ कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताया

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता) । प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने पुलिस द्वारा गौ रक्षकों और स्वैच्छिक गौ सेवकों के खिलाफ की जा रही कथित कार्रवाई को लेकर कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि बकरीद के मद्देनज़र पुलिस द्वारा गौ रक्षकों और स्वयंसेवकों को परेशान किया जा रहा है तथा उनके खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं, जिसे भाजपा गंभीरता से निंदनीय मानती है। रामचंदर राव ने आरोप लगाया कि अट्टापुर में हुई घटना के बाद पुलिस, एमआईएम के दबाव में काम करते हुए गौ रक्षकों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज कर रही है। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के बजाय पुलिस एकतरफा कार्रवाई कर रही है, जिससे एक विशेष वर्ग की भावनाएं आहत हो रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में सभी धर्मों को अपने-अपने धार्मिक कार्य करने की स्वतंत्रता है, लेकिन साथ ही सभी समुदायों की भावनाओं का सम्मान भी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि गौ माता हिंदू समाज की आस्था, संस्कृति और भावनाओं से जुड़ी हुई है। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि गौ रक्षकों और स्वयंसेवकों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार अस्वीकार्य है।

उन्होंने मांग की कि सरकार और पुलिस निष्पक्षता से काम करें और किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को रोकते हुए सभी समुदायों की भावनाओं का सम्मान सुनिश्चित करें। उन्होंने पुलिस से आग्रह किया कि गौ रक्षकों के खिलाफ कथित झूठे मामले तुरंत वापस लिए जाएं तथा सभी के साथ समान और निष्पक्ष व्यवहार किया जाए, ताकि राज्य में शांति और सौहार्द बना रहे। रामचंदर राव ने कहा कि भाजपा गौ रक्षकों, गौ सेवकों और हिंदू भावनाओं की रक्षा के लिए हमेशा मजबूती से खड़ी रहेगी। है। उन्होंने कहा कि गौ माता हिंदू समाज की आस्था, संस्कृति और भावनाओं से जुड़ी हुई है।

साई भागीरथ के खिलाफ दर्ज मामले की जांच की निगरानी करेंगे डीसीपी कुकटपल्ली

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता) । साइबराबाद के पुलिस आयुक्त एम रमेश ने बताया कि साइबराबाद आयुक्तालय के अंतर्गत थाना पेटबशीराबाद में 8 मई को पीड़िता बालिका की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया। यह मामला आरोपी साई भागीरथ उर्फ भागीरथ के विरुद्ध दर्ज किया गया है।

जांच के दौरान जांच अधिकारी (आईओ) द्वारा पीड़िता तथा अन्य गवाहों के बयान दर्ज किए गए। पीड़िता के बयान के आधार पर प्रकरण में धाराओं का संशोधन करते हुए धारा 64(2)(एम) बीएनएस तथा धारा 5(1) सहपठित धारा 6 पॉक्सो अधिनियम जोड़ी गई। जांच की निगरानी हेतु डीसीपी कुक्टपल्ली रितिराज को निर्देशित किया गया। पीड़िता का बयान मजिस्ट्रेट के समक्ष बीएनएसएस की धारा 183 के तहत दर्ज कराया गया। उन्होंने दावा किया कि आरोपी की गिरफ्तारी हेतु विशेष टीमों का गठन कर करीमनगर, दिल्ली एवं अन्य स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया।

साथ ही आरोपी के परिचितों के ठिकानों पर भी जांच की गई तथा उसके विरुद्ध लुक आउट सर्कुलर भी जारी किया गया। विश्वसनीय सूचना के आधार 16 मई को नर्सिंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत मणचिरेवुला स्थित टेक पार्क के पास साइबराबाद एसओटी टीम द्वारा नाकाबंदी कर आरोपी को रात 8:15 बजे गिरफ्तार किया गया और उसे थाना पेटबशीराबाद लाया गया। थाने में आरोपी को गवाहों की उपस्थिति में पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपराध स्वीकार किया। इसके पश्चात उसे गिरफ्तार कर चिकित्सीय परीक्षण के बाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

केटीआर का कांग्रेस सरकार पर हमला

बीआरएस कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने की अपील

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव (केटीआर) ने कहा है कि जनता कांग्रेस सरकार की कार्यशैली से नाराज है और लोग फिर से के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) को मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। केटीआर ने शनिवार को हैदराबाद में एक बैठक के दौरान कहा कि कांग्रेस सरकार शहर में पेयजल सप्लाई और मच्छर नियंत्रण जैसी बुनियादी सुविधाओं को ठीक से संभालने में विफल रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर सरकार ने गरीबों के लिए घर बनवाए थे, लेकिन अब कांग्रेस सरकार उन्हीं घरों को गिरा रही है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भी निशाना साधते हुए कहा कि मतदाता सूची को लेकर देश के कई राज्यों में विवाद खड़े हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ जगहों पर वोटर लिस्ट में मनमाने तरीके से बदलाव किए गए हैं। केटीआर ने बीआरएस कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने की सलाह दी और कहा कि वे सुनिश्चित करें कि तेलंगाना में किसी भी तरह की गलत रणनीति सफल न हो।

उन्होंने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची की पूरी जानकारी रखने और लोगों के वोटिंग अधिकार की रक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी दावा किया कि तेलंगाना में भाजपा की जमीनी मौजूदगी बहुत कमजोर है और पार्टी मुख्य रूप से सोशल मीडिया तक सीमित है। बैठक में उन्होंने सनतनगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव की भी प्रशंसा की और उनके विकास कार्यों व राजनीतिक सक्रियता की सराहना की।

गुडिमलकपुर में मवेशी परिवहन विवाद के बाद पथराव, कई घायल

हिंसा के बाद इलाके में तनाव, पुलिस बल तैनात

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गुडिमलकपुर क्षेत्र में मवेशियों के संदिग्ध परिवहन को लेकर हुए विवाद के बाद दो समूहों के बीच पथराव हो गया, जिसमें कई लोग घायल हो गए और कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। जानकारी के अनुसार, यह घटना तब शुरू हुई जब गौ रक्षा से जुड़े कुछ लोगों ने प्लाईवुड शीट ले जा रहे एक डीसीएम वाहन को रोक लिया। आरोप है कि वाहन चालक को बाहर खींचकर उसकी पिटाई की गई, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच पथराव शुरू हो गया, जिसमें पुलिसकर्मी भी घायल हुए। भीड़ ने सड़क किनारे खड़ी कई गाड़ियों को भी नुकसान पहुंचाया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और हालात पर नजर रखी गई। घटना के चलते मेहदीपटनम से अत्तापुर जाने वाले मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में बहाल कर दिया गया। बाद में एआईएमआईएम विधायक मजीद हुसैन मेराज ने कार्रवाई की मांग को लेकर धरना दिया और पुलिस अधिकारियों से मामले में सख्त कार्रवाई की अपील की। पुलिस ने जांच का आश्वासन दिया है।

बकरीद से पहले तेलंगाना पुलिस हाई अलर्ट पर, अवैध मवेशी परिवहन पर कड़ी निगरानी

52 चेक पोस्ट और 203 चेकपॉइंट सक्रिय, सांप्रदायिक तनाव रोकने के निर्देश

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ईद-उल-अधा (बकरीद) से लगभग दस दिन पहले तेलंगाना पुलिस राज्य में किसी भी तरह के सांप्रदायिक तनाव और मवेशियों के अवैध परिवहन को रोकने के लिए हाई अलर्ट पर है। डीजीपी सीवी आनंद ने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों के साथ बैठक कर अधिकारियों को सख्त निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अवैध पशु परिवहन और नियमों के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने राज्यभर में 52 अंतरराज्यीय चेक पोस्ट और 203 चेकपॉइंट सक्रिय किए हैं, जहां संदिग्ध वाहनों की जांच की जा रही है। इसके अलावा, पशु बाजारों और सोशल मीडिया गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी तरह की अफवाह या तनाव को रोका जा सके।

डीजीपी ने गौ रक्षक समूहों से अपील की है कि वे कानून को अपने हाथ में न लें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना पुलिस को दें। हाल के दिनों में कुछ स्थानों पर मवेशी परिवहन को लेकर विवाद और हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं, जिसके बाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

टीजी ईएपीसीईटी 2026 परिणाम घोषित, एम. रुशी और मुकर्रम अहमद बने टॉपर

इंजीनियरिंग और ए एंड पी स्ट्रीम में छात्रों ने किया शानदार प्रदर्शन

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईएपीसीईटी) 2026 के परिणाम रविवार को जारी किए गए, जिसमें एक छात्रा और एक छात्र ने अपनी-अपनी स्ट्रीम में शीर्ष स्थान हासिल किया। इंजीनियरिंग स्ट्रीम में मेडचल के एम. रुशी ने 156.63532 अंक प्राप्त कर पहला स्थान हासिल किया, जबकि ए एंड पी स्ट्रीम में हैदराबाद के मुकर्रम अहमद ने 150.177079 अंक के साथ टॉप किया। इंजीनियरिंग स्ट्रीम में बेजुगामा अंशुल ने दूसरा और आंध्र प्रदेश के कडपा निवासी मराका वामशीधर रेड्डी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं ए एंड पी स्ट्रीम में तादुरी निवृत्त साई वेंकट दूसरे और रंगा रेड्डी की साहिती गीतिका गुनिथि तीसरे स्थान पर रहीं।

जेएनटीयू-हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में परिणाम जारी किए गए, जिसमें कई वरिष्ठ शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे। इस वर्ष इंजीनियरिंग स्ट्रीम में 210766 छात्रों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 197242 परीक्षा में शामिल हुए और 144704 छात्र (73.36 प्रतिशत) उत्तीर्ण हुए। वहीं ए एंड पी स्ट्रीम में 90977 छात्रों ने आवेदन किया, जिनमें से 84954 परीक्षा में शामिल हुए और 73294 छात्र (86.27 प्रतिशत) सफल हुए। अधिकारियों ने बताया कि स्नातक इंजीनियरिंग प्रवेश की प्रक्रिया एक सप्ताह के भीतर शुरू की जाएगी। परिणाम आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

चोटुप्पल पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 437 किलो गांजा बरामद

एसयूवी से उत्तर प्रदेश ले जाई जा रही थी खेप, दो आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस की ईगल फोर्स टीम और चोटुप्पल पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। पुलिस ने एसयूवी 500 कार से 437 किलोग्राम गांजा जब्त किया और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी डी. सलीम (34) और अमन (22) के रूप में हुई है। वहीं इस मामले में दो अन्य आरोपी अमीरउद्दीन और फिरोज फरार बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है।

जानकारी के मुताबिक, विशिष्ट सूचना के आधार पर पुलिस ने विजयवाड़ा राजमार्ग पर वाहन को रोका। तलाशी के दौरान कार में गांजा भरा हुआ पाया गया, जिसे उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा था। पुलिस ने आरोपियों के पास से 437 किलोग्राम गांजा, दो मोबाइल फोन और 27,500 रुपये नकद भी जब्त किए हैं। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए आगे की जांच जारी है।

कृषि बाजार में किसान की हार्ट अटैक से मौत

खरीद में देरी को लेकर किसानों में नाराजगी

वारंगल, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के आलमकनिपेटा गांव स्थित कृषि बाजार में रविवार को एक किसान की हृदयाघात से मौत हो गई। घटना से बाजार में अफरा-तफरी मच गई। मृतक की पहचान जी. पेद्दा वेंकटेश्वरलू के रूप में हुई है। वह अपने खेतों में उगाई गई धान की फसल बिक्री के लिए कृषि बाजार पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार, अपनी बारी का इंतजार करते समय वह अचानक गिर पड़े। स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें बचाने के लिए सीपीआर देने की कोशिश की, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आए हैं। किसानों का आरोप है कि खरीद केंद्रों पर पिछले एक महीने से देरी हो रही है, जिससे किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कुछ दिनों में कई जिलों में किसानों के बेहोश होने की घटनाएं भी सामने आ चुकी हैं।

अगस्त माह के लिए ऑनलाइन दर्शन एवं आवास कोटा जारी : टीटीडी

तिरुमला, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा अगस्त माह के लिए विभिन्न अर्जित सेवा, दर्शन एवं आवास कोटा की ऑनलाइन बुकिंग संबंधी विवरण जारी कर दिया गया है। टीटीडी के अनुसार श्रीवारी अर्जित सेवाओं (सुप्रभातम, तोमाला, अर्चना एवं अष्टदल पद्माराधना सेवा) के टिकट 18 मई को सुबह 10 बजे जारी किए जाएंगे। इन सेवाओं के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिप प्रणाली के माध्यम से पंजीकरण 20 मई सुबह 10 बजे तक ऑनलाइन खुला रहेगा। सफल भुगतान करने वाले भक्तों को टिकट 20 मई से 22 मई दोपहर 12 बजे तक आवंटित किए जाएंगे। टीटीडी ने बताया कि कल्याणम, उनजल सेवा, अर्जित ब्रह्मोत्सवम एवं सहस्र दीपालंकार सेवा के टिकट 21 मई सुबह 10 बजे जारी होंगे। इसी प्रकार वार्षिक पवित्रोत्सवम (23-08-26 से 25-08-26) के टिकट भी उसी दिन सुबह 10 बजे जारी किए जाएंगे, जबकि वर्चुअल सेवाओं और संबंधित दर्शन स्लॉट दोपहर 3 बजे उपलब्ध कराए जाएंगे। अंगप्रदक्षिणम् टोकन 23 मई सुबह 10 बजे जारी होंगे, जबकि श्रीवाणी ट्रस्ट दर्शन टिकट उसी दिन 11 बजे उपलब्ध कराए जाएंगे। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं गंभीर रोगों से पीड़ित श्रद्धालुओं के लिए विशेष दर्शन स्लॉट दोपहर 3 बजे जारी किया जाएगा। स्पेशल एंट्री दर्शन टिकट 25 मई सुबह 10 बजे जारी किए जाएंगे तथा तिरुमला एवं तिरुपति में आवास की बुकिंग 25 मई दोपहर 3 बजे ऑनलाइन उपलब्ध होगी।

ड्रंक एंड ड्राइव पर सख्ती

हैदराबाद, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता) । हैदराबाद यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा को मजबूत बनाने के उद्देश्य से शहरभर में चलाए गए विशेष ड्रंक एंड ड्राइव अभियान के दौरान 474 वाहन चालकों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। यह जानकारी संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) डी. जॉयल डेविस ने दी। पुलिस द्वारा 15 और 16 मई को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकड़े गए लोगों में 417 दोपहिया वाहन चालक, 24 तिपहिया वाहन चालक तथा 33 कार और अन्य चारपहिया वाहन चालक शामिल हैं। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, ब्रीथ एनालाइज़र जांच में 30 से 50 बीएसी स्तर वाले 103 मामले, 51 से 100 बीएसी वाले 188 मामले तथा 101 से 150 बीएसी वाले 100 मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा 151 से 200 बीएसी स्तर पर 44, 201 से 250 बीएसी पर 19, 251 से 300 बीएसी पर 8 तथा 300 से अधिक बीएसी स्तर वाले 12 चालक पकड़े गए। संयुक्त पुलिस आयुक्त डी. जॉयल डेविस ने कहा कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई जा रही है।

नालगोंडा में मां-बेटी की बेरहमी से हत्या, नींबू बाग में मिली लाशें

जमीन विवाद में हत्या की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

नालगोंडा, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के इब्राहिमपेट गांव में रविवार को एक नींबू के बाग में अज्ञात हमलावरों ने मां और बेटी की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है।

मृतकों की पहचान रुद्राक्ष सुमालथा (40) और उनकी बेटी रुद्राक्ष लावण्या (20) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह वारदात जमीन विवाद से जुड़ी बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, दोनों सुबह नींबू के बाग में फल तोड़ने गई थीं, तभी अज्ञात लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

हमलावरों ने पहले उनकी आंखों में मिर्च पाउडर फेंका और बाद में दुपट्टे से गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश तेज कर दी है।

पुलिस कांस्टेबल ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

निलंबन के बाद तनाव में होने की आशंका

मंचेरियल, 17 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंदामारी के रमन कॉलोनी क्षेत्र में रविवार को एक पुलिस कांस्टेबल ने चलती ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। रेलवे पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान एर्रागुंटापल्ली निवासी कांस्टेबल अरविंद (28) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि उन्हें हाल ही में रिश्वत लेने के आरोप में निलंबित किया गया था।

प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, निलंबन के बाद वह मानसिक तनाव में थे। पुलिस का कहना है कि घटना के पीछे के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कांस्टेबल शराब के आदी थे और निलंबन के बाद मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.